राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 शी जिनपिंग के पास तेजी से दौड़ा उनका सहयोगी, सियोरिटी.....

आईएनडीआईए के होंगे कई संयोजक, लालू यादव के बयान में संदेश ढूंढ रही 12

वर्ष : 11 | अंक : 105 | पटना , शुक्रवार, 25 अगस्त, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

सड़क परियोजनाओं को लेकर केंद्रीय मंत्री गडकरी से मिले डिप्टी सीएम तेजस्वी

- बोलें- एक्सप्रेस वे, एनएच सहित अन्य बिंदुओं पर हुई साकारात्मक बातचीत

प्रात : किरण

पटना। उपमुख्यमंत्री सह पथ निर्माण मंत्री तेजस्वी यादव ने गुरुवार को दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की है। मुलाकात के बाद तेजस्वी यादव ने बताया कि बिहार में एनएच के निर्माण को लेकर नितिन गडकरी से बातचीत हुई है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार चाहती है कि राज्य में कम से कम एक एक्सप्रेस वे बने, इसको लेकर भी उनसे साकारात्मक बातचीत हुई है। गड़करी से मुलाकात के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि विकास को लेकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी बहुत ही साकारात्मक रहते हैं। बिहार के कई प्रोजेक्ट जो पिछले 11-12

साल से रूके हुए थे, उसपर बातचीत हुई है। तेजस्वी ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण मांग यह हुई है कि बिहार में अभी तक एक भी एक्सप्रेस-वे का निर्माण नहीं हो सका है। बिहार में एक एक्सप्रेस वे की मांग की है। पिछली बार गड़करी जब बिहार आए थे तो सड़कों के विकास के लिए हर संभव मदद की बात कही थी। तेजस्वी ने कहा कि बिहार सरकार चाहती है कि राज्य में एक एक्सप्रेस बने, जिसपर बातचीत के दौरान गडकरी साकारात्मक नजर आए। उन्होंने कहा कि बक्सर से भागलपुर तक एक्सप्रेसवे, गंगा पर जेपी सेतु के समानांतर पुल, पटना से कोइलवर एवं अनीसाबाद से दीदारगंज के बीच एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण की मांग की गई है और केंद्र की लंबे अर्से से लंबित परियोजनाओं जैसे पटना-गया, हाजीपुर-छपरा, महेशखूंट-सहरसा-पूर्णिया एनएच, मुजफ़्फ़रपुर बाईपास के निर्माण को जल्द से जल्द पूरा कराने पर बातचीत हुई है। वहीं, चंद्रयान 3 की सफलता पर तेजस्वी ने कहा कि यह भारत के वैज्ञानिकों के योगदान से ही संभव हो सका है, इसके लिए उन्हें धन्यवाद देते हैं। इसरो के वैज्ञानिकों ने देश का नाम ऊंचा करने का काम किया है। वहीं, मीडिया द्वारा यह कहने पर कि पूर्व पीएम अटल बिहारी बाजपेयी और पीएम मोदी ने इसरो को आगे बढ़ाने का काम किया है, इसपर तेजस्वी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो इसरो का बजट ही घटा दिया था।

मौसम

अधिकतम तापमान 34.0°C

न्यूनतम तापमान 28.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	60,355
चांदी	69,700
सेंसेक्स	65,280
निफ्टी	19,332

संक्षिप्त खबरें

वज्रपात से 03 लोगों की मौत पर मुख्यमंत्री ने जताया दुख

पटना। वज्रपात से जमुई जिले में 02 एवं मुंगेर जिले में 01 व्यक्ति की हुयी मौत पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने अविलंब मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिये आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें ।

ड्रग डीलरों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रखें राज्य : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि ड्रग डीलरों और उनके नेटवर्क के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। इस दिशा में राज्य सरकारों को शक्ति से निपटने की जरूरत है। शाह ने गुरुवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए केन्द्र सरकार प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुई बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षा

- पूरे राज्य में 850 केंद्र, आठ लाख से अधिक परीक्षार्थी
- 26 अगस्त तक दो पालियों में होगी परीक्षा

प्रात : किरण

पटना। बिहार की सबसे बड़ी स्कूल शिक्षक भर्ती परीक्षा कड़ी सुरक्षा के बीच राज्य के 850 केन्द्रों पर बृहस्पतिवार को शुरू हुई। स्कूल शिक्षकों के 1,70,461 पदों पर भर्ती के लिए आठ लाख से अधिक के अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जा रही यह परीक्षा 26 अगस्त तक जारी रहेगी। बीपीएससी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, राज्य में 850 केन्द्रों पर परीक्षा बिना किसी परेशानी से संपन्न हो इसकी पूरी व्यवस्था की गई है। सभी अभ्यर्थियों के लिए प्राथमिक शिक्षक भर्ती और अनिवार्य पेपर परीक्षा 24-25 अगस्त को होनी है। उसके बाद 26 अगस्त को, पहली पारी में माध्यमिक शिक्षकों के अभ्यर्थियों और दूसरी पारी में उच्चतर माध्यमिक के अभ्यर्थियों की परीक्षा होगी। उन्होंने बताया कि पहली पारी सुबह 10 से 12 बजे तक और दूसरी पारी दोपहर साढ़े तीन बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक होगी।

परीक्षा परिणाम दो चरणों में 25 सितंबर तक घोषित किए जाने की उम्मीद है। कदाचार रोकने के लिए परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा के पर्याप्त उपाय किए गए हैं। प्रमाणीकरण के लिए उम्मीदवारों के बायोमेट्रिक डेटा और चेहरे की पहचान प्रणाली भी स्थापित की गई है।

पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह ओर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा ने कहा, पटना जिले के सभी केन्द्रों में परीक्षा का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन ने बीपीएससी द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों के उल्लंघन की जांच करने के लिए उड़न दस्ते भी तैनात किए हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में राज्य कैबिनेट ने इस साल मई के पहले सप्ताह में राज्य में प्राथमिक, मध्य और उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लिए 1.78 लाख शिक्षकों की भर्ती करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इस वर्ष के अंत तक पूरी भर्ती प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद है।

होटल और रेस्ट हाउस फुल, स्टेशन पर भी भारी भीड़

पटना। शिक्षक नियुक्ति परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों की भारी भीड़ देखी जा रही है। राजधानी पटना में 38 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। बुधवार की शाम पटना रेलवे स्टेशन पर बड़ी संख्या में परीक्षार्थी पहुंच गए। पटना में जिन्होंने पहले होटल और रेस्ट हाउस बुक करवा लिया था, उसे तो ठिकाना मिल गया, जिसने नहीं बुक करवाया था, उसे रात स्टेशन पर ही गुजारनी पड़ी। पटना के सभी होटल और रेस्ट हाउस बुक हैं। दूसरे राज्यों से भी अभ्यर्थी बिहार पहुंचे हैं। पश्चिम चंपारण के बेतिया, आरा, मुजफ्फरपुर सहित अन्य शहरों की स्थिति भी ऐसी ही बनी हुई है। बताया जा रहा है कि बेतिया में बाहर से आए परीक्षार्थियों को रैन बसेरा में ठहराया गया है। छपरा में भी होटल और रेस्ट हाउस भरे हुए हैं। यहां कई परीक्षार्थी स्टेशन और ढाबों में रुके हुए हैं। अचानक परीक्षार्थियों की आई भीड़ के कारण शहरों की ट्रैफिक व्यवस्था पर भी प्रभाव पड़ा है।

परीक्षार्थियों के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का ऐलान

हाजीपुर। बिहार लोक सेवाल आयोग द्वारा गुरूवार से आयोजित की जा रही परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के सुगम आवागमन की सुविधा मुहैया कराने हेतु पूर्व मध्य रेल द्वारा प्रबंध किए गए हैं गुरूवार एवं शुक्रवार को पटना से खुलने वाली गाड़ी सं. 03221 पटना-आरा स्पेशल का परिचालन रद्द करते हुए इसे परीक्षा स्पेशल के रूप में पटना से बक्सर के लिए 18.15 बजे परिचालित की जायेगी । गुरूवार एवं शुक्रवार को पटना से खुलने वाली गाड़ी सं. 03214 पटना-झाझा स्पेशल को रद्द करते हुए इसे परीक्षा स्पेशल के रूप में पटना से झाझा के लिए 18.25 बजे परिचालित की जायेगी । 24 एवं 25 को पटना से खुलने वाली गाड़ी सं. 03280 पटना-मोकामा फास्ट पैसेंजर 18.00 बजे के बजाए 18.15 बजे खुलेगी । गुरूवार एवं शुक्रवार को पटना से खुलने वाली गाड़ी सं. 13243 पटना-भभुआ रोड इंटरसिटी एक्सप्रेस 17.45 बजे के बजाए 18.15 बजे खुलेगी तथा गया तक सभी स्टेशनों पर रूकते हुए जायेगी । गुरूवार एवं शुक्रवार को मुजफ्फरपुर से बेतिया के लिए 18.30 बजे एक परीक्षा स्पेशल का परिचालन किया जायेगा तथा बेतिया से यह परीक्षा स्पेशल 22.30 बजे मुजफ्फरपुर के लिए खुलेगी । वहीं, शुक्रवार को सीतामढ़ी-बैरगनिया-रक्सौल-सिकटा के रास्ते दरभंगा से नरकटियागंज के लिए 08.00 बजे परीक्षा स्पेशल का परिचालन किया जायेगा तथा वापसी में यह नरकटियागंज से दरभंगा के लिए 18.00 बजे खुलेगी।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा फिल्म निर्माता : अनुराग

प्रात : किरण

नई दिल्ली। 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार की गुरुवार को घोषणा कर दी गई। इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने जूरी सदस्यों के साथ पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत ने कोरोना महामारी के दौरान भी गुणवत्तापूर्ण सामग्री का निमार्ण किया। भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा फिल्म निमार्ता है। हमारे पास दुनिया का कंटेंट हब बनने की क्षमता है। यह हमारा समय है। आज हमारी फिल्में दुनिया भर में पहचानी जा रही हैं, चाहे वह बाफ्टा हो या ऑस्कर। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के चेयरपर्सन और ज्यूरी मेंबर्स से भेंट हुई और उन्होंने इन अवॉर्ड्स की रिपोर्ट सौंपी है। फीचर, नॉन फीचर और बेस्ट राइटिंग ऑन सिनेमा के ऊपर लगभग 430 आवेदन प्राप्त हुए थे। ज्यूरी मेंबर्स ने सभी फिल्मों को बेहद ध्यानपूर्वक देखा है। जूरी जल्द ही अगले राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2022 के लिए फिर से बैठेगी। भारतीय सिनेमा दुनिया को जीतने जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभिनेताओं, निर्देशकों, लेखकों, तकनीशियनों और फिल्म निर्माण से जुड़े अन्य सभी लोगों के शानदार प्रदर्शन को मान्यता देते हुए, सरकार उनके असाधारण काम को मान्यता देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसने भारतीय सिनेमा के विकास और विकास को बढ़ावा दिया है और दुनिया की कल्पना पर कब्जा कर लिया है।

7800 करोड़ के हथियारों की खरीद को सरकार की मंजूरी

प्रात : किरण

नई दिल्ली\एजेसी। सरकार ने तीनों सेनाओं की युद्धक क्षमता बढ़ाने के लिए 7800 करोड़ रुपए की रक्षा खरीद के प्रस्तावों को गुरूवार स्वीकृति प्रदान की जिसमें हेलीकॉप्टरों पर इलैक्ट्रॉनिक वॉरफेयर, थल सेना की मानव रहित निगरानी एवं रसद परिवहन की स्वायत्त प्रणाली एवं नौसेना के हेलीकॉप्टरों को नये हथियारों से लैस करने के प्रस्ताव शामिल हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में गुरूवार को आयोजित रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में लगभग 7,800 करोड़ रुपये के पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति प्रदान की गई। आधिकारिक जानकारी के अनुसार भारतीय वायु की दक्षता बढ़ाने के लिए फोर्स, डीएसी ने भारतीय-आईडीडीएम श्रेणी के तहत

एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टरों पर इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सुइट की खरीद और फिट करने के लिए एओएन प्रदान किया, जो हेलीकॉप्टरों की क्षमता को बढ़ाएगा। ईडब्ल्यू सुइट भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड से खरीदा जाएगा। डीएसी ने मशीनीकृत पैदल सेना यानी इन्फैन्ट्री और बख्तरबंद रेजिमेंटों के लिए ग्राउंड-आधारित स्वायत्त प्रणाली की खरीद के लिए भी एओएन प्रदान किया है जो मानवरहित निगरानी, गोला-बारूद, ईंधन और पुर्जों की रसद डिलीवरी और युद्ध क्षेत्र में हताहतों की निकासी जैसे विभिन्न कार्यों में बेहतर काम करने में सक्षम होगा। 7.62७51 मिमी लाइट मशीन गन और ब्रिज लेइंग टैंक की खरीद के प्रस्ताव को भी डीएसी द्वारा आगे बढ़ा दिया गया है जहां एलएमजी के शामिल होने से पैदल सेना बलों की लड़ने की क्षमता में वृद्धि होगी, वहीं बीएलटी के शामिल होने से मशीनीकृत बलों की आवाजाही में तेजी आएगी। प्रोजेक्ट शक्ति के तहत भारतीय सेना के लिए मजबूत लैपटॉप और टैबलेट की खरीद के लिए एओएन भी प्रदान किया गया है। ये सभी खरीद केवल स्वदेशी विक्रेताओं से की जाएंगी। भारतीय नौसेना के एमएच-60आर हेलीकॉप्टरों की परिचालन क्षमता को बढ़ाने के लिए, डीएसी ने हथियारों की खरीद के लिए एओएन प्रदान किया है।

चंद्रयान-3 के रोवर ने चंद्रमा की सतह पर चहलकदमी की

प्रात : किरण

चेन्नई\एजेसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने के करीब ढ़ाई घंटे बाद रोवर प्रज्ञान ने सतह पर आकर चहलकदमी की। इसरो के सूत्रों ने बताया कि चंद्रयान-3 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग के बाद लैंडर से करीब ढाई घंटे बाद रोवर प्रज्ञान बाहर निकला। छह पहियों वाला रोवर चांद की स्तर पर चहलकदमी कर रहा है। भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र अध्यक्ष पवन गोयनका एक्स किया, ह्लभारत का चंद्रमा रोवर लैंडर से बाहर आ गया है और रैंप पर है। उन्होंने लैंडर से बाहर आते रोवर की पहली तस्वीर और रैप पर की भी तस्वीर पोस्ट की। इसरो के चंद्रयान-3 ने चंद्रमा उस गहरे अंधेरे, सर्वाधिक ठंडे और दुर्गम छोर दक्षिणी ध्रुव को साहसिक कदमों से चूमा

है जहां आज तक कोई भी देश नहीं पहुंच पाया है। भारत के वैज्ञानिकों ने बुधवार को चंद्रमा की दुनिया में अभूतपूर्व इतिहास रचा दिया। भारत के लिए 23 अगस्त की शाम छह बजकर चार मिनट ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ गौरवपूर्ण क्षण रहा। चंद्रयान-3 आज वहां पहुंच गया जहां इससे पहले कोई भी देश नहीं पहुंच पाया था। चंद्रमा पर उतरने वाले पिछले सभी अंतरिक्ष यान चंद्रमा के भूमध्य रेखा के पास के क्षेत्र पर उतर चुके हैं क्योंकि यह आसान और सुरक्षित है। इस इलाके का तापमान उपकरणों के लंबे समय तक और निरंतर संचालन के लिए अधिक अनुकूल है। वहां सूर्य का प्रकाश भी है जिससे सौर ऊर्जा से चलने वाले उपकरणों को नियमित रूप से ऊर्जा मिलती है। चंद्रमा के ध्रुवीय क्षेत्र की स्थिति बिल्कुल अलग है यानी मुश्किलों से भरा है। कई हिस्से सूरज की रोशनी के बिना पूरी तरह से अंधेरे में ढ़के हैं और वहां का तापमान 230 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर सकता है। ऐसे तामपान में यंत्रों के संचालन में कठिनाइयां पैदा होती हैं। इसके अलावा इस क्षेत्र में हर जगह बड़े-बड़े गड्ढे हैं। यही कारण है कि आज तक कोई भी देश ऐसा साहसिक करनामा नहीं कर पाया। चंद्रमा का दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र अज्ञात रह गया था और भारत चंद्रमा के इस क्षेत्र पर उतरने वाला पहला देश बन गया। अत्यधिक ठंडे तापमान का मतलब है कि और यहां कुछ भी फंस गया तो बिना अधिक परिवर्तन के समय के साथ स्थिर बना रहेगा। चंद्रमा के उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों में चट्टानें और मिट्टी हो सकती हैं और इनसे प्रारंभिक सौर मंडल के बारे में सुराग मिल सकता है। इस मिशन का उद्देश्य चंद्रमा के बारे में हमारी समझ को बढ़ाना है। चांद की इस सतह पर लैंडर बिक्रम और रोवर प्रज्ञान ऐसी खोज कर सकते हैं जिनसे भारत और मानवता को लाभ होगा। भारत ने आज एक ऐसी सफलता हासिल की है जिसके माध्यम से अमेरिका समेत विश्व के कई बड़े देशों को चंद्रयान-3 से चंद्र अभियानों को और आगे बढ़ाने का फायदा मिलेगा।

जी-20 बैठक जी-20 व्यापार एवं निवेश मंत्रियों की बैठक को वीडियो संदेश के जरिए पीएम ने किया संबोधित.....

दुनिया भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्वास भरी नजरों से देख रही है : मोदी

प्रात : किरण

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि दुनिया भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्वास भरी नजरों से देख रही है और भारत को अवसरों तथा खुलेपन का संयोजन माना जा रहा है। जी-20 व्यापार एवं निवेश मंत्रियों की बैठक को वीडियो संदेश के जरिए संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में भारत पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन गया और उसने प्रतिस्पर्धा का माहौल तथा पारदर्शिता बढ़ाई है। उन्होंने कहा, आज हम भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर वैश्विक स्तर पर आशावाद तथा विश्वास देखते हैं। भारत को खुलेपन, अवसरों और विकल्पों के संयोजन के रूप में देखा जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने डिजिटलीकरण का विस्तार किया है और नवाचार को बढ़ावा दिया है। हम लाल फीताशाही से रेड कार्पेट की ओर बढ़े हैं। एफडीआई के प्रवाह को उदार बनाया है। उन्होंने कहा, सबसे बढ़कर

हम नीतिगत स्थिरता लाए हैं। हम अगले कुछ वर्षों में भारत को तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मोदी ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं ने विश्व अर्थव्यवस्था की परीक्षा ली और जी20 के सदस्यों के रूप में यह देशों की जिम्मेदारी है कि वे अंतरराष्ट्रीय व्यापार तथा निवेश में विश्वास का पुनर्निर्माण करें। प्रधानमंत्री ने कहा, हमें मजबूत और समावेशी वैश्विक मूल्य श्रृंखलाएं बनानी चाहिए जो भविष्य में पेश होने वाली चुनौतियों का सामना कर सकें। इस संदर्भ में, वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के मानचित्रण के लिए एक सामान्य ढांचा बनाने का भारत का प्रस्ताव महत्वपूर्ण है। उन्होंने ई-वाणिज्य की वृद्धि पर कहा कि बड़े और छोटे विक्रेताओं के बीच समान प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने की जरूरत है। मोदी ने कहा, हमें उचित मूल्य खोज तथा शिकायत निवारण तंत्र में उपभोक्ताओं के समक्ष पेश होने वाली समस्या का भी समाधान तलाशने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि उनसे 60 से 70 प्रतिशत रोजगार का सृजन होता है और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में वे 50 प्रतिशत योगदान करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे विश्वास है कि आप यह सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से काम करेंगे कि वैश्विक व्यापार प्रणाली धीरे-धीरे अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण और समावेशी भविष्य में परिवर्तित हो जाए।

ब्रिक्स का विस्तार सभी वैश्विक संस्थानों के लिये संदेश

जोहानिसबर्ग/नई दिल्ली। ब्रिक्स द्वारा छह देशों को अपने नए सदस्य के तौर पर शामिल करने के फैसले के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि समूह का आधुनिकीकरण और विस्तार यह संदेश है कि सभी वैश्विक संस्थानों को बदलते दौर में खुद को बदलने की जरूरत है। जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स नेताओं के साथ एक मीडिया ब्रीफिंग में मोदी ने कहा कि अर्जेंटीना, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को नए सदस्यों के रूप में शामिल करने से समूह को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी। जोहानिसबर्ग में तीन दिवसीय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के अंत में दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने पांच देशों के समूह के विस्तार पर निर्णय की घोषणा की। उन्होंने कहा कि नए सदस्य देश एक जनवरी, 2024 से ब्रिक्स का हिस्सा बन जाएंगे। अपनी टिप्पणी में, मोदी ने कहा कि समूह के विस्तार का निर्णय बहुध्रुवीय दुनिया में कई देशों के विश्वास को और मजबूत करेगा। मोदी ने रामफोसा, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की मौजूदगी में अपने मीडिया बयान में यह टिप्पणी की। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अपना मीडिया बयान दिया। अपनी टिप्पणी में, मोदी ने कहा कि भारत ने हमेशा ब्रिक्स के विस्तार का पूरा समर्थन किया है तथा माना है कि नए सदस्यों के जुड़ने से समूह और मजबूत होगा। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि हमारी टीमें ब्रिक्स के विस्तार के लिए मार्गदर्शक सिद्धांतों, मानकों, मानदंडों और प्रक्रियाओं पर एक साथ सहमत हुई हैं। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि तीन दिनों के विचार-विमर्श से कई सकारात्मक नतीजे निकले। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि हम समूह के नए सदस्य देशों के साथ काम करके ब्रिक्स को नई गतिशीलता देने में सक्षम होंगे।

अगले महीने लॉन्च होगा आदित्य मिशन : इसरो प्रमुख

प्रात : किरण

नई दिल्ली\एजेसी। चंद्र मिशन की सफलता के बाद अब भारत जल्दी ही सूर्य के अध्ययन के सफर पर निकलेगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन सूर्य के लिए आदित्य मिशन की तैयारी कर ली है। इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने गुरुवार को बताया कि आदित्य एल 1 सूर्य का अध्ययन करने वाला भारत का पहला अंतरिक्ष मिशन होगा। इसे अगले महीने यानी सितंबर के पहले या दूसरे सप्ताह में लॉन्च किया जाएगा। इसका मकसद करीब से सूर्य का निरीक्षण, इसके वातावरण और चुंबकीय क्षेत्र के बारे में स्टडी करना है। एस सोमनाथ ने बताया कि सूर्य के लिए आदित्य मिशन सितंबर में लॉन्चिंग के लिए तैयार हो रहा है। इसके साथ इसरो गगनयान पर भी तेजी से काम कर रहा है। कई परीक्षण के बाद संभवतः 2025 तक पहला मानवयुक्त मिशन पूरा किया जा सकता है। गगनयान मानवयुक्त अंतरिक्ष यान है, जिस पर इसरो कई सालों से काम कर रहा है।

मुसल्लहपुर बाजार समिति बारिश के पानी में डूबा

● फल दुकान से लेकर शौचालय तक में जलजमाव, दुकानदारों को आर्थिक मार

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

दो-तीन दिनों से हो रही बारिश के कारण मुसल्लहपुर बाजार समिति परिसर पानी-पानी हो गया है। लोगों की दुकान और शौचालय में भी बारिश का जमा पानी प्रवेश कर गया है। इस कारण से बाजार समिति परिसर के रास्ते पर कीचड़युक्त गंदगी के पसरा होने और जलजमाव से बिक्री पर खासा असर पड़ा है। जलजमाव का कारण है कि वर्तमान में बाजार समिति में जो नाला का निर्माण किया गया है, उसमें जगह-जगह मिट्टी और पत्थर के ढेले से जाम है। दूसरी ओर इसका कनेक्शन भी संप हाउस से या नगर निगम के नाला से भी नहीं किया गया है। नया बना नाला का पानी का निकास नहीं होने से परिसर में जलजमाव की स्थिति बनी है। खासकर फल, सब्जी और मछली मंडी में पानी प्रवेश करने से कारोबारी को खासा आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। नगर निगम का जो यार्ड से होकर नाला है, यदि उसे भी नगर निगम के नाला से जोड़ दिया जाए, तो पानी निकल सकता है। जहां कहीं पानी जमा है, वहां मोटर से निकाला जा सकता है। पटना फ्रूट वेजिटेबल संगठन के अध्यक्ष शशिकांत प्रसाद कहते हैं कि हालांकि बाजार समिति, मुसल्लहपुर की पूरी जिम्मेवारी पटना सिटी एसडीओ के अधीन है। कारण कि वह बाजार समिति की अध्यक्ष भी होते हैं। वह किसी व्यापारी या संगठन से बात भी नहीं करती हैं और अपने दायित्व का निर्वहन नहीं कर पा रही हैं। इस कारण से बाजार समिति में कारोबार करने वाले दुकानदारों से लेकर मजदूरों में भी रोष है। कारण कि व्यापारियों के द्वारा लगातार हो रही बारिश के कारण फल आदि का वाहन रुकवा दिया गया है। फल, सब्जी और मछली आदि का उतरान एवं लदान का काम बाधित हो गया है। खरीदार के भी कम आने से मजदूरों को पूरा काम नहीं मिल पा रहा है। दूसरी ओर फल और सब्जी बारिश के दौरान नहीं निकल पाने से सड़ रहा है। दुकानदार भी सड़े फल को बाहर फेंकने को मजबूर हैं। हालांकि फल मंडी में दो-दो संगठन कम कर रहा है, जबकि केला मंडी का अपना अलग संगठन है। यदि सभी संगठन एक साथ मिलकर अपनी बात संबंधित विभाग के अधिकारियों के पास रखें, तो शायद समस्या का निदान भी संभव है। मगर जिन-जिन लोगों को अपनी परेशानी होती है, वही संगठन मुखर होकर अपनी बात रखते हैं।

सिख मिशन में पुराना नीम का पेड़ गिरा, बाइक दबा

● कीड़ा के कारण वृक्ष का जड़ था खोखला, तेज बारिश में गिरा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

तख्तश्री हरिमंदिर जी प्रबंधक कमेटी के अधीन हरिमंदिर गली में सिख मिशन की जमीन है। यहां कुछ लोग किराए पर और कुछ कमेटी के द्वारा आवंटित कमरे में रहते हैं। इसके पश्चिम-दक्षिण कोने पर पुराना बड़ा नीम का पेड़ था। यह बुधवार की रात आवाज के साथ धराशायी हो गया। लोगों ने तो पहले समझा कि लगता है भूकंप आ गया, मगर देखने पर पेड़ का गिरना था, जो आवाज के साथ अधिवक्ता सत्येंद्र मिश्रा के परिसर में गिरा। इससे उनका रसोईघर और बेडरूम आधा टूट गया। आगे के एक रूम में करकट को तोड़ते हुए पेड़ का डाल अंदर घुस गया। वहीं अधिवक्ता श्री मिश्रा की मोटरसाइकिल बीआर 31एम 9742 भी पेड़ की डाल से दब गया। हादसे के वक्त किसी तरह का कोई शारीरिक नुकसान किसी को नहीं पहुंचा। हालांकि आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा है। रात में ही तख्तश्री कमेटी के सेवादार पहुंच कर पेड़ की डाल को काटना शुरू किया। दूसरे दिन भी यह जारी रहा। इसके बाद अंदर में आने-जाने का रास्ता बन पाया और दबे मोटरसाइकिल को भी निकाला जा सका। अधिवक्ता सत्येंद्र मिश्रा का कहना था कि यह तो ईश्वरीय कृपा थी कि पश्चिम-दक्षिण कोने पर रहा पेड़ उत्तर-पूर्व के कोने पर गिरा। पेड़ भी इतना पुराना और उसकी डाल भारी था कि शायद भार सहना मुश्किल था। नीम के पेड़ के जड़ में कीड़ा लगने के कारण खोखला हो गया था, जिस कारण से पेड़ जड़ को छोड़ दिया और हो रही तेज बारिश के बीच यह गिर पड़ा।

चोरी के मोबाइल के साथ युवक गिरफ्तार

दानापुर खगौल रेल पुलिस बृहस्पतिवार को प्लेटफॉर्म नंबर दो पर मध्य फूड ओवर ब्रिज के पास से पॉकेटमार को गिरफ्तार किया गया जिसकी तलाशी लेने पर एक चोरी के स्मार्टफोन बरामद किया गया आरपीएफ उपनिरीक्षक अभिषेक कुमार ने उसे गिरफ्तार कर जीआरपी के हवाले कर दिया है जीआरपी थाना प्रभारी रणधीर ने बताया कि आरपीएफ के द्वारा मोबाइल चोरी कर भाग रहे हैं एक युवकों को गिरफ्तार किया गया उसे युवक का पहचान कौशल कुमार उम्र 27 वर्ष पिता शिवरंजन राम रूपसपुर चमरटोली थाना रूपापुर जिला पटना के रूप में की गई है पूछताछ करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी की जा रही है।

उड़ीसा से बरामद हुआ डीजी ट्रैक लोकेटर मशीन, एक गिरफ्तार

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

रिलायंस कंपनी के द्वारा ऑप्टिकल फाइबर का काम छोटी पहाड़ी मोड़ के पास किया जा रहा था। यहां से डीजी ट्रैक लोकेटर मशीन की चोरी 15 दिसंबर, 22 को चोरी कर ली गई। ऑप्टिकल फाइबर का काम किए जाने वाले इस मशीन की चोरी अज्ञात चोरों के द्वारा कर ली गई थी। कंपनी के द्वारा इसकी कीमत करीब 10 लाख रुपया बताया गया था। इसके चोरी जाने के संबंध में अगमकुआं थाना में कांड 992/22 दर्ज कराया गया था। कांड का अनुसंधान एसआई मुकेश कुमार दूबे कह रहे थे। इस दौरान जानकारी मिली कि डीजी ट्रैक लोकेटर मशीन उड़ीसा के जाजपुर जिला में है। इसके बाद अनुसंधानकर्ता दारोगा मुकेश कुमार दूबे और सिपाही के द्वारा उड़ीसा के जाजपुर जिला जाकर चोरी की गई डिजी ट्रैक लोकेटर मशीन को बरामद कर लिया गया है। साथ ही इस संबंध में एक व्यक्ति पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना जिला के सरसोना थाना के बेहाला सारसोना के रहने वाले अमित मंडल पिता असीम मंडल को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे ट्रांजिट डिमांड पर लेकर अगमकुआं थाना की पुलिस अपने साथ लाई है। उससे पूछताछ करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

हनुमान जी की प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा के बाद जागरण

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

मारूफगंज पंचायत स्थित स्व गर्भू राम केसरवानी आश्रम में बजरंग बली जी की प्रतिमा का स्थापन किया गया। विधि-विधान, मंत्रोच्चार एवं पूजा-अर्चना के साथ केसरवानी पंचायत के अध्यक्ष अजय केसरी सपत्नीक प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न हुआ। इस दो दिवसीय आयोजन में हनुमान जी की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा, रुद्राभिषेक, सुंदर कांड पाठ, हनुमत जागरण, माता का जागरण एवं विशाल भंडारा का आयोजन आयोजन समिति के द्वारा किया गया। आयोजन में मारूफगंज पंचायत के राजनारायण केसरी उर्फ राजू केसरी, अनिल केसरी, विनय केसरी, सूरज केसरी, योगेन्द्र प्रसाद केसरी, ओम केसरी, अरुण केसरी सहित अन्य पदाधिकारियों का सहयोग रहा। बुधवार की रात माता का जागरण का आयोजन किया गया। इसमें कालाकारों ने एक से बढ़ कर एक भक्ति गीत व संगीत की प्रस्तुति कर लोगों का मन मोह लिया।

इसमें भाजपा के प्रदेश मंत्री प्रियंबदा केसरी, अखिल भारतीय केसरवानी वैश्य सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अर्जुन प्रसाद केसरी उर्फ लाली बाबू, राष्ट्रीय मंत्री सह बिहार केसरवानी के पूर्व अध्यक्ष ई शंभूनाथ केसरी, बिहार प्रदेश केसरवानी वैश्य सभा के वरीय उपाध्यक्ष पंकज केसरी, प्रदेश केसरवानी वैश्य सभा के मीडिया प्रभारी श्याम सुंदर केसरी, केसरवानी वैश्य महिला सभा की प्रदेश महामंत्री सह भाजपा नेत्री पूनम केसरी, प्रदेश कोषाध्यक्ष ममता केसरी, केसरी दर्पण टीम के अमित केसरी, मनोज केसरी, पटना महानगर के संरक्षक विनय केसरी, अध्यक्ष सत्यनारायण केसरी, महिला सभा की अध्यक्ष रीता केसरी, वार्ड पार्षद मनोज जायसवाल, विनोद कुमार, मनोज मेहता, पूर्व पार्षद विक्की मेहता, सहित अनेक गण्यमान्य लोग मौजूद रहे।

राखी प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने दिखाए अपने हूनर

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

जीजस एंड मेरी एकेडमी, हाजीगंज, कैमाशिकोह के छात्र-छात्राओं के बीच सावन समापन के पूर्व भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक राखी प्रतियोगिता आयोजित किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं ने राखी बना करअपनी कला का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में इस भावना को उजागर किया कि प्रेम एवं सहयोग सिर्फ रक्त संबंध पर ही आधारित नहीं होता, बल्कि यह जाति एवं धर्म से ऊपर होता है। राखी प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग से प्रथम पुरस्कार मायरा पैट्रिक, द्वितीय मोहित वर्मा एवं तृतीय उज्जवल गुप्ता को तथा सीनियर ग्रुप से प्रथम पुरस्कार शुभजीत सिंह, द्वितीय तनीषा कुमारी एवं तृतीय पुरस्कार दिशा गुप्ता को दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं चयन मंडली के रूप में इनर व्हील क्लब पटना सिटी की अध्यक्ष मीनू जयसवाल, सचिव यामनी मित्तल एवं सुप्रिया जायसवाल थीं। उनलोगों ने छात्रों को राखी के त्योहार के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्या पूजा एन शर्मा के नेतृत्व में शिक्षिका भावना अरोड़ा एवं रजनी विनीत ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक एम्ब्रोस पैट्रिक एवं उपनिदेशक अभिषेक पैट्रिक ने भाई-बहन के प्रेम को जगाने वाले इस कार्यक्रम को हर साल विद्यालय में मनाने का आश्वासन दिया। साथ ही बताया कि इस तरह का त्योहार सामाजिक एकता को मजबूत करने वाला होता है।

नौचंदी की मजलिस, निकला अलम

पटना सिटी (प्राकि)। चमडोरिया स्थित दरगाह ए बाबुल हवाएज हजरत अब्बास, चमडोरिया इमामबाड़ा में नौचंदी की मजलिस का आयोजन गुरुवार को किया गया। इसमें भोजपुर से आए मौलाना नकी इमाम ने तकरीर किया। उन्होंने कहा कि सच के लिए कुरबान होने के शहादत की दासतां से जुड़ा है चेहल्लुम। इसमें सच के लिए कुरबान होने का जज्बा था। मजलिस से पहल अलम निकाला गया। इस दौरान मजलिस में पेशखानी नजब अब्बास ने और जीनत ए अजा, दस्ते सज्जादिया के लोगों ने नौहाखानी की। आयोजन में दरगाह के सचिव शाह जौहर इमाम जौनी, सरबर इमाम, डॉ सिकंदर अली खां, तनवीरूल हसन तन्नू, सैयद हसन अली आदि शामिल थे। सचिव ने बताया कि 31 अगस्त को 72 ताबूत का जुलूस इमामबादी वक्फ इस्टेट में निकाला जाएगा।

अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टर वाहन को थाना पुलिस ने किया जब्त

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दो अवैध बालू लदे ट्रैक्टर जा रहा है

प्रातः किरण संवाददाता गिद्धौर : गिद्धौर थाना क्षेत्र के चंद्रशेखर नगर मोड़ के समीप से अवैध बालू लोड कर ले जा रही दो ट्रैक्टर वाहन को गिद्धौर थाना पुलिस ने जब्त कर लिया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र में बालू अवैध उत्खनन की जानकारी गिद्धौर थाना पुलिस को मिली। जिसको लेकर त्वरित कारवाई करते हुए थानाध्यक्ष बृजभूषण सिंह, अवर निरीक्षक नीरज कुमार एवं पुलिस के जवान जलगोड़वा जा रहे थे कि इसी दरम्यान चंद्रशेखर नगर जाने वाली सड़क पर पुलिस को आता देख दोनों ट्रैक्टर वाहन के चालक गाड़ी खड़ी कर भाग गये।

जल्ला किसानों ने प्रतिवाद मार्च निकाल पीएम का पुतला जलाया

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

प्याज निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने से गुस्सा

भारत सरकार द्वारा प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत लगाए गए शुल्क के खिलाफ जल्ला किसान संघर्ष समिति, भाकपा माले व अखिल भारतीय किसान महासभा ने संयुक्त रूप से चैनपुरा गांव से प्रतिवाद मार्च निकाला। प्रतिवाद मार्च मथनी तल, स्टेशन रोड होते हुए जेपी चौक, नालापर पहुंचा। यहां पीएम का पुतला दहन किया गया। भारी वर्षा के बाद भी जल्ला क्षेत्र से दर्जनों किसानों ने प्रतिवाद मार्च में भाग लेकर मोदी सरकार से बढ़ाए गए निर्यात शुल्क को वापस लेने की मांग की। प्रतिवाद मार्च का नेतृत्व अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय पार्षद एवं बिहार इकाई के उपाध्यक्ष शंभूनाथ मेहता, जल्ला किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष मनोहर लाल, भाकपा माले सिटी के सचिव अनय मेहता, माले के वरिष्ठ नेता नसीम अंसारी, मुजफ्फर आलम व राजेश सिंह कुशवाहा ने किया। उक्त मौके पर किसान नेता रंजन मेहता, मंटू मेहता, आत्म राम, जगन्नाथ महतो, श्रवण मेहता, मिथिलेश सिंह, बृजनंदन मेहता, सुरेश मेहता, संजय मेहता, राजेश यादव, मुकेश मेहता, मानो मेहता, धर्मेन्द्र मेहता, विश्वनाथ मेहता, संटू मेहता, नीतीश कुमार आदि किसानों ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री की अनभिज्ञता ये साबित करता है कि उनका यादाश्त खो चुके है: शैलेंद्र चौधरी

प्रात : किरण ब्यूरो

मुंगेर। भाजपा मुंगेर विधानसभा प्रभारी एवं जमालपुर विधानसभा प्रभारी ने संयुक्त प्रेस वार्ता किया। जिसमें जमालपुर विधानसभा प्रभारी शैलेन्द्र चौधरी ने कहा कि चन्द्रयान -3 का सफल परीक्षण होने पर पत्रकारों के द्वारा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पूछे गए एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने के अपने द्वारा अनभिज्ञता दिखाते हुए उन्होंने कहा कि जानकारी नहीं है उन्होंने कहा कि बिहार की दुर्भाग्य है बिहार की जनता के लिए जो हमलोग काफी दिनों से ऐसा मुख्यमंत्री पर भरोसा जता रहे हैं जो प्रधानमंत्री बनने का सपना तो देखते हैं परन्तु राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बिषयो पर इनका कोई ध्यान नहीं रहता है। उसके साथी बिहार में ट्रैफिक कितना में बिजी होती है सरकार के मछली का पत्रकारिता और कानून व्यवस्था की जा रही है मगर हमारे मुख्यमंत्री बिहार में कुछ भी नहीं होता दिखता है और उनके पागल प्रवक्ता नीरज कुमार जो अपना पूर्णता मानसिक संतुलन खो चुके है और उनको आतंकी तुष्टिकरण के कारण पाकिस्तान से प्रेम हो गया है इसलिए भारत को गाली दे रहे है। इनको रांची मे इलाज करवाना चाहिए।वही मुंगेर विधानसभा प्रभारी नीशुतोष कुमार नीशु ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जब से महागठबंधन में शामिल हुए हैं तब से ये धृतराष्ट्र की भूमिका में आ गये ध्यान था परन्तु बिहार के मुख्यमंत्री की अनभिज्ञता ये साबित करता है कि नीतीश कुमार अब अपना यादाश्त खो चुके हैं।

बिहार युवा अधिवक्ता कल्याण समिति का वार्षिक अधिवेशन कल

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

बिहार युवा अधिवक्ता कल्याण समिति का वार्षिक अधिवेशन शनिवार को पटना सिटी अधिवक्ता संघ के कार्यालय में आयोजित किया गया है। इस संबंध में पटना सिटी शाखा के अध्यक्ष शशि शंकर सिंह, सचिव अजय कुमार साह एवं कोषाध्यक्ष कुमारी नीलम ने बताया कि अधिवेशन का उद्घाटन बिहार सरकार के विधि मंत्री डॉ शमीम अहमद करेंगे, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में पटना उच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता यदुवंश गिरि मौजूद रहेंगे। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार दुबे, महासचिव दिलीप कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष प्रमोद कुमार, अनुशासन समिति के अध्यक्ष विजय प्रसाद, सचिव रणजीत कुमार विमल, गोविंद कनोडिया आदि भी मौजूद रहेंगे। बताया बताया गया कि वार्षिक अधिवेशन में करीब 10 मुद्दों पर विचार किया जाएगा। इसमें एडवोकेट्स प्रोटेक्शन एक्ट, आयुष्मान भारत से अधिवक्ताओं को जोड़ने, सामान पैरवी प्रणाली पर विचार, मृत्यु दावा राशि तथा सेवानिवृत्ति राशि का समय पर भुगतान और वेलफेयर स्टंप के मूल में वृद्धि के अनुपात में वृद्धि करने पर विचार, सभी अधिवक्ता संघों का चुनाव एक बार कराने, पेंशन स्कीम, नवोदित अधिवक्ताओं को प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराने, हत्या एवं मृत्यु की स्थिति में प्रभावित परिवार को राज्य सरकार से आर्थिक सहायता दिलाने, बार काउंसिल को अधिवक्ताओं के प्रति जिम्मेवार व संवेदनशील बनाने और अधिवक्ताओं के अन्य कल्याणकारी योजनाओं पर विचार किया जाएगा।

निगम कार्यालय में नौकरी लगाने के नाम पर एक ठग व्यक्ति धराया

● पीड़ित युवको के बताए गए तथ्यों के आधार पर मामले की जांच में जुटी पुलिस

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। बरारी थाना क्षेत्र के रहने वाले संजीव कुमार चक्रवर्ती नामक ठग कंबाइन्ड बिल्डिंग गेट के समीप नगर निगम के कर्मचारियों ने निगम के नोकरी लगाने के नाम पर अवैध रूप से बसूली के आरोप में पकड़ा है। मामले को लेकर बताया जा रहा है कि गिरफ्तार ठग नगर में नौकरी देने के नाम पर सीधे साधे लोगों से 15 हजार से 12 हजार रुपये की उगाही कर फरार चल रहे थे,साथ ही उक्त ठग के विरुद्ध दो पीड़ित युवक ने कहा कि 3 महीने से यह आदमी हमलोगों को बहला रहा है। आज हमदोनों को नगर निगम गेट के समीप खड़ा रखा और ये अंदर चला गया और कहा कि ज्वाइनिंग लेटर देगें। वही मामले की जानकारी प्राप्त होते ही निगम कार्यालय में तैनात सुरक्षा कर्मियों के द्वारा दोनो पीड़ित युवक के साथ साथ आरोपी ठग को जोगसर थाना पुलिस के हवाले कर दिया है। वही स्थानीय जोगसर थाना पुलिस ने गिरफ्तार ठग के विरुद्ध कानूनी प्रक्रिया के साथ साथ आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस दौरान पुलिस आरोपी ठग से कड़ी पूछताछ शुरू कर दी है कि इनके ठगी के शिकार और कितने लोग शिकार हुए हैं। वही पुलिस ने कड़ी पूछताछ के बाद मामला दर्ज कर मेडिकल जांच में भेज दिया है।

साइबर अपराधियों ने बोनस देने के नाम पर की ठगी

दानापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत.साइबर अपराधियों ने बोनस देने के झांसा देकर एक युवती के खाते से 45हजार रुपए निकासी करने का मामला सामने आया है.इस संबंध में थाने के गाभतल निवासी निशी जयसवाल ने स्थानीय थाना में अज्ञात साइबर बदमाशों के विरूद्ध मामला दर्ज कराया है. दर्ज प्राथमिकी में निशी ने बताया कि एक फोन आया. फोन करने वाले ने उन्हें 1990 रुपये बोनस नहीं लिये जाने की बात कही. जिसे लेने के लिए एक लिंक भेज कर उसे क्लिक करने को कहा. निशि ने बताया कि उसकी बातों में आकर लिंक पर क्लिक की. जिसके बाद खाते में जमा 45 हजार रुपये निकल गए. जब उसे फोन की तो वापस पैसा खाते में भेजने की बात कही. इसके बाद न पैसा आया और न ही फोन उठाया. थानाध्यक्ष ने बताया कि मामला दर्ज कर छानबीन की जा रहा है.

मां की डांट-मार के बाद बालक लापता

पटना सिटी (प्राकि)। आलमगंज थाना क्षेत्र के बबुआगंज चांद कॉलोनी से 12 वर्षीय फैजान लापता है। मां रिजवाना खातून ने बताया कि भाई-बहन आपस में लड़ रहे थे। इस पर दोनों को डांट एवं मार कर शांत करा दिया। इसी बात के गुस्से में 12 वर्षीय बेटा फैजान घर छोड़ कर बिना बताए निकल गया है। संभावित स्थानों पर खोजबीन किए जाने के बाद भी पता नहीं चला। बालक के लापता होने की सूचना आलमगंज थाना की पुलिस को देकर मामला दर्ज कराया गया है।

पर्यावरण संरक्षण हेतु मिशन मोड में काम करना होगा : जिलाधिकारी

पटना डीएम ने समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में की जिला पर्यावरण समिति की बैठक

पटना। जिलाधिकारी डॉ. चन्द्रशेखर सिंह की अध्यक्षता में गुरूवार को समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला पर्यावरण समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सदस्य सचिव, जिला पर्यावरण समिति-सह-वन प्रमण्डल पदाधिकारी अम्बरीष कुमार मल्ल द्वारा एजेन्डावार प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा जिला पर्यावरण योजना के क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। विदित हो कि जिला पर्यावरण योजना का निर्माण राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद, पटना की देख-रेख में किया गया है। डीएम डॉ सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में पटना जिला में ग्रामीण इलाकों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में काफी अच्छा काम हो रहा है। डोर-टू-डोर संग्रह के साथ साथ संयंत्रों की भी स्थापना की गई है। नगर निकायों में भी बेहतर ढंग से अपशिष्ट प्रबंधन किया जा रहा है। डीएम डॉ सिंह द्वारा महाप्रबंधक, ज़िला उद्योग केंद्र को फ्लाई ऐश को निरंतर बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास करने का निर्देश दिया गया। खनिज विकास पदाधिकारी को खनन के क्षेत्र में पर्यावरण अनुकूल प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए निर्देशित किया गया। डीएम डॉ. सिंह ने सिविल सर्जन को सतत एवं पर्यावरण-अनुकूल मानकों के अनुरूप वैज्ञानिक तरीके से बायोमेडिकल अपशिष्ट का डिस्पोजल करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि नियमावली के तहत बायोमेडिकल अपशिष्ट डिस्पोजल प्रोटोकॉल का सख्ती से अनुपालन किया जाए। डीएम डॉ. सिंह ने कहा कि जिला पर्यावरण योजना का उद्देश्य पर्यावरण की गुणवत्ता में सुधार, पर्यावरण-अनुकूल अपशिष्ट प्रबंधन, उत्तरदायी हितधारकों (स्टेकहोल्डर्स) की पहचान, मानकों का अनुपालन तथा लक्ष्यों का निर्धारण एवं इसे निर्धारित समय-सीमा के अंदर प्राप्ति है। पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्द्धन के प्रति सभी भागीदारों (स्टेकहोल्डर्स) को सजग, तत्पर तथा प्रतिबद्ध रहना पड़ेगा। अन्तर्विभागीय समन्वय स्थापित करते हुए पर्यावरण समस्या को हल करने के लिए सबको सक्रिय रहना होगा। कार्य योजना के अनुसार कदम उठाना होगा। पर्यावरण मानकों के प्रभावी अनुश्रवण के लिए संस्थागत तंत्र प्रदान करने में जिला पर्यावरण योजना अत्यन्त लाभदायक है।

पानी से किसान व लोगों को मिली राहत

● जल जामो और कीचड़ युक्त गंदगी ने बढ़ाई परेशानी

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

लगातार हो रही बारिश के कारण सड़कों पर जलजमाव और कीचड़युक्त गंदगी की स्थिति बनी है। जलजमाव की यह स्थिति पटेल रोड, शिवशक्ति नगर, महावीर कॉलोनी, कस्तूरबा नगर, 13बी बहादुरपुर, बाजार समिति का परिसर, पंचवंटी नगर, किराना मंडी मारूफगंज, सब्जी मंडी गुलजारबाग हाट, मीना बाजार, मुसल्लहपुर हाट, बोरीदास की भट्ठी, दादरमंडी, नीम की भट्ठी, दोरूखी , मोगलपुरा, छोटी बाजार, बाग कालू खां, बाग मालू खां, गुरु गोविंद पथ, बाड़े गली, हरिमंदिर गली सहित अन्य जगहों की स्थिति नारकीय हो गयी। एनएमसीएच में भी बारिश का पानी सेंट्रल इमरजेंसी, शिशु रोग विभाग, नेत्र विभाग, अस्पताल आने वाले रास्ते व अस्पताल परिसर में पानी जमा हो गया था। बारिश थमने के बाद पानी धीरे-धीरे निकल गया। ऐसे में बारिश की जमा पानी में लोगों को आवाजाही करने में परेशानी हो रही थी। सबसे बुरी स्थिति नगर निगम के अजीमाबाद अंचल कार्यालय के पास महाराजगंज की है। यहीं नगर निगम के महापौर श्रीमती सीता साहू रहती हैं और उनकी बहू श्वेता पार्षद भी इसी वार्ड 58 से हैं। दुर्भाग्य है कि नगर निगम अजीमाबाद अंचल के तहत आने वाला वर्ड 58 में मेयर का आवास पार्षद का आवास हो और उनके घर के बाहर और अजीमाबाद अंचल कार्यालय के पास जलजमाव की स्थिति बनती है। यह खासा दुखद है। हालांकि बारिश होने के कुछ देर के बाद पानी निकल जाता है, मगर फिर भी लोग बेहाल हो जाते हैं। इधर नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जलजमाव की स्थिति न हो, इसके लिए जितना नगर निगम के अजीमाबाद अंचल के कार्यपालक पदाधिकारी, नगर प्रबंधक और मुख्य सफाई निरीक्षक तत्पर हैं, उतना ही अस्पताल प्रशासन सुस्त है। जब तेज बारिश होती है, तो अजीमाबाद अंचल के कार्यपालक पदाधिकारी नुरूल हक शिवानी और मुख्य सफाई निरीक्षक राजीव कुमार सबसे पहले एनएमसीएच की दौड़ लगाते हैं, मगर यहां कोई भी अस्पताल प्रबंधक, स्वास्थ्य प्रबंधक या जिम्मेवार पदाधिकारी नहीं मिलते हैं, जो स्थिति से अवगत कराने का काम करें। हालांकि यहां मौजूद ईओ और मुख्य सफाई निरीक्षक ने कहा कि एनएमसीएच परिसर में कहीं जलजमाव की स्थिति नहीं है। पुराना मेडिसिन इंडोर वार्ड में भी जलजमाव नहीं है। हालांकि हो रही बारिश के कारण सेंट्रल इमरजेंसी, शिशु इमरजेंसी के पास, एनएमसीएच प्रवेश द्वार से लेकर परिसर में कहीं-कहीं जलजमाव की स्थिति देखी गई, जो बारिश थमने के कुछ देर के बाद पानी निकल गया। इधर ईओ का कहना है कि अस्पताल के अधीक्षक और उपाधीक्षक को चाहिए कि अस्पताल प्रबंधक या स्वास्थ्य प्रबंधक या अन्य जिम्मेदार व्यक्ति को ड्यूटी दी जाए। जैसे ही अधिक बारिश होती है, तो कम से कम वह जिम्मेवार व्यक्ति नगर निगम के पदाधिकारी के साथ तालमेल करें, ताकि जलजमाव की स्थिति पैदा न हो। यदि ऐसी स्थिति बनती भी है, तो जल्द से जल्द जमा पानी का निकास करा लिया जा सके।

महान स्वतंत्रता सेनानी के शहादत दिवस मनाया

● जिला जनता दल यूनाइटेड और अखिल भारतीय धानुका महासंघ ने किया श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद रामफल मंडल के शहादत दिवस को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला जनता दल यूनाइटेड भागलपुर के द्वारा शाहिद रामफल के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजली अर्पित की। इस मौके पर पार्टी के जिलाध्यक्ष, सभी वरिष्ठ नेतागण, प्रदेश के पदाधिकारीगण, जिला कमिटी के सदस्य, विभिन्न प्रकोष्ठ के साथी एवं दर्जनों सहयोगी कार्यकर्ता मौजूद थे।वही देश के लिए शहीद हुए स्वतंत्रता सेनानी रामफल मंडल के तैलचित्र पर उपस्थित कार्यकताओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया गया। उक्त आशय की जानकारी जिला जनता दल यूनाइटेड भागलपुर इकाई के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी शिशुपाल भारती ने दी। वहीं दूसरी ओर अखिल भारतीय धनुक उत्थान महासंघ के दर्जनों पदाधिकारी व कार्यकताओं ने भी शहीद रामफल मंडल को श्रद्धांजलि दी। सबों ने उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी, साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उनकी गुमनामियत को उजागर करने की बात कही। वहीं कार्यक्रम के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय धानुक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष बलराम मंडल ने कहा उन्हें राजकिय सम्मान से सम्मानित नहीं किया गया है, यह काफी दुखद बात है, हम कार्यकर्ता सरकार के उदासीन रवैया अपनाने का निंदा करते हैं।

आशिका, मुस्कान, सोनी बनीं सावन क्वीन

पटना सिटी (प्राकि)। राजकीय महिला महाविद्यालय, गुलजारबाग में सावन क्वीन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ जयश्री की अध्यक्षता में हुई प्रतियोगिता में एफएम रेडियो की राज बरखा और मौसम ने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाने का काम किया। सावन क्वीन प्रतियोगिता में 62 छात्राओं ने भाग लिया और कैटवॉक के साथ ही सौंदर्य बोध और बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन किया। इसका संचालन डॉ अनिता मिंज, डॉ उषा यादव, डॉ सबीहा अहसन, डॉ प्रभा कुमारी, डॉ उषा पासवान, डॉ सुनीता कुमारी ने संयुक्त रूप से किया। अंत में जूरी के सदस्यों के द्वारा आशिक, मुस्कान राज और सोनी कुमारी को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सावन क्वीन के लिए घोषित किया गया। तीनों को पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

वज्रपात को प्राकृतिक आपदा नहीं माने जाने पर जदयू ने केन्द्र सरकार पर कसा तंज

- कहा- वज्रपात जैसी प्राकृतिक आपदा से सबसे ज्यादा मौत
- सवाल- क्या दैवीय आपदा मानकर इसे रोकने के लिए धार्मिक अनुष्ठान करा रही बीजेपी:

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जदयू ने केन्द्र सरकार पर जमकर हमला बोला है। जदयू के प्रवक्ताओं ने केंद्र सरकार पर वज्रपात को प्राकृतिक आपदा नहीं माने जाने पर गंभीर सवाल पूछे और कहा कि बीजेपी बताए कि अगर वज्रपात प्राकृतिक आपदा नहीं है तो क्या वो दैवीय आपदा है? बुधवार को मुख्य प्रवक्ता और विधानपार्षद नीरज कुमार, प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक झा और प्रदेश प्रवक्ता अंजुम आरा ने संयुक्त तौर पर मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान तीनों पार्टी प्रवक्ताओं ने कहा कि ये जगहाजिर है कि वज्रपात के चलते ज्यादातर गरीब तबके के लोगों की जानें जाती हैं जिनमें खेतिहर मजदूर, छोटे किसान और चरवाहा शामिल हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की प्राकृतिक आपदा की सूची में बाढ़, सुखाड़, भूस्खलन, भूकंप और साइक्लोन को तो शामिल किया गया है लेकिन वज्रपात को अभी तक शामिल नहीं किया गया है। जबकि बिजली गिरने से सालना हजारों लोगों की मौतें होती हैं और उनका परिवार उजड़ता है। एक आंकड़े के मुताबिक साल 2022 के दौरान वज्रपात से देश में 2 हजार 183 लोगों की मौत हुई थी। उन्होंने केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी इस डर से वज्रपात को प्राकृतिक आपदा में शामिल नहीं करना चाहती है, कारण कि उसे लगता है कि इस प्राकृतिक आपदा में मारे गए लोगों के परिजनों को उसे मुआवजा देना पड़ेगा।पार्टी के तीनों प्रवक्ताओं ने कहा कि राज्य में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार वज्रपात को प्राकृतिक आपदा मानती है और वज्रपात के चलते मारे गए लोगों के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से चार-चार लाख रुपए मुआवजा देती है, लेकिन केंद्र की जन विरोधी बीजेपी की सरकार मुआवाजा तो दूर वज्रपात को प्राकृतिक आपदा तक नहीं मानती है।

तीनों प्रवक्ताओं ने कहा कि सरकार की सूची में शामिल प्राकृतिक आपदाओं के दौरान मारे गए लोगों के परिजनों को एसडीआरएफ फंड से आर्थिक मदद दी जाती है, लेकिन केंद्र सरकार ने वज्रपात को चूंकि प्राकृतिक आपदा माना ही नहीं है, ऐसे में वज्रपात के चलते मारे गए लोगों के परिजनों को मुआवजा नहीं मिल पाता है। जदयू का सवाल : केंद्र सरकार बताए कि जब उसके मुताबिक वज्रपात प्राकृतिक आपदा नहीं है तो इसे रोकने के लिए क्या बीजेपी महामृत्युंजय जाप, नवरात्रि का अनुष्ठान करा रही है? केंद्र सरकार बताए कि क्या देश में बाढ़, सूखा, भूस्खलन, साइक्लोन जैसी प्राकृतिक आपदाओं से ज्यादा मौतें वज्रपात से नहीं होती है? केंद्र सरकार बताए कि करीब 86 फीसदी लोग गांवों में रहते हैं और वज्रपात के सबसे ज्यादा शिकार छोटे भूमिहीन मजदूर, किसान या फिर चरवाहा समाज के लोग नहीं होते? खासकर बिहार और बंगाल में वज्रपात के चलते सैंकड़ों लोगों की जानें जाती है ऐसे में वज्रपात को प्राकृतिक आपदा क्यों नहीं मानती केंद्र सरकार? वज्रपात से खासकर मजदूर, छोटे किसान और चरवाहा की मौत सबसे ज्यादा होती है ऐसे में गरीबों और दलितों की असमय मौत को लेकर संवेदनशील क्यों नहीं है केंद्र सरकार?

हम से. को झटका, कई नेताओं ने थामा जदयू का दामन

- जातीय गणना को रोकने की साजिश रच रही थी भाजपा : उमेश
- मांझी जी ने समाज को धोखा देने का काम किया : रत्नेश

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

हम सेक्यूलर को झटका लगा है। बृहस्पति को जदयू मुख्यालय में आयोजित मिलन समारोह में हमसे मधुबनी के जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में जिला कार्यकारिणी एवं सभी प्रखंड अध्यक्षों ने जदयू का दामन थामा। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा एवं अनुसूचित जनजाति-जाति कल्याण मंत्री रत्नेश सदा ने तमाम लोगों को जदयू की प्राथमिकता सदस्यता ग्रहण करवाई। इस अवसर पर कुशवाहा ने कहा कि हम से पार्टी के मधुबनी जिलाध्यक्ष मोहन सदा के नेतृत्व में जिला कार्यकारिणी एवं सभी प्रखंड अध्यक्षों ने जदयू की सदस्यता ग्रहण कर उचित समय पर उचित निर्णय लिया है। प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा कि भाजपा लगातार पर्दे के पीछे से जातीय गणना में अड़ंगा लगाने का प्रयास कर रही थी क्योंकि वह दलित, पिछड़ा, अतिपिछड़ा और गरीब का भला नहीं चाहती है। नगर निकाय के चुनाव के दौरान भी भाजपा के लोग चोर दरवाजे से अतिपिछड़ा आरक्षण को खत्म की साजिश रच रहे थे। उच्च न्यायालय ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। भाजपा अगर पुनः सत्ता में आई तो आरक्षण व्यवस्था को भी खत्म कर देगी इसलिए हम सभी को भाजपा से सजग और सतर्क रहने की आवश्यकता है। श्री कुशवाहा ने कहा कि जनता के हित से जुड़ी मूलभूत आवश्यकताओं से केंद्र सरकार का कोई लेनादेना नहीं है। देश में महंगाई और बेरोजगारी आज चरम पर है। कहा कि जदयू का कारवां हर दिन नया विस्तार ले रहा है, 2024 में भाजपा मुक्त भारत बनाने के लक्ष्य को हम निश्चित ही पूरा करेंगे।

मंत्री रत्नेश सादा ने अपने सम्बोधन कहा कि ी जीतन राम मांझी विधायक से लेकर मुख्यमंत्री तक का पद संभाल चुके हैं इतने वर्ष तक राजनीति में सक्रिय भूमिका में रहने के बावजूद भी आज तक उन्होंने अपने समाज के लिए कुछ भी नहीं किया। मंत्री ने आगे कहा कि मांझी जी जबसे भाजपा के साथ गए हैं तबसे अनुसूचित जाति और जनजाति समाज के लोग खुद को अपमानित और ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। श्री जीतन राम मांझी अपना राजनीतिक स्वार्थ साधने के लिए पूरे समाज को धोखा देने का काम किया है। हमसे के मधुबनी जिलाध्यक्ष श्री मोहन सदाय ने कहा कि श्री जीतन राम मांझी जी आरक्षण विरोधी पार्टी के गोद में बैठकर अपने बेटे को राजनीति में फिट करना चाहते हैं। उन्हें समाज से कोई वास्ता नहीं है, सिर्फ. लोगो को दिग्भ्रमित करने के लिए खुद को मुसहर समाज का बेटा कहते हैं।

ये रहें मौजूद :

कार्यक्रम में मुख्य रूप से मौजूद पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सह पूर्व मंत्री लक्ष्मेश्वर राय, पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह दांगी, प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी वासुदेव कुशवाहा, रणविजय कुमार, संतोष कुशवाहा एवं मुकेश जैन मौजूद थे।

सदस्यता ग्रहण की :

पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों में मुख्य रूप में जिला महासचिव योगेंद्र सदाय, जिला उपाध्यक्ष संजीत कुमार, जिला प्रवक्ता राम चरित्र सदाय, चन्दन कुमार सदाय, रामश्रेष्ट सदाय, वरुण कुमार सदाय, नशीब सदाय, सुदेशी सदाय, रामकिसुन सदाय, सुनीता देवी, गोवर्धन सदाय, विनय कुमार सदाय समेत कई प्रमुख लोग एवं सैकड़ों कार्यकर्तागण थे।

निषाद समाज को आरक्षण मिला तो बिना शर्त करेंगे केन्द्र का समर्थन : सहनी

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटनाद्ध विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख और बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने आज पटना में प्रेस को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि उनकी प्राथमिकता लोकसभा सीट नहीं है बल्कि निषाद आरक्षण है। 60 सीटों पर जीत-हार निषाद समाज तय करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि निषाद समाज को आरक्षण मिला तो बिना शर्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वे समर्थन करेंगे। बुधवार को निषाद आरक्षण संकल्प यात्रा का पहला चरण समस्तीपुर में समाप्त हो गया है। अब दूसरे चरण की शुरूआत मधुबनी से होगी। मुकेश सहनी ने बताया कि अब तक पहले चरण में 10 लाख लोगों ने हाथ में गंगाजल लेकर आने वाली पीढ़ी के सुखद भविष्य और आरक्षण के लिए संघर्ष करने का संकल्प लिया है। पटना में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुकेश सहनी ने कहा कि पहले चरण की यात्रा में मिल रहे समर्थन खासकर युवाओं के मिल रहे समर्थन को लेकर आभार जताते हुए कहा कि कल से मधुबनी से यात्रा के दूसरे चरण की शुरूआत होगी। उन्होंने कहा कि 1.50 करोड़ लोगों को संकल्पित करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि 28 अगस्त से पटना से अन्य कार्यकर्ता भी गांव -गांव जाएंगे जहां लोगो को आरक्षण के लिए संकल्प दिलाया जाएगा। मुकेश सहनी ने पत्रकारों के एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि आज बिहार में नीतीश कुमार फैक्टर नहीं रह गए है बल्कि मुकेश सहनी फैक्टर बन गए हैं। नीतीश कुमार फैक्टर को काटने के लिए सम्राट चौधरी को विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष और अध्यक्ष बनाया गया लेकिन भाजपा ने आनन फानन में चौधरी को नेता प्रतिपक्ष से हटाकर हरि सहनी को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया। उन्होंने हरि सहनी को बड़ा भाई बताते हुए कहा कि उन्होंने हाथ में गंगाजल लेकर संकल्प लिया था कि निषाद आरक्षण के लिए संघर्ष करेंगे, अब इस संकल्प को उन्हे याद रखना चाहिए। मुकेश सहनी ने कहा कि भाजपा ने मात्र एक निषाद को सम्मान दिया है, अभी भी बिहार, यूपी और झारखंड के निषाद आरक्षण का इंतजार कर रहे हैं। पत्रकारों के लोकसभा की तैयारी के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता लोक सभा सीट नहीं, निषाद आरक्षण है। अगर प्रधानमंत्री निषाद को आरक्षण की घोषणा करते हैं, और एक सीट भी नहीं देते हैं तो कोई परवाह नहीं। मुकेश सहनी ने साफ लहजे में कहा कि यूपी , बिहार और झारखंड में 60 सीटों पर निषाद हार जीत तय करते हैं और जो हमारी बात सुनेंगे, उसकी बात हम भी सुनेंगे।

अतिपिछड़ा समाज को गुलाम समझती है भाजपा : राजीव

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जदयू कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव राजीव रंजन ने भाजपा को अतिपिछड़ा विरोधी पार्टी करार दिया। उन्होंने कहा कि अतिपिछड़ा समाज के मसलों पर भाजपा की कथनी और करनी में भारी अंतर है। ये लोग अतिपिछड़ा समाज के हितैषी होने का ढोंग जरुर करते हैं, लेकिन हकीकत में यह लोग अतिपिछड़ा समाज को मजदूर से अधिक नहीं समझते हैं। उन्होंने कहा कि 25 अगस्त यानि शुक्रवार को जदयू की तरफ से अतिपिछड़ा समाज की एक बड़ी बैठक का आयोजन किया गया है जहां आगे की रणनीति तय की जाएगी। इस बैठक में धानुक समाज सहित अतिपिछड़ा समाज के लोग भारी संख्या में सम्मिलित होंगे। उन्होंने कहा कि इस बैठक का उद्घाटन पूर्व मंत्री श्री दामोदर राउत करेंगे। जदयू के राष्ट्रीय महासचिव ने उदहारण देते हुए कहा कि अतिपिछड़ा समाज से आने वाले जिन रामफल मंडल जी को भाजपा कभी याद तक नहीं करती थी, आज ये लोग जदयू की देखा-देखी उनकी पुण्यतिथि मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुण्यतिथि मनाना उनके ढोंग का प्रत्यक्ष प्रमाण है। जदयू महासचिव ने कहा कि भाजपा यह जान ले बिहार का पिछड़ा-अतिपिछड़ा और दलित समाज अपने अपमान को भूलता नहीं है और आने वाले लोकसभा चुनाव में उन्हें इसका परिणाम भुगतना ही पड़ेगा। वहीं मीडिया को संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम ने बीजेपी को जाति आधारित गणना का विरोधी करार दिया और कहा कि बीजेपी ने इसे रोकने के लिए अपनी सहयोगी संगठनों से कोर्ट में याचिका डलवायी। बीजेपी की साजिशों का उल्लेख करते हुए प्रवक्ता हिमराज राम ने कहा कि बीजेपी ने अपनी आनुषांगिक संस्था यूथ फॉर इक्वालिटी की मदद से राज्य में जाति आधारित गणना को रुकवाने की भरपूर कोशिश की लेकिन पटना हाईकोर्ट ने सरकार के तर्कों को समझा और उसे पूरा करने की इजाजत दी। उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि वो हमेशा से पिछड़ों और दलितों की विरोधी रही है। हिमराज राम ने केंद्र की बीजेपी सरकार के खिलाफ देश में जान बूझकर जनगणना नहीं कराने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब अमेरिका और पाकिस्तान जैसा गरीब देश जनगणना करा सकता है तो आखिर भारत क्यों नहीं?

भारत के आर्थिक विकास में जेटली की भूमिका अहम:सम्राट

- सांसद व वित्त मंत्री के तौर पर अमिट छाप छोड़ी : रविशंकर
- संगठन व आर्थिक मामलों के जानकार थे जेटली : नंद किशोर

पटना। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय अरुण जेटली की पुण्यतिथि पर पटना के कंकड़बाग स्थित पार्क संख्या-31 स्थित अरुण जेटली के प्रतिमा पर बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद रविशंकर प्रसाद समेत कई नेताओं ने पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर सभी नेताओं ने पूर्व केंद्रीय मंत्री को याद करते हुए उन्हें नमन किया। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि आज हम सभी स्व जेटली जी को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जेटली ने देश को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने का काम किया। उन्होंने कहा कि आज हमारी आर्थिक स्थिति अच्छी है , तो उसमें अरुण जेटली जी का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि जेटली जी दूरदर्शी नेता थे और समाज के प्रति जीवन भर संवेदनशील रहे। उन्होंने नकारात्मक नहीं बल्कि सकारात्मक राजनीति को तरजीह दी। पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि जेटली जी मेरे बड़े भाई, एबीवीपी परिवार और राज्यसभा में उपनेता के तौर में काफी कुछ सीखा। उन्होंने कहा कि सांसद, वित्त मंत्री , वकील और बुद्धिजीवी के तौर पर अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने कहा कि वे नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में भी जेटली जी रहे है। उन्होंने कहा वे एक मानव के तौर पर संपूर्ण थे। इस मौके पर पूर्व मंत्री नंद किशोर यादव ने कहा कि जेटली जी संगठन, चुनाव रणनीतिकार, आर्थिक मामलों के जानकार के साथ प्रखर वक्ता थे। उन्होंने कहा कि जेटली जी ने बिहार की राजनीति के भी जानकार थे। उन्होंने कहा कि उन्हें कानून के क्षेत्र में भी मजबूत पकड़ थी। इस कार्यक्रम का संयोजन पटना महानगर के अध्यक्ष अभिषेक चंद्रवंशी ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा के प्रदेश मंत्री संजय गुप्ता, प्रदेश के सह कोषाध्यक्ष आशुतोष शंकर सिंह, पटना महानगर भाजपा के महामंत्री विनय केसरी, मनोज शर्मा, शुभम राज सिंह, सतीश पप्पू, मनोज कुमार, सुमित सिंह, मंडल अध्यक्ष सुमित श्रीवास्तव सहित सैकड़ो कार्यकताओं ने पुष्पांजलि किया।

निलेश मुखिया का पार्थिव शरीर पहुंचते ही आक्रोशित हुए समर्थक

कई वाहनों को किया क्षतिग्रस्त, पुलिस ने संभाला मोर्चा

पटना। भाजपा नेता और पटना की पार्षद के पति निलेश मुखिया का पार्थिव शरीर दिल्ली से पटना लाने के बाद गुरुवार को उनके समर्थकों ने पटना में जमकर बवाल काटा। हत्या के आरोपी के कई वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस दौरान उपजे तनाव की स्थिति को देखते हुए बड़ी संख्या में पटना पुलिस के जवान को वहां भेजा गया जिसके बाद भीड़ को वहां से हटाया गया। इसके पहले गुरुवार को उनका अंतिम दर्शन करने के लिए कई भाजपा नेता और उनके समर्थक पहुंचे। पटना पुलिस ने निलेश मुखिया से हत्या से आक्रोशित उनके समर्थकों को नियंत्रित करने और किसी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए। दीघा से कुर्जी तक पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। करीब 5 थानों की पुलिस दल बल के साथ पूरे इलाके में मौजूद रही। बताते चलें कि वार्ड 22बी की पार्षद सुचित्रा देवी के पति निलेश मुखिया का शव दिल्ली से पटना लाया गया तो हजारों की संख्या में उनके समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी. पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने भी निलेश मुखिया के पार्थिव शरीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और बिहार में बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था पर नाराजगी जताई।

नीलेश राय की हत्या अपूरणीय क्षति: निखिल

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भाजपा नेता और कुर्जी निवासी पूर्व मुखिया नीलेश राय की हत्या पर भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं बिहार भाजपा प्रवक्ता डॉ निखिल आनंद ने दुख जताया है। कहा कि नीलेश राय की हत्या अपूरणीय क्षति है। परिवार को न्याय मिले। निखिल आनंद ने कहा कि पटना के लोयोला स्कूल में पढ़े नीलेश राय एक युवा जुझारू नेता थे जिन्होंने बहुत ही कम समय में सामाजिक- राजनीतिक क्षेत्र में लोकप्रियता प्राप्त की थी। भाजपा की राजनीति में और पटना महानगर की राजनीति में जो जगह उन्होंने बनाया था उसकी भरपाई आने वाले लंबे समय तक करना असंभव है। नीलेश राय के परिवार से पूरी संवेदना और सहानुभूति जताते हुए निखिल आनंद ने कहा इस दुख की घड़ी में हम सभी उनके परिजनों के साथ खड़े हैं। ईश्वर दिवंगत नेता नीलेश राय की आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिजनों को न्याय दें।

लोजपा रा प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. सत्यानंद शर्मा के नेतृत्व में 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने गुरूवार को राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। प्रर्ीतिनधमंडल में युवा लोजपा-(रा) के राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार पासवान, अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार, पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष विष्णु पासवान, अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव शंकर शर्मा, अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव सुदीप्त कुमार शामिल थे। पार्टी ने अपने ज्ञापन में कहा कि सरकार हर मोर्चे पर फेल है। पूरे बिहार में अराजकता का माहौल है। भूमिहीन दलितों गरीबों वंचितों को 4 डिसमिल जमीन देने के बजाये, उन्हें घर तोड़ कर उजारा जा रहा है। गरीबों को जमीन देने के नाम पर सिर्फ कागज का टुकड़ा (परवाना) दिया जा रहा है। जमीन के टुकड़ा से गरीब वंचित है। ज्ञापन में एक दिन में भोजपुर जिला में 9 हत्या, मोतिहारी में 55 घंटा में 5 हत्या, पत्रकारों की हत्या, 8 दरोगा 9 चौकीदार सहित अनेकों पुलिस के जवानों की हत्या की घटना का उल्लेख कर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की गई है। उक्त आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन पासवान ने दिया।

हम से महिला प्रकोष्ठ ने श्रावणी महोत्सव मनाया

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा से के महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुनीता अशोक की अध्यक्षता में महिला श्रावणी महोत्सव मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा से के संस्थापक सह पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मॉझी, एवं विशिष्ठ अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन, महिला प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बाराचट्टी विधायक ज्योति मॉझी, प्रदेश अध्यक्ष सह सिकन्दरा विधायक प्रफुल्ल कुमार मॉझी, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता विजय यादव, कोषाध्यक्ष रघुवीर मोची, प्रदेश प्रधान महासचिव अभिनाश कुमार की उपस्थिति में मनाया गया। इस कार्यक्रम में रिभा कुमारी, खुशी कुमारी, रूबी देवी, आभा सिन्हा, खुशबु कुमारी, सावित्री कुमारी, सलोचना देवी, प्रतिमा यादव, ललीता देवी, कुमारी पुजा, तुलसी देवी, कौशल्या देवी, रिर्की कुमारी, मंजु पाण्डेय, मिन्टु कुमारी, संजु देवी, मंजु देवी, ममता कुमारी, प्रतिमा देवी, पार्वती देवी, प्रभा, स्नेहलता पाण्डेय इत्यादि महिला कार्यकर्ता उपस्थित थें।

गीता को आचरण में उतारने वाले महान चिंतक कवि थे हृदय नारायण

- अमलेश वर्मा व डा रागिनी वर्मा को दिया गया हृदय नारायण-कल्याणी स्मृति सम्मान
- वरिष्ठ लेखक मार्कण्डेय शारदेय की पुस्तक डुमराँवनामा का हुआ लोकार्पण

आयोजित हुई कवि-गोष्ठी

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

प्रज्ञ-चिंतक और भारतीय वांगमय के मनीषी भाष्यकार कवि हृदय नारायण, हिन्दी की सेवा करने वाले पिछली सदी के महान चिंतक कवियों में अग्र-पांक्तेय थे। उन्होंने गीता को न केवल समझा था, अपितु उसे वाणी और आचरण में उतारा था। वे मानते थे कि भारतीय-दर्शन में आधुनिक-समाज की सभी समस्याओं का निदान और सभी प्रश्नों के उत्तर अंतर्निहित हैं। यह बातें गुरुवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आयोजित जयंती एवं पुस्तक-लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने कहा कि हृदय नारायण जी हिन्दी-साहित्य के साधु-पुरुष थे। उनकी आध्यात्मिक और साहित्यिक साधना साथ-साथ चली। भारतीय दर्शन पर उन्होंने तीन दर्जन से अधिक ग्रंथों की रचना की, जो आनेवाली पीढ़ियों का मार्ग-दर्शन करते रहेंगे। इस अवसर पर डा अमलेश वर्मा एवं डा रागिनी वर्मा को, हिन्दी भाषा और साहित्य के उन्नयन में अत्यंत मूल्यवान सेवाओं के लिए, प्रज्ञ चिंतक हृदय नारायण-कल्याणी स्मृति सम्मान से विभूषित किया गया। समारोह के उद्घाटन-कर्ता और राज्य उपभोक्ता संरक्षण आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति संजय कुमार तथा समारोह के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति राजेंद्र प्रसाद ने प्रत्येक को प्रशस्ति-पत्र, स्मृति-चिन्ह, वंदन-वस्त्र एवं पुष्पहार समेत दो हजार एक सौ रुपए की सम्मान-राशि प्रदान कर सम्मानित किया। अध्यक्ष और अतिथियों ने इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार मार्कण्डेय शारदेय की पुस्तक डुमराँवनामा का भी लोकार्पण किया। सम्मेलन के प्रधानमंत्री और विद्वान समालोचक डा शिववंश पाण्डेय ने कहा कि हृदय नारायण जी एक पूर्ण आध्यात्मिक व्यक्तित्व और संत साहित्यकार थे। उनकी यशोकाया की उपस्थिति का हम आज भी अनुभव कर सकते हैं। स्मृति शेष हृदय नारायण के पुत्र और सुप्रसिद्ध शिशुरोग विशेषज्ञ डा निगम प्रकाश नारायण ने भावुक स्वर में अपने पिता को स्मरण किया और कहा कि हृदय नारायण जी ने एक छोटे से गाँव से अपनी संघर्षपूर्ण जीवन की यात्रा की। कृष्ण उनके आदर्श थे। मेरी माँ कल्याणी नारायण ने एक समर्पित गृहिणी की तरह उनका पग-पग पर साथ दिया। यह गौरव का विषय है कि साहित्य सम्मेलन के तत्त्वावधान में इन दोनों विभूतियों के नाम से, प्रति वर्ष एक विदुषी और एक विद्वान सम्मानित किए जाते हैं। विशिष्ट अतिथि डा शाह अद्वैत कृष्ण, सम्मेलन की उपाध्यक्ष डा मधु वर्मा, डा कल्याणी कुसुम सिंह, हृदय नारायण जी के दूसरे पुत्र डा निर्मल प्रकाश नारायण, डा निकुंज प्रकाश नारायण, पुत्रवधू डा संगीता नारायण, किरण नारायाण, डा विनीता नारायण तथा वीणा प्रसाद ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर आयोजित कवि-सम्मेलन में, वरिष्ठ कवि बच्चा ठाकुर, कुमार अनुपम, शायरा तलअत परवीन, प्रो सुनील कुमार उपाध्याय, डा सुषमा कुमारी, डा जय प्रकाश पुजारी, अर्जुन प्रसाद सिंह, शंकर शरण मधुकर, ई अशोक कुमार, अश्विनी कुमार, अंकुर वैभव, अरविंद कुमार वर्मा आदि ने काव्य-पाठ कर समारोह को रस और आनंद प्रदान किया। मंच का संचालन ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन कृष्ण रंजन सिंह ने किया। प्रो सुशील कुमार झा, डा मुकेश कुमार ओझा, कवयित्री ऋचा वर्मा, डा नीरजा कृष्ण डा अरुण कुमार सिन्हा, रीना देवी, सच्चिदानंद शर्मा, दुःख दमन सिंह, अमन वर्मा आदि बड़ी संख्या में प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।

तीस महीना में अनुकम्पा के आधार पर 44 आश्रितों को नियुक्ति की गई

डीएम ने किया जिला स्थापना शाखा का निरीक्षण, कहा- प्रबंधन की स्थिति संतोषजनक

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जिलाधिकारी डॉ. चन्द्रशेखर सिंह ने गुरूवार को जिला स्थापना शाखा समाहरणालय का निरीक्षण किया। डीएम ने कहा कि कार्यालय-प्रबंधन की स्थिति संतोषजनक है। पंजियों, संचिकाओं एवं अन्य अभिलेखों के विहित प्रक्रिया के अनुसार समुचित संधारण पर जिलाधिकारी द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई। विगत तीस महीना में अनुकम्पा के आधार पर मृत सरकारी सेवकों के 44 आश्रितों की नियुक्ति की गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि यह अच्छी उपलब्धि है। उन्होंने अनुकम्पा के आधार पर अनुशंसा हेतु वर्तमान में लंबित 13 मामलों को भी नियमानुसार शीघ्र निष्पादित करने का निदेश दिया। वर्ष 2022 से अभी तक पटना नगर निगम एवं अन्य नगर निकायों के 63 मामलों में मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति हेतु अनुशंसा की गई है। डीएम डॉ. सिंह द्वारा शेष मामलों को भी विशेष प्रयास कर शीघ्र निष्पादित करने का निदेश दिया। विगत ढाई वर्षों में शत-प्रतिशत कर्मियों के मामलों में सेवा सम्पुष्टि की गई है। साथ ही 97 प्रतिशत से अधिक कर्मियों के एसीपी/एमएसीपी मामलों को निष्पादित किया गया है। शेष मामले भी प्रक्रियाधीन है। विगत डेढ़ साल में 391 लिपिकों, राजस्व कर्मचारियों, अमीनों तथा अन्य को सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त जिले के विभिन्न कार्यालयों में पदस्थापित पदाधिकारियों का प्रशिक्षण/कोषागार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। वर्ष 2021, 2022 एवं 2023 में सेवानिवृत सभी कर्मियों का सेवान्त लाभ भुगतान किया जा रहा है। डीएम डॉ. सिंह द्वारा इस पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आगे भी अच्छा प्रदर्शन जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यालय पहुँच कर जिलाधिकारी द्वारा कर्मियों की उपस्थिति की जांच की गई, उनका परिचय प्राप्त किया गया तथा उनके दायित्वों एवं कार्यों की जानकारी ली गई। डीएम डॉ. सिंह ने आगत-निर्गत पंजी, सेवापुस्त, सेवा अभिलेख, आकस्मिक अवकाश पंजी, अनुक्रमणिका पंजी, कर्म पुस्त, लिपिकों एवं कार्यालय परिचारियों की नियंत्रण पंजी, लिपिकों की सेवा पुस्तिका पंजी, कार्यपालक सहायकों की सेवा अभिलेख पंजी, पंजियों की पंजी सहित विभिन्न पंजियों को देखा तथा इन सभी के विधिवत संधारण पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि स्थापना शाखा के कर्मियों तथा पदाधिकारियों द्वारा अभिलेखों के नियमानुसार संधारण के लिए बहुत अच्छा प्रयास किया गया है। डीएम डॉ. सिंह ने कहा कि जिला स्थापना शाखा द्वारा क्षेत्रीय एवं समाहरणालय कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संबंधित विविध कार्य यथा नियुक्ति, प्रोन्नति, सेवा सम्पुष्टि, वरीयता निर्धारण, वेतन भुगतान, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, स्थानांतरण, पदस्थापन, निर्वाचन, पेंशन उपादान, भविष्य निधि, सेवापुस्तों एवं सेवा अभिलेखों का संधारण, अनुकम्पात्मक नियुक्ति, क्षेत्रीय एवं समाहरणालय कार्यालयों के लिए आरक्षण रोस्टर आदि कार्य सरकार द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप तत्परतापूर्वक किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने विभागीय कार्यवाही के लंबित 33 मामलों को भी नियमानुसार शीघ्र निष्पादित करने का निदेश दिया। साथ ही उन्होंने निरीक्षण अनुपालन भी ससमय भेजने का निदेश दिया। इस अवसर पर वरीय प्रभारी पदाधिकारी, स्थापना-सह-अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन संतोष कुमार झा, जिलाधिकारी के विशेष कार्य पदाधिकारी सुभाष नारायण, स्थापना उप समाहर्ता अनिषा भारती एवं अन्य भी उपस्थित थे।

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना

सं. डी.एन.आर./एस. एण्ड टी./सिंग/2023/17
दानापुर, दि. 22.08.2023 भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (सिंगनल एवं दूर संचार) पूर्व मध्य रेलवे, दानापुर मंडल, निम्नलिखित कार्य हेतु रेलवे के वेबसाइट पर निविदाएं आमंत्रित करते हैं–
1. कार्य का नाम एवं स्थान : दानापुर मंडल अंतर्गत टीटीआर, टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी, स

संक्षिप्त खबरें

शराब के साथ एक कारोबारी गिरफ्तार

कल्याणपुर, समस्तीपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव से पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक कारोबारी को शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार कारोबारी की पहचान गोपालपुर गांव निवासी सुबोध महंतों के पुत्र रवि रंजन कुमार के रूप में हुई है। वहीं कारोबारी के पास से पुलिस ने 180 एमएल 24 बोतल जो मैकडॉवेल कम्पनी का बरामद हुआं है। वहीं थानाध्यक्ष गौतम कुमार ने बताया कि गिरफ्तार कारोबारी को जेल भेज दिया गया है।

धरना प्रदर्शन के लिए विभूतिपुर में स्थल चिन्हित

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड में धरना प्रदर्शन के लिए पंचायत सरकार भवन विभूतिपुर उत्तर को चिन्हित किया गया है। उक्त बात की जानकारी विभूतिपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी चंद्र मोहन पासवान ने पंचायत समिति प्रमुख, उप प्रमुख, सभी राजनीतिक दल के अध्यक्ष, मुखिया, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य, जिला परिषद, वार्ड पंच के नाम पत्र जारी करते हुए बताया है। बताया गया कि स्थान चिन्हित नहीं रहने के कारण धरना प्रदर्शन प्रखंड कार्यालय के मुख्य गेट पर किया जाता है। जिसके कारण प्रदर्शन वाले दिन प्रखंड कार्यालय, अंचल कार्यालय एवं लोक सेवाओं का अधिकार कार्यालय का कार्य पूर्णतः बाधित हो जाता है।

मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा में सुदूर गांव के छात्र ने मारी बाजी

विभूतिपुर, समस्तीपुर। मेधा छात्रवृति परीक्षा 2023 में सुदूर गांव के छात्र चकहबीब शाहपुर परोही निवासी रामसूदीन सिंह व रीता देवी के पुत्र दयानंद कुमार ने सफलता हासिल की है। बता दे की दयानंद कुमार राजकीय मध्य विद्यालय केराई से आठवीं कक्षा पास कर वर्तमान में उच्च विद्यालय चकहबीब में नवम वर्ग में नामांकन लिया है। उनकी सफलता पर राजकीय मध्य विद्यालय केराई के प्रधानाध्यापक आरसी प्रसाद सिंह, सहायक शिक्षक मनोरमा कुमारी, नाजरीन सुरैया, सुश्री आकांक्षा ने बधाई दी है।

नकली फेवीक्विक बेचने को लेकर हुआ एफआईआर दर्ज

मधुबनी जयनगर दिल्ली की एक निजी उत्पाद कम्पनी द्वारा पुलिस के सहयोग से नकली उत्पाद बेचने को लेकर मामले में चार दुकानो पर छापेमारी किया गया है जहां से अलग अलग कुल 729 पीस नकली उत्पाद बरामद किया गया हालांकि छापेमारी के डर से दुकानदार मौके से फरार हो गया। इस मामले में कम्पनी के सिनीयर मेनेजर मो. तोकीर के बयान पर चार दुकानदारो के विरूद्ध एफआईआर हुई है।अपर थानाध्यक्ष गोपाल कृष्ण और सब इंस्पेक्टर मुकेश कुमार ने बताया कि निजी कम्पनी के द्वारा मिले आवेदन के अनुसार भेलवाटोल निकट शेखर जेनरल स्टोर्स अनुरोदय जेनरल स्टोर्स बाजार स्थित सुर्यदेव किराना स्टोर्स व मिलन स्टेशनरी के मालिकों विरूद्ध एफआईआर दर्ज किया गया है छापेमारी दल में एस आई मुकेश कुमार व समेत कम्पनी के सिनीयर मेनेजर आकाश सिंह समेत जवान शामिल थे।छापेमारी के खबर से नकली उत्पादन बेचने वालो के बीच बाजारों में हड़कंप मचा हुआ है ।

समारोह में सम्मानित किए गए 25 प्रगतिशील किसान और 10 मेधावी बच्चे

नावकोठी, बेगूसराय। प्रखंड के बौधू सिंह प्लस टू स्कूल पहसारा में मेधावी छात्र तथा प्रगतिशील किसान सम्मान समारोह का आयोजन गुरूवार को किया गया। इसकी अध्यक्षता मुखिया निभा देवी ने की। बायोस्टेट इंडिया लिमिटेड बिहार प्रबंधक रामेश्वर दुबे ने आधुनिक खेती में बायोजाइम की उपंयोगिता के संबंध में किसानों को विस्तार से बताया। समारोह में 10 मेधावी छात्र-छात्राओं को 2500- 2500 रुपए छात्रवृत्ति के रूप में दिया गया। छात्रवृत्ति पाने वालों में राजेश कुमार, नेहा कुमारी, आशीष कुमार, यशवंत कुमार, दिव्यांश कुमार, सुष्मिता कुमारी, आयुषि कुमारी, प्रत्यूष कुमार, रोहित कुमार, वर्षा कुमारी आदि छात्र-छात्राएं शामिल हैं। इस अवसर पर 25 किसानों को बायोजाइम का गमछा देकर सम्मानित किया गया। मौके पर क्षेत्रीय प्रबंधक जीउत लाल, सरपंच प्रतिनिधि रामाशीष सिंह उर्फ गुरूजी, जयप्रकाश सिंह, प्रो भगवान सिंह, मणि भूषण सिंह, रमेश कुमार, मनीष कुमार, लालू कुमार, बबलू कुमार आदि मौजूद थे।

नशाखुरानी का शिकार बनाकर नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म करने वाले तीन अपराधी गिरफ्तार

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

नशाखुरानी गिरोह के द्वारा पिता-पुत्री को शिकार बनाकर नाबालिग पुत्री के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने वाले के गिरोह के तीन सदस्यों को समस्तीपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गुरुवार को एसपी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में मामले का खुलासा करते हुए एसपी विनय तिवारी ने बताया कि समस्तीपुर पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टीम के द्वारा नशाखुरानी गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि एंटी नारकोटिक्स टीम को नशाखुरानी गिरोह द्वारा यात्री को नशा देकर लूटपाट कर यात्री को कही दूर फेके जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। जिस पर टीम लगातार आसूचना संकलन एवं कार्य कर रही थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वैशाली जिले के बेलसर ओपी के मिश्रौलिया निवासी मो० सलाउदीन, मुजफ्फरपुर जिले के सकरा थाना क्षेत्र के सतपुरा निवासी मो० अलाउदीन एवं यशवंत कुमार के रूप में हुई है। इनके पास से पीड़िता का लूटा गया मोबाइल और घटना में प्रयुक्त गाड़ी भी बरामद किया गया है। आरोपियों द्वारा पूर्व में नशाखुरानी कई घटनाओं को अंजाम दिया जा चुका है। 16 अगस्त की देर रात पीड़िता और उनके पिता कोलकता से समस्तीपुर स्टेशन पर ट्रेन से उतरने के बाद एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें उनके गंतव्य स्थान तक छोड़ने की बात कही थी। उसने पिता-पुत्री दोनों को विश्वास में लेते हुए उन्हें सफेद रंग की एक बोलेरो गाड़ी में बैठाकर ले जाया गया था। उसी गाड़ी में पहले से दो व्यक्ति और मौजूद थे। मुक्तापुर के पास उस अज्ञात व्यक्ति के द्वारा कोल्ड ड्रींक्स में नशीली दवा मिलाकर दोनों पिता-पुत्री को पिलाकर बेहोश कर दिया गया। इसके बाद उन लोगों ने उनके पास रखे हुए रुपए और मोबाइल भी ले लिए। पिता को बेहोशी की हालत में पूसा रोड में सड़क किनारे फेंक दिया। उसके बाद उन अपराधियों में से दो अपराधियों ने चलती गाड़ी में बारी-बारी से पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया और सकरा थाना जिला मुजफ्फरपुर में बेहोशी की हालत में अर्धनग्न अवस्था में सड़क किनारे पीड़िता को फेंक दिया था। पूछ-ताछ के क्रम में पकड़ाए अपराधियों द्वारा बताया गया कि ये लोग पटना, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर एवं अन्य जिलों में घूम-घूम कर नशाखुरानी की कई घटना को अंजाम दे चुके हैं। साथ ही लोगों के साथ जालसाजी एवं ठगी कर कागज के बदले नोट बदलने की टप्पाबाजी एवं नकली सोना जैसा धातु दिखाकर लोगों से रूपया ऐंठने का काम करते है एवं नशीली दवाईयां खिलाकर राहगीरों को बेहोश कर लूट-पाट की घटना करते हैं।

मद्य निषेध के 5 साल पुराने मामले में दोषी को पांच वर्ष सश्रम कारावास और एक लाख जुमार्ना

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर व्यवहार न्यायालय में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह उत्पाद अधिनियम के विशेष न्यायाधीश संजय कुमार द्वितीय ने गुरुवार को उत्पाद वाद संख्या 211/18 के मामले में दोषी पाए गए खानपुर थाना क्षेत्र के सेदुखा निवासी और स्व बालेश्वर पासवान के पुत्र अशोक पासवान को धारा 30 (ए) बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2016 के तहत पांच वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है। साथ ही एक लाख रुपए अर्थदंड देने की भी सजा सुनाई है। साथ ही जुमार्ना की राशि अदा नहीं करने के पर दोषी को छह माह अतिरिक्त साधारण कारावास की सजा भुगतनी होगी। बता दें कि 18 जुलाई 2018 की शाम उत्पाद विभाग की टीम ने अभियुक्त अशोक पासवान के झोपड़ीनुमा बथान में भूसे के ढेर में छुपाकर रखे गए 15 लीटर चुलाई शराब को बरामद करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार किया था। इसके बाद अभियुक्त अशोक पासवान के विरुद्ध मद्य निषेध अधिनियम के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया था। बचाव पक्ष के अधिवक्ता राणा प्रवीण सिंह एवं कुमार गौरव सिंह तथा उत्पाद विभाग की तरफ से अधिवक्ता पंकज कुमार के द्वारा न्यायालय में पक्ष रखा गया था।

मुफ्फसिल पुलिस ने 125 कार्टन विदेशी शराब लदा पिकअप किया जब्त

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर मुफ्फसिल पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के जितवारपुर निजामत रेलवे क्रॉसिंग के पास से बुधवार की रात भारी मात्रा में विदेशी शराब लदे एक पिकअप को जप्त किया है। वहीं इस दौरान शराब कारोबारी अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे। बरामद विदेशी शराब की मात्रा 125 कार्टन बतायी गई है। बताया गया कि मुजफ्फरपुर से एक पिकअप पर विदेशी शराब जिले के ताजपुर आ रही थी पर कारोबारी से डील फेल हो जाने के बाद उक्त पिकअप को मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के जितवारपुर निजामत आने की गुप्त सूचना मुफ्फसिल पुलिस को मिली। मुफ्फसिल पुलिस ने थानाध्यक्ष के नेतृत्व में टीम के साथ बताए गए स्थान पर छापेमारी कर एक पिकअप जब्त किया गया। तलाशी लेने पर पिकअप पर 125 कार्टन विदेशी शराब लदा हुआ पाया गया जिसे पुलिस टीम के द्वारा पिकअप समेत जब्त कर लिया गया। वहीं अंधेरे का फायदा उठाकर शराब कारोबारी भागने में सफल रहे। मुफ्फसिल थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बरामद शराब मामले में प्राथमिक के दर्ज करने के कार्यवाही की जा रही है। मद्य निषेध को लेकर शराब कारोबारियों के विरुद्ध छापेमारी लगातार जारी है।

आटो चालकों का समाहरणालय पर विरोध प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। आगामी 30सितम्बर के बाद शहर में डीजल चालित आटो के परिचालन पर प्रतिबंध के विरोध में आज आटो चालकों ने समाहरणालय पर विरोध प्रदर्शन किया।इस दौरान शहर में आज आटो परिचालन भी बंद रखा गया। परिवहन विभाग ने अगले 30 सितम्बर के बाद शहर में डीजल से चलने वाले आटो के परिचालन पर रोक लगाने का आदेश जारी कर दिया है।इस आदेश से आटो चालकों में गुस्सा है।उनका कहना है कि हमने लोन लेकर आटो खरीदा।लोन का किश्त चुकाना है।शहर में आटो चलाकर हम अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। काफी मेहनत और जिल्लत उठा कर प्रतिदिन औसतन चार से पांच सौ रुपये क्या पाते हैं।आटो चालकों का आरोप है कि ट्राफिक पुलिस उनसे न सिर्फ बदसलूकी करती है बल्कि उनसे अवैध वसूली भी की जाती है।आज दिन सरैयागंज काबर सहित अन्य जगहों से आटो को पकड़ कर पुलिस थाने ले जाती है और उनको प्रताड़ित करती है। यह सब चल ही रहा था कि अब परिवहन विभाग ने 30 सितम्बर के बाद शहर में डीजल चालित आटो के परिचालन पर रोक लगा दिया है।उनका कहना है कि आखिर हम शहर में आटो नहीं चलाएंगे तो आखिर चलाएंगे कहां? लोन का किश्त कैसे चुकाएंगे और हमारी जीविका का क्या होगा? आटो चालक संगठन के नेता जिला प्रशासन से परिवहन विभाग के आदेश को वापस लेने की मांग कर रहे हैं।

गोस्वामी तुलसीदास की 526वीं जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई

प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन प्रखंड अंतर्गत आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय सरायरंजन में हिंदी साहित्य के मूर्धन्य कवि गोस्वामी तुलसीदास की 526वीं जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। समारोह की अध्यक्षता करते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक रवींद्र कुमार ठाकुर ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास कालजयी कवि थे। उनकी समस्त रचनाएं राम भक्ति एवं रामचरित पर ही आधारित हैं। विभिन्न छंदों, रागों और भाषा में राम का गुणगान करना ही उनकी काव्य साधना रही है। रामचरितमानस में इनका कवित्व उत्कर्ष पर है। यही कारण है कि रामचरितमानस का घर-घर में पाठ होता है। समारोह का संचालन शिक्षिका किरण कुमारी ने किया। आयोजित समारोह को वंदना कुमारी, आनंदित कुमारी, कल्पना कुमारी, सोनाली कुमारी, मनोज कुमार गुप्ता, अमित कुमार, रवि शंकर कुमार, मदन कुमार भगत, राकेश कुमार आदि शिक्षक-शिक्षिकाओं ने संबोधित किया।

बीस हजार रुपये रिश्वत लेते थानेदार गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। औरंगाबाद के उपहारा थानेदार आनंद कुमार गुप्ता को पटना से पहुंची निगरानी (विजिलेंस) टीम ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। थानेदार की गिरफ्तारी के बाद हड़कंप मच गया। गुरुवार सुबह उपहारा थाना क्षेत्र के हमीदनगर गांव निवासी सनोज कुमार से थानेदार आनंद कुमार गुप्ता 20 हजार रुपये रिश्वत ले रहा था। उसी समय निगरानी की टीम ने पैसा लेते हुए उसे रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि एक लड़की के अपहरण मामले में प्राथमिकी से तीन आरोपितों के नाम हटाने के लिए थानेदार आनंद कुमार गुप्ता रिश्वत वसूल रहा था। इसी दौरान अचानक निगरानी टीम यहां पहुंच गई और थानेदार को रंगेहाथ दबोच लिया। इस रेड की जानकारी औरंगाबाद पुलिस को नहीं दी गई थी। निगरानी की टीम उपहारा थानाध्यक्ष को अरवल ले जाकर पूछताछ कर रही है। निगरानी के अधिकारी के अनुसार, थानेदार आनंद कुमार गुप्ता के खिलाफ शिकायत मिली थी कि वह अपहरण के केस में नाम हटाने को लेकर रिश्वत की मांग कर रहा है। शिकायत का सत्यापन करवाया गया। जांच में थानेदार के ऊपर लगे आरोप सही पाए गए। इसके बाद स्पेशल टीम का गठन किया गया। गुरुवार को स्पेशल टीम ने थानेदार को घूस लेते रंगेहाथ पकड़ लिया। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। बता दें औरंगाबाद जिले में थानेदार को रिश्वत लेते गिरफ्तार करने का यह पहला मामला नहीं है इससे पूर्व भी कई थानाध्यक्ष को निगरानी की टीम ने गिरफ्तार किया है।

बुडको के अधिकारियों के न रहने पर भड़की नगर आयुक्त

प्रात : किरण संवाददाता

गया नगर निगम सभागार में गुरुवार को आयोजित बोर्ड की बैठक मेयर वीरेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान की अध्यक्षता में संपन्न हुई है। जबकि बैठक का संचालन पूर्व डिप्टी मेयर सह सशक्त स्थाई समिति के सदस्य अखौरी ओंकारनाथ उर्फ मोहन श्रीवास्तव ने किया है।इस बैठक में नगर विधायक डॉ. प्रेम कुमार, डिप्टी मेयर चिंता देवी, नगर आयुक्त अभिलाषा शर्मा पार्षद मुन्नी देवी, संजय सिन्हा, राहुल कुमार, मनोज कुमार, विनोद यादव, रणधीर कुमार गौतम, दीपक चंद्रवंशी, डिंपल कुमार सहित अन्य मौजूद थे। नौ कार्ययोजनाओं पर पारित निर्णयों पर मुहर लगी। मुख्य रूप से आगामी पितृपक्ष मेला-2023 की तैयारी, प्रकाश व्यवस्था, जलापूर्ति, स्वच्छता, प्रदूषण नियंत्रण, राजस्व बढ़ोतरी सहित सभी वार्डों में रोड-गली-नली के निर्माण एवं कई अहम विकास कार्यों के लिए गए फैसलों पर मुहर लगी है। मेयर गणेश पासवान ने कहा कि शहर को स्मार्ट बनाने और विकास कार्यों के लिए निगम कृत संकल्पित हैं। इसी मद्देनजर देखते हुए निगम क्षेत्र के वार्ड एक से 53 तक गली-नली और रोड का निर्माण किए जाएंगे। इसके लिए 288 योजनाओं पर 35 करोड़ रुपए की लागत से गली-नली रोड का निर्माण होगा। जिसपर आयोजित बोर्ड की बैठक में पार्षदों ने एक स्वर में सहमति जताते हुए मुहर लगा दी गई है। स्टेंडिंग समिति के सदस्य मोहन श्रीवास्तव ने कहा कि पितृपक्ष मेला क्षेत्र पूरी तरह से चकाचक दिखने के लिए आउट सोर्सिंग के माध्यम से सफाई की जाएगी। जिससे देश-विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों को किसी प्रकार के असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। तीर्थयात्रियों को सुविधाएं के ख्याल में रखते हुए सरोवरों को रंग-रोगन, सेल्फी प्वाइंट, गेट, होर्डिंग, पनशाला एवं नगर निगम के कार्यो को डिस्प्ले के माध्यम से जानकारी दिए जाएगे। तीर्थयात्रियों को सभी सुविधाओं को ख्याल किया जाएगा। इस बैठक में 288 योजनाओं पर लगी मुहर सदन में सशक्त स्थायी समिति के सदस्य अखौरी ओंकानाथ उर्फ मोहन श्रीवास्तव द्वारा नाली एवं सड़क निर्माण को लेकर 288 योजनाएं रखा गया है। जिसमें सभी सदस्यों ने योजनाओं पर मुहर लगा दिए हैं। योजना के तहत 35 करोड़ की राशि से शहर में नाली एवं सड़क का निर्माण किया जाएगा। जिससे शहर दिखने में सुंदर लगे। वहीं शहर में आठ गोलंबरों का भी सुंदरीकरण को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया है। सदन में नगर विधायक डा. प्रेम कुमार पहली बार उपस्थित हुए। उन्होंने ने सदन में कहा कि नगर निगम काफी सराहनीय काम कर रहा है। पितृपक्ष मेला 2022 में भी सबसे बेहतर कार्य नगर निगम ने किया है। जिसकी प्रशंशा तीर्थयात्रियों ने भी किया था।

मन में श्रद्धा और विश्वास हो, तभी कथा सुना जा सकता है : विनी किशोरी

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत कल्याणपुर उत्तर पंचायत के बैंतीपार राम जानकी ठाकुरबारी परिसर में झूलनोत्सव के अवसर पर श्रीराम कथा का आयोजन किया गया है। नौ दिनो तक होने वाली कथा के प्रथम दिन कथावाचिका वैदेही विनी किशोरी ने मंगलाचरण के साथ कथा आरंभ की। जिसमें सरस्वती, गणेश, शंकर भगवान, पार्वती की वंदना करते हुए कथा की शुरूआत की। इस क्रम में उन्होंने राम कथा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भगवान की कथा तभी प्रिय लगती है जब मन में श्रद्धा और विश्वास हो। वहीं उन्होंने तुलसीदास जयन्ती की बधाई देते हुए गोस्वामी तुलसीदास की जीवन की कथा का वर्णन की। कथा के माध्यम से उन्होंने बताया कि तुलसीदास पत्नी की फटकार को सुनकर पीछे मुड़कर नही देखा और भगवान को प्राप्त कर गोस्वामी हो गए। कथा वाचिका विनी किशोरी ने लोगो को संदेश दिया कि दुख में सुमिरन करने से अच्छा है भगवान को सुख में भजो, जिससे जीवन में दुख आएगा ही नही।

बीपीएससी परीक्षा: बेगूसराय में शेयर बाजार की तरह होटल और बेड की लग रही है बोली

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय। जिले में बीपीएससी शिक्षक भर्ती की परीक्षा 24 से 26 अगस्त तक चलेगी। इस दौरान गुरुवार को परीक्षा के पहले दिन छात्रों को काफी परेशानियों का सामना करना पडा है। दूरदराज से आए छात्रों से होटल मालिक, लाज वाले, ऑटो वाले तथा ई- रिक्शा वाले भी मनमाना किराया वसूल रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि मानो होटल वाले की लॉटरी लग गई हो। छात्रों का कहना है कि 500 के किराए वाला रूम 1200 से में दिया जा रहा है।

वहीं खाली कमरा होने के बावजूद ज्यादा किराया लेने के लिए रूम को खाली नहीं बता रहे हैं। होटल के कमरों की लग रही है बोली यही नहीं पड़ोसी जिला मुंगेर से आए एक छात्रा ने बताया कि लॉज के कमरे में नीचे वेड बिछाकर सोने का भी किराया एक हजार रुपये प्रतिदिन मांग रहा है।

सही रेट कोई बताने को तैयार ही नहीं है। जैसा मानो कि होटल वाले और लाज वाले यह समझ रहे हैं कि कोई शेयर बाजार हो। ऐसे में जिला प्रशासन को इस पर एक्शन लेना चाहिए। कई परीक्षा केंद्रों पर अपना सामान रखने की जगह न होने के चलते भी छात्रों को पैसा देकर पास के दुकानों पर सामान रखना पड़ रहा है। तीन दिनों तक चलेगी शिक्षक भर्ती की परीक्षा आपको बता दें कि तीन दिनों तक चलने वाली शिक्षक भर्ती परीक्षा के लिए बिहार के कई अन्य जिलों का भी यही हाल बना हुआ है। रेलवे स्टेशन से बस स्टैंड तक छात्रों का भीड़ कुंभ मेला जैसा बना हुआ है। जिसे जहां-जगह मिल रही है, वहीं पर ठिकाना अपना बना ले रहा है। 1 लाख 75000 शिक्षक भर्ती के लिए 8 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी बिहार में शामिल हो रहे हैं। बेगूसराय में बीपीएससी के परीक्षार्थियों के लिए प्रथम पाली की परीक्षा में 27 परीक्षा केंद्र और द्वितीय पाली की परीक्षा में 19 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जहां लगभग 17 हजार के परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। सुबह की प्रथम पाली की परीक्षा 10 से 12:00 बजे तक जबकि द्वितीय पाली की परीक्षा 3:30 बजे से 5:30 तक होगी। परीक्षा केंद्रों पर जांच में सख्ती से हो रही है। मेटल डिटेक्टर के अलावा डिजिटल तरीके से भी चेकिंग हो रही है। कमरों और बेड की भी बोली लगाई जा रही है। ऑटो और ई रिक्शा वाले भी ज्यादा किराया वसूल रहे हैं। वही बेगूसराय बीपीएससी की परीक्षा देने आए छात्र ने बताया कि छात्रों का सेंटर थोड़ा दूर अगर है तो ऑटो और ई- रिक्शा वाले भी किराया ज्यादा मांग रहे हैं। मात्र दो से तीन किलोमीटर की दूरी परीक्षा केद्र का रहने पर भी एक छात्र से 50 से 60 रुपए किराया लिया जा रहा है और कोई भी कुछ कहने वाला नहीं है। छात्रों की मजबूरी का फायदा उठाया जा रहा है। कुछ बीपीएससी के छात्रों ने बताया कि हम लोग परीक्षा देने के लिए साथ में मात्र 1000 से 1500 घर से लेकर आए हैं। ऐसे में इतना महंगा किराया होटल का कहां से हम लोग दे पाएंगे।

चंद्रयान 3 की सफलता टीम में शामिल थे सारण के रजत

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी को जिला भाजपा के मुख्य प्रवक्ता धर्मेन्द्र सिंह चौहान के द्वारा रजत के बारे में बताया गया कि चन्द्रयान 3 के सफलता टीम में रजत भी है तो सांसद रूडी ने मुख्य प्रवक्ता धर्मेन्द्र सिंह चौहान के माध्यम से रजत सिंह के दादी चंद्रावती देवी, चाचा मनोज सिंह ,भोला सिंह एवं पूरे परिवार से सांसद रूडी ने इस कामयाबी के लिये रजत सिंह को बधाई देते हुए कहा कि रजत हमारे क्षेत्र सारण लोक सभा का नाम रौशन करते हुए राज्य ही नही देश का नाम रौशन किया है हमे गर्व है रजत पर। बता दे कि रजत सिंह के पिता की मृत्यु कोरोना काल मे हो गया था। उधर छपरा विधायक डॉ सी एन गुप्ता ने भी रजत के चन्द्रयान3 के सफलता टीम में शामिल रजत सिंह को बधाई देते हुए कहा कि आज सारण जिला का नाम रौशन हुआ है। मुख्य प्रवक्ता धर्मेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि सिताबदियारा सहित पूरे जिले में जश्न की माहौल बना हुआ है लोग मिठाई तो कही पटाखा ,गुलाल लगाकर खुशी मनाया जा रहा है। रजत सिंहः के दादा एवं दादी सहित पूरे परिवार ने बताया कि यह सभी लोगो का आशीर्वाद ही है कि आज रजत ऐसा कर दिखाया है। मुख्य प्रवक्ता धर्मेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि रजत के वर बधु स्वागत समारोह में 22 दिसम्बर 2020 में हम सभी भाजपा कार्यकर्ता उनके सिताबदियारा गांव में शामिल हुए थे ।बता दे कि भाजपा कार्यकर्ता मनोज सिंह के सगे भतीजा है ।परिवार से जानकारी प्राप्त कर बताया कि रजत सिंह चन्द्रयान 3 के सफलता टीम में लॉच टीम साइंस्टिस एस डी की पोस्ट पर टीम में थे ।

सिद्धि विनायक स्कूल कल्याणपुर के छात्रों ने चंद्रयान-3 बनाकर इसरो वैज्ञानिक को दिया बधाई

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर, समस्तीपुर। चंद्रयान 3 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग के अवसर पर सिद्धि विनायक इंटरनेशनल स्कूल, कल्याणपुर विभूतिपुर के छात्रों ने चंद्रयान 3 बना कर इसरो के वैज्ञानिकों और पूरे देशवासियों को इस सफलता पर बधाई दी है। इसे बनाने में रिक्की, अक्षिता, आस्था, सोनाक्षी, पल्लवी, अनुराधा, रिदा, सोनाली, शिवानी, गायत्री, वैष्णवी, आकृति, बसंत, मयंक, भावना, अंकित, रिचा, प्रांजल आदि ने भाग लिया। विद्यालय के निदेशक रमेश कुमार ठाकुर ने बताया कि बच्चो को इस तरह के आयोजन के लिए विद्यालय के शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जिला पंचायती राज पदाधिकारी ने किया कई योजनाओं का निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

नावकोठी, बेगूसराय। प्रखंड के विष्णुपुर में गुरूवार को पंचायती राज विभाग के पदाधिकारी के द्वारा विभिन्न संचालित योजनाओं का निरीक्षण किया गया। जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश प्रसाद सिन्हा ने बताया कि विष्णुपुर पंचायत के ग्राम प्रधान प्रभा देवी के द्वारा पंचायत में बेहतर कार्य हुआ है। उन्होंने इस दौरान नव निर्मित पंचायत सरकार भवन, विष्णुपुर कब्रिस्तान के चहारदीवारी मरम्मती कार्य, विष्णुपुर ईदगाह मैदान अवस्थित मुस्लिम सामुदायिक भवन के उन्नयन कार्य सहित लोहिया स्वच्छता अभियान के तहत बनाये गये डब्ल्यू पीयू भवन का बारीकी से निरीक्षण और मुआयना किया। उन्होंने कार्यों के गुणवत्ता को मानक प्राक्कलन के अनुरूप बतलाया।इस अवसर पर मुखिया प्रभा देवी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी निधि प्रिया, पंचायत सचिव सुनील सिंह, राम विनय सिंह, तकनीकी सहायक प्रवीण कुमार, मुखिया प्रतिनिधि अमरेश पोद्दार उर्फ टुनटुन, सरपंच प्रतिनिधि घूरन पासवान, चंद्रभूषण चौधरी, सुरेश पासवान, राजेंद्र महतो, वार्ड सदस्य अमित कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

शराब कारोबारी गिरफ्तार , न्यायायिक हिरासत में भेजा

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी खजौली थाना क्षेत्र के बेला कोठी चौक पर बुधवार को संध्या गश्ती के दौरान एएसआई मदन उराँव ने बाबूबरही थाना क्षेत्र के पिपराघाट वार्ड - 7 निवासी दीपक कुमार यादव को एक वाइक सहित 300 एमएल के 300 बोतल देशी नेपाली शराब के साथ गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायायिक हिरासत में भेज दिया गया. थानाध्यक्ष सुरेंद्र पासवान ने कहा कि गुप्त सूचना मिली कि एक शराब तस्कर अपने वाइक के पीछे सीट पर दो उजला प्लास्टिक बोरा में शराब को छिपाकर बांध कर मैनाटोल की ओर से बेला कोठी की तरफ से तेज रफ्तार में वाइक से आ रहा था. शराब कारोबारी को ज्यों ही पुलिस वाहन पर नजर पड़ने से शराब कारोबारी वाइक को धुमाकर भागने की प्रयास किया.लेकिन चौकिदार द्वारा शराब तस्कर को खदेड़ कर पकड़ लिया गया. वही वाइक पर शराब से लदे वाइक को जप्त कर शराब कारोबारी को गिरफ्तार कर थाना पर लाया गया , जिसे जेल भेज दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

चतुर्थवर्गीय कर्मी को बहाल किए जाने पर डीएम को दी बधाई

गया।जिला जनता दल यू के उपाध्यक्ष एवं जिला सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण के सदस्य जितेंद्र कुमार दास ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के केबिनेट में लिए गए निर्णय गया जिला के बेलागंज प्रखंड,टिकारी प्रखंड एवं डोभी प्रखंड में अनुसूचित जाति,जनजाति कल्याण विभाग द्वारा भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय के निर्माण का स्वागत किया है। श्री कुमार ने कहा सात सौ बीस बेड और 46;08 करोड़ की लागत वाले आवासीय विद्यालय निर्माण हो जाने से छात्राओं को काफी लाभ होगा। इस निर्णय को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं अनुसूचित जाति जनजाति कल्याण विभाग के मंत्री रत्नेश सदा,अनुसूचित जाति, जनजाति कल्याण विभाग के सचिव दिवेश सेहरा एवं जिला पदाधिकारी डॉ0 त्याग राजन एस एम को बधाई दिया है।

शिक्षक भर्ती के कारण जनता दरबार स्थगित

गया। शुक्रवार को आयोजित होने वाले जनता दरवार, कल 25 अगस्त 2023 (शुक्रवार) को बिहार लोक सेवा आयोग के तहत शिक्षक भर्त्ती परीक्षा रहने के कारण से जिला पदाधिकारी का जनता दरबार को स्थगित* रखा गया है। सभी को सूचित किया जाता है कि कल शुक्रवार अर्थात 25 अगस्त 2023 को जनता दरवार में न आवे।

ठनका गिरने से युवक की मौत

दाउदपुर थाना क्षेत्र के दुमदुमा गांव के बधार में ठनका गिरने से एक युवक की मौत हो गई। घटना उस वक्त की बतायी जा रही है जब दुमदुमा गांव निवासी स्व. जगा महतो का 30 वर्षीय पुत्र विनय कुमार महतो बुधवार की रात्रि शौच करने बधार में गये हुए थे। जहां ठनका गिरने से मौत हो गई।रात्रि में घर नही लौटने के बाद परिजन काफी खोज बिन किया लेकिन पता नही चला। सुबह में लोग बधार में गए तो वह खेत में पड़ा हुआ मिला। लोगो ने आनन-फानन में स्वास्थ्य केंद्र ले गये तो चिकित्सको ने देखते हीं मृत घोषित कर दिया ।इस घटना के बाद घर मे कोहराम मच गया। पत्नी अनिता देवी ,पुत्री चांदनी एव पुत्र चंदन का रो-रोकर बुरा हाल है। मालूम हो कि स्व. जगा महतो के दो पुत्रों में विनय सबसे छोटा था। रोज दाउदपुर बाजार पर पलदारी कर परिवार के भरण पोषण करता था। मालूम हो कि मृतक की माली हालत ठीक नही है। वही वृद्ध माता हिरामती कुँवर की रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगो ने मृतक की छपरा पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजन को सौंप दिया।

कुलपति ने किया स्नातकोत्तर सभी विभागों का औचक निरीक्षण

छपरा कार्यालय। पी जी द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा चल रही थी पी जी तृतीय सेमेस्टर के वर्ग का संचालन होना था।कुलपति ने औचक निरीक्षण के बाद बतलाया कि आज के औचक निरीक्षण में केवल तीन विभाग में वर्ग का संचालन हो रहा था।इतिहास विभाग,जन्तु विज्ञान विभाग और वाणिज्य विभाग में प्रथम सेमेस्टर और तृतीय सेमेस्टर के वर्ग का संचालन हो रहा था। कुलपति ने कहा कि जिन छात्रों की तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा कल समाप्त हुई वे छात्र भी आज से ही वर्ग में आकर अपनी पढाई प्रारंभ कर दिए।कुलपति ने कहा कि सभी विभागाध्यक्ष को निर्देश दिया जाता है कि विभाग में छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करें नहीं आने पर उनको अनुपस्थित किया जायेगा और उनको परीक्षा में नहीं बैठने दिया जायेगा।कुलपतिमहोदय ने कहा सभी अध्यक्ष एवं शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मी उपस्थित थे जो नहीं थे वे विधिवत अवकाश पर हैं।माननीयकुलपतिमहोदय ने कहा कि इसी प्रकार से बराबर औचक निरीक्षण होता रहेगा। जय कुलपति उर्दू विभाग में गये तो वहां पर पी एचडी वाइवा चल रहा था ।

प्राणप्रतिष्ठा के लिए की गयी जलभरी

पानापुर(सारण)प्रखंड के रामपुररुद्र गांव स्थित भगवती स्थान में प्राणप्रतिष्ठा के लिए गुरुवार को जलभरी की गयी।कलशयात्रा में शामिल होने के लिए सैकड़ों श्रद्धालु सुबह में ही देवीस्थान पर एकत्रित हो गए थे।रंगबिरंगे परिधानों में सजे श्रद्धालु माथे पर कलश लिए गाजे बाजे के साथ कोंध मथुराधाम घाट पहुँचे जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गंडक नदी में जलभरी कर वापस देवीस्थान लौटे । देवीस्थान में आचार्य अखिलेश शर्मा ,कृष्णबिहारी ओझा एवं पंडित ठाकुर तिवारी के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्राणप्रतिष्ठा की गयी .कलशयात्रा में वेदप्रकाश तिवारी ,पशुपतिनाथ ओझा , जीतेंद्र साह ,पुण्यदेव राय ,शिवजी सिंह ,अजीतनंदन सिंह ,सहित सैकड़ों श्रद्धालु शामिल थे।

नगर विधायक ने बिजली आपूर्ति समस्या को लेकर अधिक्षण अभियंता को दिए निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

गया पूर्व मंत्री सह नगर विधायक डॉ प्रेम कुमार ने जिले के किसानों को बिजली की हो रही समस्या के समाधान हेतु,जिला विद्युत कार्यालय में बैठक किया।जिसमें जिला के विद्युत अधिक्षण अभियंता,कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता सहित सभी वरीय अभियंता मौजूद रहे।किसानों कम बिजली मिलने से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के समक्ष काफी कठिनाई हो रही है। वर्षा नहीं होने के कारण लगाए गए धान की रोपनी जल के आभाव में सूखते जा रहे हैं।जिससे किसान बहोत ही परेशान हैं। दूसरी ओर बिजली विभाग द्वारा तय न्यूनतम 16 घंटे बिजली की आपूर्ति का दावा किया जा रहा है।जिसे किसानों ने नकारते हुए मात्र 5 से 6 घंटे बिजली की आपूर्ति होने की बात कही,उसमें भी लो वोल्टेज के कारण मोटर नही चल पाने के कारण सिंचाई कार्य वाधित हो रही है।इसके साथ ही साथ नल - जल योजना भी प्रभावित हो रहा है।जिससे पीने के पानी का भी संकट उत्पन्न हो गया है ।लेयर भाग जाने के कारण सभी चापाकल बंद हो गए है। जिससे पीने का पानी का भी संकट उत्पन्न हो गया है । लेयर भाग जाने के कारण सभी चापाकल बंद हो गए हैं ,जिससे पेयजल की समस्या विक्राल हो गई है। डॉ प्रेम कुमार द्वारा विभिन्न जानकारी मांगे जाने पर अधिक्षण अभियंता को बताया कि परैया में लोड बढ़ जाने के कारण तीन दिनों के अंदर नया ट्रांसफार्मर 3.15 डश्अ का लगाकर परैया प्रखंड में बिजली आपूर्ति नियमित कि जाएगी।गुरारू प्रखंड के संबंध में जानकारी ली गई एवं कोच्चि पंचायत में किसानों द्वारा झूलते तार,ट्रांसफार्मर, पोल एवं बढ़ते बिल सहित अन्य समस्याओं के संबंध में दिनांक 26 अगस्त दिन शनिवार को कैंप लगाकर बिजली संबंधित सभी समस्याओं का निराकरण करने का आश्वासन दी।साथ ही साथ जिले के विभिन्न प्रखंडों में कैंप लगाकर बिजली संबंधित समस्या के निवारण करने के लिए डॉ प्रेम कु० द्वारा कहने पर आश्वासन दिए की प्रत्येक माह के दूसरे शनिवार को कैंप लगाकर विद्युत समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया, डॉ कुमार ने मिक्स फीडर को कृषि फीडर से अलग करने के सुझाव पर बताया गया, कि आरडीएसएस योजना अंतर्गत सर्वे का काम अंतिम चरण में है । जो 25 अगस्त को पूरा कर लिया जाएगा।इस योजना की कुल लागत 350 करोड़ सिर्फ गया जिले के लिए है।जिले में पावर की मांग 375 मेगावाट है । डॉ कुमार ने पंडित दीनदयाल योजना की जानकारी ली वा मुख्यमंत्री कृषि बिजली संवत योजना की भी जानकारी ल जिसपे अधिक्षण अभियंता ने बताया, कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय योजना अंतर्गत जिले में 3000 कनेक्शन दिया गया था। जबकि मुख्यमंत्री कृषि बिजली संवत योजना के अंतर्गत कुल 4700 कनेक्शन दी गई है। अभियंता ने यह भी बताया कि 2025 तक कृषि वा घरेलू कनेक्शन को पूरी तरह अलग कर दिया जाएगा जिससे किसानों को पूरी तरह बिजली आपूर्ति हो और साथ ही लो वोल्टेज का भी समस्या दूर हो जाएगी। मौके पर धीरज रौनीयार,,अमित लोहानी,सुरेंद्र यादव,धीरू जी,रॉकी चंद्रवंशी,मुकेश चंद्रवंशी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय महिला परिषद् ने 6 बिहार बटालियन के जवानों को बांधा रक्षासूत्र

प्रात : किरण संवाददाता

गया। भाई-बहन के स्नेह भरे रिश्ते का पावन पर्व रक्षाबंधन के तहत अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद की महिला शाखा ह्य राष्ट्रीय महिला परिषद्ह्न द्वारा महिला परिषद् की जिलाध्यक्ष मधु शर्मा के नेतृत्व में ह्यदेश के जवानों की कलाइयों पर राष्ट्रीय महिला परिषद् के सदस्यों ने निगमा मॉनेस्ट्री में 6 बिहार बटालियन एनसीसी में रक्षाबंधनह्न कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय महिला परिषद् की बहनों ने कैम्प, 6 बिहार बटालियन के अधिकारियों एवं जवानों की कलाइयों पर रक्षासूत्र बाँधे। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय महिला परिषद् की मधु शर्मा ने 6 बिहार बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल एमके शुक्ला एवं सुबेदार मेजर अमलेन्दु मंडल सहित सभी अधिकारियों तथा जवानों की कलाइयों पर रक्षासूत्र बाँध कर किया।इस अवसर पर कमांडिंग ऑफिसर कर्नल एमके शुक्ला ने कहा कि आज महिला परिषद् की बहनों ने जवानों को राखी बांधी है।कुछ जवान जो रक्षाबंधन में घर नहीं जा पाते हैं,उन्हें यहां राखी बांधी गई है।उनको राखी बांधना सौभाग्य की बात है, सभी बहनों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं।राष्ट्रीय महिला परिषद् के सदस्यों ने देश की रक्षा में जुटे सभी सैनिक भाइयों की लंबी उम्र की कामना करते हुए विजय-तिलक लगाकर राखियाँ बाँधीं।मौके पर राष्ट्रीय महिला परिषद् की जिलाध्यक्ष मधु शर्मा ने कहा कि रंग-बिरंगी राखियों में हम बहनों की देश के वीर भाइयों के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ और गौरवपूर्ण भावनाएँ निहित हैं। ये भावनाएँ अनमोल हैं।राखियाँ बँधवाते समय सभी सैनिक भावविभोर दिख रहे थे।इस मौके पर जिलाध्यक्ष मधु शर्मा नीलम मिश्रा, अर्पण मिश्रा, सविता अग्रवाल, चांदनी कुमारी, विणा गिरी,श्वेता देवी, रोशनी कुमारी सहित अन्य मौजूद थे।

निगम की बैठक में विधायक द्वारा नगर के ज्वलंत समस्याओं को उठाया

प्रात : किरण संवाददाता

गया नगर निगम बोर्ड की बैठक में पूर्व मंत्री सह नगर विधायक डॉ प्रेम कुमार भी मौजूद रहे।नगर विधायक ने नगर निगम के कार्यों की प्रशंसा करते हुए नगर के विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई है। डॉ प्रेम कुमार ने कहा कि वार्ड के सदस्यों द्वारा गया के नागरिकों के लिए सफाई, पेयजल, स्ट्रीटलाइट,नाली सहित विकास कार्य में आप सभी का अहम योगदान है।आगे कई चुनौतियां हैं उसे हम सब मिलकर दूर करेगें।पितृ पक्ष मेला 2022 में भी नगर निगम गया के द्वारा बेहतर कार्य किए गए थे। पितृ पक्ष 2023 की भी बेहतर तैयारी हो रही है। पथ एवं बड़े नालों के निर्माण होना जरूरी है।उसका प्रस्ताव पारित कर राज्य सरकार को भेजा जाए।सभी पार्क,तालाबों,घाटों पर नियमित सफाई ,पेयजल, सुरक्षा जनसुविधा सुनिश्चित हो। स्लम बस्तियों में निवास कर रहे गरीबों को पक्की सड़कें नाली,पेयजल,रोशनी,सफाई की भी नियमित व्यवस्था हो।गया शहर के पुरानी गोदाम, हाते गोदाम,बस पड़ाव बाजार क्षेत्रों सहित सार्वजनिक स्थलों पर जनसुविधा बहाल की जाए।बुडको के द्वारा किए गए कार्यों से सभी पार्षद एवं आम जनता काफी परेशान हैं।इनके विरुद्ध एक प्रस्ताव पारित कर चेतावनी दें अन्यथा आंदोलन किया जाएगा।वार्ड 32 में वैकुंठशुक्ल पार्क में शहीद वैकुंठ शुक्ला का प्रतिमा का प्रस्ताव पारित किया जाए। सभी पार्षदों महापौर,उपमहापौर के भत्ते का बकाया राशि का अविलंब भुगतान हो एवं महापौर सभी पार्षदों के भत्ते की राशि में वृद्धि की जाए।जाम ,पार्किंग ,फुटपाथ,दुकानदारों के लिए बेडिंग जोन,लावारिस बेसहारा पशुओं के लिए समुचित कार्यवाही हो।स्वच्छता के साथ साथ वातावरण संतुलित करने हेतु सड़क के दोनों किनारे पौधा लगाया जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हृदय योजना,अमृत योजना केंद्र सरकार , राज्य सरकार एवं नगर निगम की राशि से विकास कार्य किए जा रहे हैं।इन योजनाओं का समुचित रख रखाव हो।करोड़ों खर्च से बने मुक्तिधाम, फाउंटन जो बंद पड़े हैं उन्हें शीघ्र चालू किया जाए।नई गाड़ी खरीदने के साथ साथ पुरानी गाड़ियों को बेहतर रख रखाव किया जाए।नगर निगम के कर्मचारियों की मुख्य समस्या भविष्य निधि खाते में करीब बीस वर्षों से राशि जमा नहीं होना,1996 से पंचम वेतनमान का बकाया एरियर,2006 से लागू वेतनमान का बकाया एरियर 2016 का लागू सप्तम वेतनमान नहीं चालू होना,सफाई कर्मचारियों के बकाया राशि के भुगतान हो ।जैसे विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु चर्चा किया गया है।

लूट कांड के दो आरोपी गिरफ्तार, एसएसपी ने प्रेस वार्ता कर किया खुलासा

प्रात : किरण संवाददाता

गया। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के चंद्रशेखर कॉलेज के समीप लूट कांड की वारदात को अंजाम देने वाला फरार चल रहे दो आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वही, इस संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक आशीष भारती ने प्रेसवार्ता कर खुलासा किया गया है। एसएसपी ने बताया कि वादी के द्वारा कोतवाली थाना में लिखित आवेदन दिया कि जब वो चंद्रशेखर कॉलेज आरा मशीन के पास में थे।तभी एक मोटरसाइकिल से दो अपराधकमी पहुंचे और उनका मोबाइल लेकर भागने लगे उसी क्रम में वादी ने उनका पीछा किया। इस दौरान भागने में अपराधकर्मी का मोटरसाइकिल बंद हो गया। इसके बाद एक अपराधकर्मी अंधेरे का फायदा उठाकर मोबाइल लेकर फरार हो गया। वही एक अपराधकर्मी को स्थानीय लोगों की सहायता से पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया गया है। वही, गिरफ्तार अपराधकर्मी की निशानदेही पर दूसरे अपराधकर्मी के घर पर छापामारी कर लूट गए मोबाइल को बरामद किया गया और अपराधकर्मी को गिरफ्तार किया गया है।उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों अपराधकर्मी की पहचान किया गया है। जिसमें सतीश कुमार, पिता-दिपु सिंह, रामधनपुर का निवासी है। जिसका पूर्व में भी विस्फोटक मामले में अपराधिक इतिहास रहा है। वही, दूसरे अपराधकर्मी की पहचान अभिषेक कुमार, पिता अरुण प्रसाद, दुखहरणी मंदिर का निवासी है। जिसका आपराधिक इतिहास खंगाला जा रही है। गिरफ्तार दोनों अपराधकर्मी के पास के एक मोटरसाइकिल व मोबाइल को बरामद किया गया है और अग्रेतर कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में भेजा दिया गया है।

डोरीगंज में नाविकों की बैठक संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

डोरीगंज । के राम जानकी मंदिर परिसर में आयोजित बैठक में शामिल नाविकों ने कहा कि जलकर लेकर पूर्व में भी नाव का परिचालन होता रहा है. आज भी हम सरकारी टैक्स देकर पूर्व की तरह नाव को चलाना चाहते हैं. प्रशासन और शासन नाविकों का दोहन और शोषण बंद करे.। बालू माफिया के नाम पर घाटों पर चाय नास्ता होटल वाले लोगों पर कहर जारी है. नाविकों को बालू माफिया कहा जा रहा है, वास्तविक बालू माफिया सरकारी अधिकारियों के साथ चाय नास्ता साथ मे बैठ कर करते है. हम सारण जिला प्रशासन से मांग करते हैं कि नाव का निबंधन करते हुए वैध तरीके से नाव परिचालन बाधित नहीं हो. नाव को डुबाने और जलाने की प्रक्रिया को प्रशासन बंद करे ।आज के इस कार्यक्रम में जनहित फाउंडेशन के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद राय, पूर्व मुखिया सुरेंद्र प्रसाद यादव, परमहंस राय , दिलीप कुमार राम, रामलखन राय, अवधेश राय, नकुल यादव, प्रभु राय, कुंकुम पंडा, मनोज चौधरी रामप्रकाश राय, शिव विनय कुमार, अशोक महतो दिलीप कुमार पांडेय ओमप्रकाश राय, रामजी राय, राम अवधेश राय, भोला राय, शंभू पासवान, चलाई महतो, मनोज कुमार, सरोज राय, शंकर राय, राकेश कुमार, जालेश्वर महतो, गुरु कुमार यादव मौजूद थे.।

सावन महोत्सव का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय।जय प्रकाश महिला महाविद्यालय में प्राचार्या प्रो मंजु कुमारी सिन्हा के सफल नेतृत्व में सावन महोत्सव का भव्य आयोजन चंचल कुमारी, (अंग्रेजी विभाग) एवं डॉ अलीना अली मलिक (उर्दू विभाग) के संयोजन में किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि प्रो पूनम सिंह, मनोविज्ञान विभाग अध्यक्ष, जय प्रकाश विश्वविद्यालय एवं प्राचार्या प्रो० मंजु कुमारी सिन्हा द्वारा द्वीप प्रज्जविलत कर के किया गया। प्राचार्या ने कार्यक्रम संयोजकों सभी शिक्षकों , शिक्षिकेतर कर्मचारियों एवं छात्राओं का अभिवादन किया। मुख्य अतिथि डॉङ्क पूनम सिंह ने सभी शिक्षकों एवम छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज का सावन महोत्सव चंद्रयान 3 के सफल प्रक्षेपण का उत्सव भी है, छात्र छात्राएं ही राष्ट्र का भविष्य हैं। विभिन्न सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रम में छात्राओ ने उत्साहपूर्ण प्रस्तुति दी तथा साथ ही साथ विभिन्न प्रकार के खाद्य व्यंजनों का स्टॉल लगाया। अंग्रजी विभाग की प्राध्यापिका डॉ विनीता सिंह ने लोकगीत एवं लोकनृत्य के महत्व पर वखायन दिया। मंच का संचालन चंचल कुमारी प्राध्यापिका अंग्रेजी विभाग ने किया। डॉ. सुप्रिया पाठक डॉ.रिंकी कुमारी कजरी गीत प्रस्तुत किया। मेंहदी में पिंकी प्रथम अंकिता द्वितीय और तृतीय पुरूस्कार गुल अफशां को मिला ।पेंटिंग में शालू प्रथम, मनीषा द्वितीय, तथा निशा तृतीय पुरूस्कार मिला। कजरी नृत्य में साथी ग्रुप को प्रथम पुरुस्कार, शिखा को द्वितीय पुरुष्कार तृतीय स्थान श्रृष्टि,सुहानी प्रीति,को मिला, ग्रीन क्राफ्ट में निशा प्रथम,अंजली द्वितीय, जुली तृतीय पुरूस्कार प्रदान किया गया।पूरा महाविद्यालय परिसर उमंग एवं उल्लास से शराबोर था। डॉ० अंबिका श्रीवास्तव, डॉङ्क शबाना परवीन मल्लिक, डॉ शिखा सिन्हा, डॉङ्क रिंकी सिंह, डॉ नीतू सिंह, आदि मौजूद थी।

चंद्रयान-3 मिशन की सफलता पर आयोजित हुआ व्याख्यान

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। अकादमिक मण्डल, राजेन्द्र कॉलेज के तत्वावधान में इसरो के चंद्रायन-3 की ऐतिहासिक सफलता को ध्यान में रखते हुए एक व्याख्यान का आयोजन हुआ जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्राध्यापकगण एवं समस्त अध्यापकों सहित विद्यार्थियों की बहुसंख्यक उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का प्रारंभ एकेडमिक मंडल के अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार के द्वारा स्वागत वक्तव्य एवं विषय प्रवर्तन के साथ हुआ इस दौरान उन्होंने इसरो के चंद्रायन -3 मिशन को न केवल भारतवर्ष के लिए बल्कि वैश्विक अंतरिक्ष विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव बताया। प्राचार्य डॉ सुशील कुमार श्रीवास्तव ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में चांद पर भारत की उपस्थिति दर्ज होना एक अत्यंत गौरवशाली क्षण एवं घटना के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि पूरे विश्व के लिए मिल का पत्थर है। उन्होंने इसरो के वैज्ञानिकों को इसके लिए बहुत-बहुत बधाई एवं मंगलकामनाएं प्रेषित कीं। विषय विशेषज्ञ के रूप में भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ अनुपम कुमार सिंह एवं भौतिक शास्त्र विभाग के सहायक अध्यापक डॉ रवि प्रकाश नाथ त्रिपाठी ने चांद एवं इस मिशन से संबंधित तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने अपने वक्तव्य एवं ओवरहेड प्रोजेक्टर के सहारे विभिन्न स्लाइड्स में बनाए गए डायग्राम एवं वीडियो के सहारे विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी प्रदान की। डॉ अनुपम कुमार सिंह ने चांद के तीन लेयर के संबंध में जानकारी दी इसी क्रम में उन्होंने चांद की रचना प्रक्रिया के संबंध में वैज्ञानिक धारणाओं पर वीडियो के सहारे जानकारी प्रस्तुत की साथ उन्होंने इसरो के द्वारा प्रक्षेपित चंद्रयान-1, चंद्रयान 2 एवं चंद्रयान 3 के संबंध में क्रमशः विस्तृत जानकारी दी विशेष रूप से चंद्रयान 3 की सफलता को उन्होंने इतिहास में दर्ज होने वाला एक विशिष्ट घटनाक्रम बताया और इसका खास पहलू उन्होंने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग को बताया क्योंकि वह चांद का एक ऐसा हिस्सा है जिसमें विशाल पहाड़, गड्ढे एवं अंधेरा इत्यादि विषम परिस्थितियां हैं उसके बावजूद भी भारत के वैज्ञानिको ने यह साहस किया और उसमें सफलता अर्जित की। विषय विशेषज्ञ डॉ डॉ. रवि प्रकाश नाथ त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में इसरो के प्रथम अध्यक्ष डॉ. विक्रम साराभाई के समय में शुरू हुए अंतरिक्ष कार्यक्रम से लेकर अब तक के सफर को उपलब्धियों से भरा हुआ बताया।

कम्प्यूटर ने विज्ञान तकनीकी शिक्षा और समाज के क्षेत्र में काफी विकाश किया है : शाखा प्रबंधक

प्रात : किरण संवाददाता

अमनौर(सारण)स्थानीय प्रखण्ड के अमनौर हरनारायण बजरंग चौक स्थित नई परिवर्तन अमनौर के तत्वधान में गुरुवार की सँध्या कौशल बिकाश योजना के तहत निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन सह प्रमाण पत्र बितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसका उद्घाटन जिला विकास प्रबंधन अंशुमाला ने दीप प्रज्वलित कर किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्था के सचिव शैलेन्द्र कुमार सिंह उर्फ डिक सिंह ने आये अतिथियों को अंगवस्त्र प्रदान कर समानित किया।तीन माह तक निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण दी गई थी।जिसमे सफल विद्यार्थियों के बीच मुख्यअतिथि एस बी आई के शाखा प्रबंधक कृष्ण मुरारी कर्ण ने अपने हाथों छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र बितरण कर पुरस्कृत किया।इन्होंने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कम्प्यूटर काफी तरह के कार्यो में गति और एकाग्रता से समय व धन की बचत करने में काम आता है।कम्प्यूटर ने विज्ञान तकनीकी शिक्षा और समाज के क्षेत्र में काफी बिकाश किया है।आज के समय मे कम्प्यूटर दक्ष बिना ज्ञान अधूरा है।इस मौके पर बीरेन्द्र तिवारी शिक्षक आलोक सिंह,पुष्प ज्योति शुशीला अमर कुमार यादव समेत छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

सांसद ने किया बेबसाईट का लॉन्चिंग

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। सारण जिला क्रिकेट संघ का वेबसाइट का लॉन्चिंग सारण के सांसद राजीव प्रताप रूढ़ी के द्वारा किया गया। स्थानीय जन्नत विवाह भवन में इस कार्यक्रम में सारन जिला क्रिकेट संघ ने वॉलीबॉल के अंतरराष्ट्रीय कोच प्रमोद कुमार सिंह को राजीव प्रताप रूडी भाजपा के जिला अध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह के हाथों सम्मानित किया गया ।इसके अलावा क्रिकेट के क्षेत्र में अंडर-19 के अनूप कुमार एवं हर्षित सिंह को भी सम्मानित किया गया ।इस मौके पर राजीव प्रताप रूडी को संघ के अध्यक्ष एवं संयुक्त सचिव अनु सिंह एवं चंदन शर्मा ने मोमेंटो और शॉल देकर सम्मानित किया ।उद्घाटन भाषण संघ की अध्यक्ष इंदु कुमारी उर्फ अनु सिंह ने दिया धन्यवाद ज्ञापन संघ के खेल प्रतिनिधि डॉ संजीव सिंह ने किया। इस अवसर पर सांसद राजीव प्रताप रूढ़ी ने संघ को आश्वासन दिया कि हर अच्छे क्लब को संघ के माध्यम से क्रिकेट खेलने के लिए क्रिकेट कीट एवं क्रिकेट पिच उपलब्ध कराई जाएगी एवं प्रेक्टिस पिच बनवाने की भी बात राजीव प्रताप रूडी ने की मंच का संचालन विभूति नारायण शर्मा एवं डॉ सुरेश प्रसाद सिंह ने की । भारतीय जनता पार्टी के ज़िला अध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह जी को शॉल देकर पॉल इस्माइल ने सम्मानित किया एव सारण जिला क्रिकेट संघ की कोषाध्यक्ष नीलम कुमारी ने प्रमुख राहुल राज को शॉल देकर सम्मानित किया एव भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश उपाध्याय के संघ के पूर्व अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने सम्मानित किया । इस अवसर पर रविंद्र कुमार यादव राजू नयन शर्मा राजेश फैशन अनिल कुमार सिंह सुनील कुमार सिंह विपिन कुमार सिंह संजय कुमार सिंह कैसर अनवर राजेश राय मनीष मिश्रा आलोक राज मोनू अमिताभ कुमार केदारनाथ सिंह विनय शर्मा अमित सिंह ऋतिक रतन आदित्य राज मोनू और कुछ क्लब के खिलाड़ी एवं पदाधिकारी भी मौजूद थे। इसकी जानकारी सारण जिला क्रिकेट संघ की अध्यक्ष श्रीमती इन्दु कुमारी उर्फ अनु सिंह ने दी।

प्रभुनाथ महाविद्यालय में होने लगा वर्ग संचालन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा प्रभुनाथ महाविद्यालय परसा सारण में प्रति दिन समय-सारणी के द्वारा वर्ग संचालन किया जा रहा है। प्रतिदिन 6 क्लास छात्र/छात्राओं आयोजित किया जा रहा है जिसमें विज्ञान संकाय एवं कला संकाय के वर्ग संचालन हेतु साउंड सिस्टम एवं घंटी के द्वारा सूचना दिया जा रहा है। सभी प्राध्यापकों का मोबाइल नंबर भी सूचना पट्ट पर लगाया गया है ताकि छात्रों को किसी प्रकार का परेशानी नहीं हो सकें। महाविद्यालय के प्रख्यात विद्वान जे.एन.यू. से पी. एच.डी. उपाधि प्राप्त प्राध्यापक डॉ संजय कुमार सिंह, डॉ शमीम, प्रो संजय कुमार सिंह, दीपा मुखर्जी, डॉ सौरभ भट्टाचार्या,डॉ अनिल कुमार, डॉ विकास रंजन,एन आई आई टी, एवं डॉ यूं एन झा, डॉ इंदू कुमारी आदि ग्रामीण इलाकों के छात्र/छात्राओं को एक दिशा देने का कार्य कर रहे हैं । आने वाले समय में यहां के पढ़े हुए छात्र सफलता के उच्च स्तर को प्राप्त करने में सक्षम होंगे। प्राचार्य डॉ पुष्पराज गौतम के नेतृत्व में साउंड सिस्टम के द्वारा संजय कुमार राय सभी छात्र/छात्राओं सूचित करते है कि 75% उपस्थिति नहीं होने पर छात्र का नाम कांट दिया जाएगा।

जलभरी में जुड़े सैकड़ो श्रद्धालु किया नगर भ्रमण

प्रात : किरण संवाददाता

रिविलगंज बाजार स्थित श्री राम जानकी मंदिर पक्की ठाकुर बारी, अखाड़ा नंबर एक के प्रांगण में शिव परिवार एवं मां दुर्गा जी का प्राण प्रतिष्ठा के लिए गुरुवार को धूमधाम से जल भरी एवं नगर भ्रमण यात्रा निकाली गई। बैंड बाजा, डीजे और रथ पर स्थापित प्रतिमायों के साथ रंगबिरंगे झंडे लिए सैंकड़ों भक्त जयकारे लगाते जलभरी यात्रा में शामिल हुए।रंगबिरंग के परिधान पहने महिला एवं पुरुष श्रद्धालु हाथों में कलश लिए जयकारे लगाते हुए कलशयात्रा में शामिल हुए।रिविलगंज बाजार स्थित श्री राम जानकी मंदिर,पक्की ठाकुरबाड़ी से जलभरी कलशयात्रा चलकर विजय राय के टोला बाबा ऊझंखनाथ करियावा मंदिर सरयू नदी तट पर पहुंचकर पुरोहितों के मंत्रोच्चारण और पूजा के उपरांत कलश में जल भर कर फिर जयकारे लगाते श्री राम जानकी मंदिर पहुंचे और कलश स्थापित किए। जलभरी कलशयात्रा में नगर भ्रमण के दौरान बैंड बाजा एवं डीजे के धार्मिक धुन पर जयकारे लगाते सैंकड़ों महिला,पुरूष श्रद्धालु शामिल हुए।आज जलभरी सह नगर भ्रमण के साथ शिव परिवार एवं मां दुर्गा जी की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम शुरू हो गया।25 अगस्त शुक्रवार को श्री दुर्गा जी मुर्ति का प्राण प्रतिष्ठा किया जाएगा।26 अगस्त शनिवार को रामायण पाठ एवं 28 अगस्त सोमवार को शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा और 29 अगस्त मंगलवार को हवन, पूणार्हुति एवं भंडारा के साथ धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण होगा। श्री राम जानकी मंदिर पक्की ठाकुरबाड़ी अखाड़ा नंबर एक गौतम स्थान,रिविलगंज में आयोजित शिव परिवार एवं मां दुर्गा जी प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रिविलगंज बाजार, नगर पंचायत क्षेत्र और समस्त ग्रामीण जनता तन,मन और धन से लगे हुए हैं।

सम्पादकीय

इसरो की अंतरिक्ष आर्थिकी

इसरो अपनी स्थापना के करीब 61 सालों में भारतीय अंतरिक्ष गतिविधियों का सूत्रधार रहा है। यदि आज दुनिया भर में चंद्रयान-3 की चर्चा है और वह कौतुहल-सा बना है, तो उसमें इसरो के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और तमाम इकाइयों की अनथक मेहनत और अत्याधुनिक विज्ञानी तथा प्रौद्योगिकीय मेधा का ही योगदान है। केंद्रीय अंतरिक्ष विज्ञान मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने एक साक्षात्कार में खुलासा किया था कि हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम अर्थव्यवस्था के विस्तार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, लेकिन इसरो के सीमित आर्थिक संसाधनों की भी चर्चा की जानी चाहिए। इसरो से अपेक्षाएं हैं कि वह 100 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था का आधार बने, लेकिन अमरीका, रूस, चीन, जापान आदि देशों की तुलना में इसरो के संसाधन ऊंट के मुंह में जीरा समान हैं। यदि अमरीका में नासा का बजट 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक है, तो इसरो का बजट 2023-24 में 12,544 करोड़ रुपए तय किया गया था। लक्ष्य एक समान हैं कि चांद पर पांव रखें। सूर्य का मिशन आदित्य एल-1 कामयाब रहे और ह्यगगनयान के जरिए मानव को अंतरिक्ष की सैर कराई जाए। हालांकि यह कैसे और कब संभव होगा, रोबोट पर परीक्षण करने के बाद ही इसरो और उसके वैज्ञानिक किसी निष्कर्ष पर पहुंच सकेंगे। बहरहाल इसरो के बजट का संदर्भ है, तो पहला सवाल यह किया जा सकता है कि 2022-23 के बजटीय आवंटन से करीब 8 फीसदी कम क्यों किया गया? हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। आजकल प्रधानमंत्री मोदी ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के दावे करने लगे हैं। भारत सरकार का लक्ष्य है कि इसरो विश्व की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में देश की हिस्सेदारी बढ़ाए। फिलहाल यह मात्र 2 फीसदी है, लेकिन बजट को लेकर सरकार की चिंता गंभीर नहीं है। वित्त वर्ष 2021-22 में भी बजट 12,474 करोड़ रुपए था। आखिर यह ठहराव-सा क्यों है?

अर्थव्यवस्था का संदर्भ है, तो आज करीब 150 निजी स्टार्टअप अंतरिक्ष गतिविधियों को लेकर काम कर रहे हैं। वे इसरो की विज्ञानी एवं प्रौद्योगिकी विशेषज्ञताओं के साथ-साथ उसके बुनियादी ढांचे और डाटा का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। क्या इन गतिविधियों से हमारी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा नहीं मिलता? वैसे अंतरिक्ष गतिविधियों की हमारी अपनी सरकारी विरासत भी है, जिसके तहत पीएसएलवी, जीएसएलवी, एसएसएलवी के जरिए भारत सेटेलाइट लॉन्च करता रहा है। यह इसरो की रोजी-रोटी भी है। भारत जुलाई, 2023 तक 36 देशों के 431 सेटेलाइट्स को अंतरिक्ष में भेज चुका है। इस काम के जरिए हमने जुलाई, 2022 तक 22.30 करोड़ डॉलर कमाए हैं। भारत दुनिया के 10 देशों में एक है, जो रॉकेट लॉन्च करने में सक्षम है। हम 15 शीर्ष देशों में सम्मिलित देश हैं, जिसके अनेक उपग्रह अंतरिक्ष की विभिन्न कक्षाओं में स्थित हैं, लेकिन वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी मात्र 2 फीसदी है। भारत का लक्ष्य दशक के अंत तक 9 फीसदी का है। एक अंतरराष्ट्रीय कंपनी का आकलन है कि 2040 तक भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 40 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। यही नहीं, भारत की क्षमता 100 अरब डॉलर की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था तक पहुंचने की है, लेकिन उसमें सरकार का सहयोग और समर्थन बेहद जरूरी है। उसके लिए इसरो का पर्याप्त बजट और वैज्ञानिक भी बेहद अनिवार्य हैं, ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम में भी नवाचार किया जा रहा है। वह परिवर्तनकारी है, सिर्फ गिनती के तौर पर विस्तार नहीं पा रहा है। सालों गुजर गए हैं, लेकिन इसरो अपने श्रम-बल और कार्यबल को बढ़ा कर ताकतवर नहीं बना सका है, क्योंकि उसके आर्थिक संसाधन सीमित हैं। यह भी गौरतलब तथ्य है कि अंतरिक्ष कार्यक्रमों और विज्ञान पर पीएचडी करने वाले शोधार्थियों का गिनती भी लगातार घट रही है। यदि ऐसे ही रुझान मौजूद रहे, तो हम महत्वाकांक्षी मिशन को कामयाबी के साथ पूरा करने में नाकाम रहेंगे और अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समन्वय भी हासिल नहीं कर सकेंगे। चंद्रयान-3 के ऐतिहासिक अवसर पर कमोबेश प्रधानमंत्री और कैबिनेट को गंभीर मंथन जरूर करना चाहिए। अंतरिक्ष अनुसंधान पर हमारा कुल खर्च अन्य देशों की तुलना में बहुत कम है, इसलिए इसे बढ़ाया जाना चाहिए।

चाँद से मैं भारत बोल रहा हूँ

डॉ. पवन सिंह मलिक

लगभग 41 दिनों की अद्भुत व अविस्मरणीय यात्रा के बाद, 23 अगस्त 2023 का दिन, 140 करोड़ दिलों की धड़कने और दुनियाभर की नजरें जिस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही थी. आखिरकार वो पल आ ही गया और जब हमारे चंद्रयान-3 ने चाँद के साउथ पोल पर सफल लैंडिंग कर विश्वपटल पर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। इस शुभ लैंडिंग से पूरा देश उत्साह व ऊर्जा से सराबोर है. हमारे वैज्ञानिकों ने पूरे देश को गौरवान्वित करने का एक ओर मौका दिया है, इस सफलता के लिए इसरो के सभी वैज्ञानिकों, कर्मचारियों के अथक परिश्रम को कोटि-कोटि साधुवाद एवं बधाई। अब से चाँद पर भी अशोक स्तंभ के रूप में भारत की छाप स्थापित हो गयी है.

चंद्रयान-3 मिशन के उद्देश्यः इसरो ने चंद्रयान-3 मिशन के लिए तीन मुख्य उद्देश्य निर्धारित किए थे. पहला लैंडर की चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग कराना। दूसरा चंद्रमा पर रोवर की विचरण क्षमताओं का अवलोकन और प्रदर्शन और तीसरा चंद्रमा की संरचना को बेहतर ढंग से समझने और उसके विज्ञान को अभ्यास में लाने के लिए चंद्रमा की सतह पर उपलब्ध रासायनिक और प्राकृतिक तत्वों, मिट्टी, पानी आदि पर वैज्ञानिक प्रयोग करना। इस पूरी यात्रा में चंद्रयान-3 ने अपने इन तीनों उद्देश्यों को बखूबी पूरा किया है. आगे आने वाले समय में शायद चंद्रयान-3 से हमें ऐसी अनेकों जानकारियां मिल सकती हैं, जिसके बारे में अभी सोच पाना मुश्किल है

चंद्रयान -3 की यात्रा आसान नहीं थीः लगभग 615 करोड़ रुपय की लागत से बने और 14 जुलाई को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से यात्रा शुरू करने वाले चंद्रयान-3 के पूरे सफर ने पहले दिन से प्रत्येक भारतीय को अपने से जोड़े रखा और दुनियाभर से करोड़ों लोग टकटकी लगाए इस यात्रा से लगातार जुड़े रहे. इसरो ने पृथ्वी से दूर कई बार चंद्रयान-3 की कक्षाएं बदली थी. पृथ्वी की अलग-अलग कक्षाओं में परिक्रमा करते हुए एक अगस्त को स्लिंगशाट के बाद पृथ्वी की कक्षा छोड़कर यान चंद्रमा की कक्षा की ओर बढ़ा था. पांच अगस्त को इसने चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश किया। छह अगस्त को पहली बार कक्षा बदली। इसके बाद नौ, चौदह और सोलह अगस्त को कक्षाओं में बदलाव कर यह चंद्रमा के और नजदीक पहुंचा। सत्रह अगस्त को चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल और लैंडर मॉड्यूल अलग-अलग हो गए और लैंडर मॉड्यूल चंद्रमा की सतह की ओर बढ़ा. 18 और 19 अगस्त को दो बार डीबूस्टिंग (धीमा करने की प्रक्रिया) के बाद लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान) से युक्त लैंडर मॉड्यूल चाँद की सबसे करीबी कक्षा में पंहुचा और इस असंभव लगने वाली चंद्रयान-3 की यात्रा को आखिरकार हमने चुनौतियों के बावजूद भी पूरा कर लिया। बीच- बीच में कई बार दिलों की धड़कने तेज भी हुई और डर भी लगा, लेकिन अंत भला तो सब भला.

साउथ पोल पर होने के मायनेः भारत साउथ पोल पर पहुँचने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है. साउथ पोल से भारत को ऐसी सब जानकारियां मिल सकती है, जो वहां पर जीवन की संभावनाओं और अन्य संबंधित क्षेत्रों से जुड़ी संभावनाओं को ओर अधिक गति प्रदान करेगा। साउथ पोल पर पानी की सम्भावना की तलाश का मतलब होगा एक नई जिंदगी। इससे मंगल पर जाने के लिए चंद्रमा पर उतरकर फ्यूल ले सकेंगे। हाइड्रोजन झ्र ऑक्सीजन मिलकर स्वच्छ राकेट फ्यूल बना सकते हैं, इससे पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में तोड़ा जा सकता है. साउथ पोल पर कीमती धातुओं के रूप में सोना, प्लेटिनमम, टाइटेनियम और यूरेनियम होने की संभावना है. वहां पर बड़ी मात्रा में नॉन रेडिओएक्टिव हीलियम गैस और इलेक्ट्रॉनिक्स बनाने में काम आने वाली धातुएं भी मिल सकती है. चंद्रमा पर बर्फ के अणुओं का अध्ययन, चंद्रमा की सतह से अंतरिक्ष के अध्ययन की संभावना तलाशना, मिट्टी व प्राकृतिक संसाधनों का अध्ययन ऐसी अनेक संभावनाओं का भविष्य में पता चल सकता है.

स्पेस में बढ़ता भारत का वर्चस्वः स्पेस मार्किट में भारत के लिए संभावनाएं पहले से अधिक बढ़ गई है. अंतरिक्ष में भी पूरी दुनिया आज भारत का लोहा मानने लगी है. अब भारत ने स्पेस में अमेरिका सहित कई बड़े देशों का एकाधिकार तोड़ा है. पूरी दुनिया में सैटेलाइट के माध्यम से टेलीविजन प्रसारण, मौसम की भविष्यवाणी और दूरसंचार का क्षेत्र बहुत तेज गति से बढ़ रहा है और चूंकि ये सभी सुविधाएं उपग्रहों के माध्यम से संचालित होती हैं, इसलिए संचार उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित करने की मांग में बढ़ोतरी हो रही है. हालांकि इस क्षेत्र में चीन, रूस, जापान आदि देश प्रतिस्पर्धा में है, लेकिन यह बाजार इतनी तेजी से बढ़ रहा है कि यह मांग उनके सहारे पूरी नहीं की जा सकती।

चंद्रमा पर भारतीय तिरंगा

नरेन्द्र मोदी सरकार के प्रयासों से संकल्प सिद्ध हो रहे हैं। इसके पहले करोना की दो वैक्सीन बना कर भारत ने अपनी प्रतिभा का दुनिया को प्रमाण दिया था। सैकड़ों देशों तक भारतीय वैक्सीन पहुंची थी। पिछले दिनों अमृत रेलवे-स्टेशन निर्माण कार्य का शुभारंभ हुआ था। डिजिटल अभियान में भारत की प्रगति शानदार है। यह सब अमृत काल की गरिमा बढ़ा रहे हैं। इसी अवधि में भारत जी-20 का अध्यक्ष बना। दुनिया भारत के विचारों से परिचित हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी इस समय दक्षिण एशिया में हैं। उन्होंने चन्द्रयान की चन्द्र यात्रा का सजीव प्रसारण दक्षिण अफ्रीका से देखा। वहीं से राष्ट्र को संबोधित किया और कहा कि भारत की इस उपलब्धि से दुनिया भी लाभान्वित होगी। पहले अभियान की विफलता पर मोदी ने ही वैज्ञानिकों का हौसला बढ़ाया था। उन्होंने कहा था कि हमारे संस्कार, हमारा चिंतन, हमारी सोच, इस बात से भरी पड़ी है, जो हमें कहते हैं- वयं अमृतस्य पुत्राः। हम अमृत की संतान हैं, जिसके साथ अमरत्व जुड़ा हुआ रहता है। अमृत के संतान के लिए न कोई रुकावट है, ना हो कोई निराशा।

डॉ दिलीप अग्निहोत्री
लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

नए भारत की विकास यात्रा में चन्द्रयान का सफल अभियान भी शामिल हुआ। आत्मनिर्भर भारत का यह अभूतपूर्व अध्याय है। नरेन्द्र मोदी सरकार के प्रयासों से संकल्प सिद्ध हो रहे हैं। इसके पहले करोना की दो वैक्सीन बना कर भारत ने अपनी प्रतिभा का दुनिया को प्रमाण दिया था। सैकड़ों देशों तक भारतीय वैक्सीन पहुंची थी। पिछले दिनों अमृत रेलवे-स्टेशन निर्माण कार्य का शुभारंभ हुआ था। डिजिटल अभियान में भारत की प्रगति शानदार है। यह सब अमृत काल की गरिमा बढ़ा रहे हैं। इसी अवधि में भारत जी-20 का अध्यक्ष बना। दुनिया भारत के विचारों से परिचित हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी इस समय दक्षिण एशिया में हैं। उन्होंने चन्द्रयान की चन्द्र यात्रा का सजीव प्रसारण दक्षिण अफ्रीका से देखा। वहीं से राष्ट्र को संबोधित किया और कहा कि भारत की इस उपलब्धि से दुनिया भी लाभान्वित होगी। पहले अभियान की विफलता पर मोदी ने ही वैज्ञानिकों का हौसला बढ़ाया था।

उन्होंने कहा था कि हमारे संस्कार, हमारा चिंतन, हमारी सोच, इस बात से भरी पड़ी है, जो हमें कहते हैं- वयं अमृतस्य पुत्राः। हम अमृत की संतान हैं, जिसके साथ अमरत्व जुड़ा हुआ रहता है। अमृत के संतान के लिए न कोई रुकावट है, ना हो कोई निराशा। हमें पीछे मुड़कर निराशा की तरफ नहीं देखना है, हमें सबक लेना है, सीखना है, आगे ही बढ़ते जाना है और लक्ष्य की प्राप्ति तक रुकना नहीं है। हम निश्चित रूप से सफल होंगे। मिशन के अगले प्रयास में भी और उसके बाद के हर प्रयास में कामयाबी हमारे साथ होगी। 21वीं सदी में भारत के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने से पहले हमें कोई भी क्षणिक बाधा रोक नहीं सकती। उनका कथन सत्य साबित हुआ।

चंद्रयान 3 की सफलता पर मोदी ने देश के वैज्ञानिकों की जमकर तारीफ की है। चंद्रयान-3 की चांद पर सफलतापूर्वक लैंडिंग होते ही प्रधानमंत्री मोदी ने तिरंगा लहराया। उन्होंने कहा कि जब हम ऐसे ऐतिहासिक क्षण देखते हैं तो हमें बहुत गर्व होता है। ये नए भारत का सूर्योदय है। हमने धरती पर संकल्प किया और चांद पर उसे साकार किया। भारत अब चंद्रमा पर है। ये क्षण मुश्किलों के महासागर को पार करने जैसा है। ये क्षण जीत के चंद्रपथ पर चलने का है। ये क्षण 140 करोड़ धड़कनों के सामर्थ्य का है। ये भारत में नई ऊर्जा, नई चेतना का है। अमृतकाल की प्रथम प्रभा में सफलता की ये अमृतवर्षा हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमने धरती पर संकल्प लिया और चांद पर उसे साकार किया। अब हम चांद पर हैं। जब हम अपनी आंखों के सामने इतिहास बनते देखते हैं तो जीवन धन्य हो जाता है। यह पल विकसित भारत के शंखनाद का है। इससे पहले कोई भी देश चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव तक नहीं पहुंचा है।

हमारे वैज्ञानिकों की मेहनत से हम वहां तक पहुंचे हैं। भारत का सफल चंद्रमा मिशन अकेले भारत का नहीं है। यह सफलता पूरी मानवता की है। प्रधानमंत्री मोदी ने नए भारत का रोडमैप बनाया था। जिसमें भारत को विकसित देशों की श्रेणी में पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। अंतरिक्ष क्षेत्र में क्षमता का वाणिज्यिक रूप से उपयोग के लिए न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड नाम से नए सार्वजनिक उपक्रम का गठन किया गया है, इसका मकसद इसरो के लाभ का पूरा उपयोग करना है। यह संकल्प सिद्ध हुआ। भारतीय चन्द्रयान सफलता के साथ चंद्रमा की सतह पर पहुँचा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के न्यू इंडिया विजन में विकास और लोक कल्याण का समावेश है। भारत को विकसित बनाने का संकल्प है। संकल्प को सिद्ध करने की इच्छाशक्ति है। उनकी नौ वर्ष की यह यात्रा यही प्रमाणित करती है। भारत के वैज्ञानिकों ने दो-दो वैक्सीन का निर्माण करके दुनिया को चौंका दिया था। दुनिया में भारत की प्रशंसा हो रही थी। ब्राजील के राष्ट्रपति ने तो हनुमान जी द्वारा संजीवनी लाने के प्रसंग से इसकी तुलना की थी। सैकड़ों देश भारत से कोरोना लेने की लाइन में लग गए। लेकिन भारत का विपक्ष इस राष्ट्रीय गौरव से अलग रहा। उसके लिए यह भी मोदी विरोध का अवसर था। दूसरी तरफ विपक्ष के गठबंधन ने शब्दों के जुगाड़ से अपने लिए इंडिया नाम गढ़ लिया है। लेकिन उनकी कल्पना के इस इंडिया में विकास की कोई बात नहीं होती। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित बनने की दिशा में अग्रसर है। इसकी कार्ययोजना पर कार्य प्रगति पर है। इस नये भारत का रेलवे भी नया है, क्योंकि रेलवे में विकास की दृष्टि से भी नौ साल बेमिसाल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा भी कि भारत विकसित होने के लक्ष्य की तरफ कदम बढ़ा रहा है। इसमें रेलवे का विकास का शामिल है। सरकार ने स्टेशनों को शहर और राज्यों की पहचान से जोड़ने के लिए वन स्टेशन,वन प्रॉडक्ट योजना भी शुरू की है। इससे पूरे इलाके के लोगों, कामगारों और कारीगरों को लाभ होगा। जिले की ब्रांडिंग भी अमृत रेलवे स्टेशन विरासत के प्रति गर्व की अनुभूति कराने वाले होंगे। इन स्टेशनों में देश की संस्कृति और स्थानीय विरासत की झलक दिखेगी। देश के विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों और तीर्थ स्थानों को जोड़ने के लिए इन दिनों देश में भारत गौरव यात्रा ट्रेन और भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन भी चल रही है। रेलवे का कायाकल्प हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व कल्याण के दृष्टिगत दुनिया को भारतीय विरासत से परिचित करा रहे हैं। उनके प्रयासों से अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। योग प्रत्येक व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य हेतु बहुत उपयोगी है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ऐसे हो मानवीय तथ्यों को दुनिया में स्थापित कर रहा है। दुनिया में शांति और सौहार्द्र की अभिलाषा रखने वालों को भारतीय विरासत में ही समाधान दिखाई दे रहा है। अन्य कोई विकल्प है भी नहीं। यह विषय दुनिया को युद्ध मुक्त करने तक ही सीमित नहीं है। भारत ने पृथ्वी सूक्त के माध्यम से मानवता को पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति संवर्धन का भी संदेश दिया। कोरोना काल में भारतीय जीवन-शैली और आयुर्वेदिक को दुनिया में पुनः प्रतिष्ठित किया है। उस समय अपने को विकसित समझने वाले देश भी लाचार हो गए थे।

चंद्रयान-3 की सफलता 140 करोड़ भारतीयों के जीवन का स्वर्णिम पल बन गयी है

दुनियाभर से करोड़ों लोग टकटकी लगाए इस यात्रा से लगातार जुड़े रहे। लगभग 41 दिनों की अद्भुत व अविस्मरणीय यात्रा के बाद, 23 अगस्त 2023 का दिन, 140 करोड़ दिलों की धड़कने और दुनियाभर की नजरें जिस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही थी। आखिरकार वो पल आ ही गया और जब हमारे चंद्रयान-3 ने चाँद के साउथ पोल पर सफल लैंडिंग कर विश्वपटल पर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। इस शुभ लैंडिंग से पूरा देश उत्साह व ऊर्जा से सराबोर है। हमारे वैज्ञानिकों ने पूरे देश को गौरवान्वित करने का एक ओर मौका दिया है, इस सफलता के लिए इसरो के सभी वैज्ञानिकों, कर्मचारियों के अथक परिश्रम को कोटि-कोटि साधुवाद एवं बधाई। अब से चाँद पर भी अशोक स्तंभ के रूप में भारत की छाप स्थापित हो गयी है। इसरो ने चंद्रयान-3 मिशन के लिए तीन मुख्य उद्देश्य निर्धारित किए थे। पहला लैंडर की चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग कराना।

डॉ. पवन सिंह मलिक
लेखक मीडिया विभाग, जे.सी. बोस विश्वविद्यालय, फरीदाबाद में एसोसिएट प्रोफेसर हैं

लगभग 615 करोड़ रुपये की लागत से बने और 14 जुलाई को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से यात्रा शुरू करने वाले चंद्रयान-3 के पूरे सफर ने पहले दिन से प्रत्येक भारतीय को अपने से जोड़े रखा और दुनियाभर से करोड़ों लोग टकटकी लगाए इस यात्रा से लगातार जुड़े रहे। लगभग 41 दिनों की अद्भुत व अविस्मरणीय यात्रा के बाद, 23 अगस्त 2023 का दिन, 140 करोड़ दिलों की धड़कने और दुनियाभर की नजरें जिस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही थी। आखिरकार वो पल आ ही गया और जब हमारे चंद्रयान-3 ने चाँद के साउथ पोल पर सफल लैंडिंग कर विश्वपटल पर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। इस शुभ लैंडिंग से पूरा देश उत्साह व ऊर्जा से सराबोर है। हमारे वैज्ञानिकों ने पूरे देश को गौरवान्वित करने का एक ओर मौका दिया है, इस सफलता के लिए इसरो के सभी वैज्ञानिकों, कर्मचारियों के अथक परिश्रम को कोटि-कोटि साधुवाद एवं बधाई। अब से चाँद पर भी अशोक स्तंभ के रूप में भारत की छाप स्थापित हो गयी है। इसरो ने चंद्रयान-3 मिशन के लिए तीन मुख्य उद्देश्य निर्धारित किए थे। पहला लैंडर की चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग कराना। दूसरा चंद्रमा पर रोवर की विचरण क्षमताओं का अवलोकन और प्रदर्शन और तीसरा चंद्रमा की संरचना को बेहतर ढंग से समझने और उसके विज्ञान को अभ्यास में लाने के लिए चंद्रमा की सतह पर उपलब्ध रासायनिक और प्राकृतिक तत्वों, मिट्टी, पानी आदि पर वैज्ञानिक प्रयोग करना। इस पूरी यात्रा में चंद्रयान-3 ने अपने इन तीनों उद्देश्यों को बखूबी पूरा किया है। आगे आने वाले समय में शायद चंद्रयान-3 से हमें ऐसी अनेकों जानकारियां मिल सकती हैं, जिसके बारे में अभी सोच पाना मुश्किल है। चंद्रयान-3 की यात्रा आसान नहीं थी लगभग 615 करोड़ रुपये की लागत से बने और 14 जुलाई को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से यात्रा शुरू करने वाले चंद्रयान-3 के पूरे सफर ने पहले दिन से प्रत्येक भारतीय को अपने से जोड़े रखा और दुनियाभर से करोड़ों लोग टकटकी लगाए इस यात्रा से लगातार जुड़े रहे। इसरो ने पृथ्वी से दूर कई बार चंद्रयान-3 की कक्षाएं बदली थीं। पृथ्वी की अलग-अलग कक्षाओं में परिक्रमा करते हुए एक अगस्त को स्लिंगशाट के बाद पृथ्वी की कक्षा छोड़कर यान चंद्रमा की कक्षा की ओर बढ़ा था। पांच अगस्त को इसने चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश किया। छह अगस्त को पहली बार कक्षा बदली। इसके बाद नौ, चौदह और सोलह अगस्त को कक्षाओं में बदलाव कर यह चंद्रमा के और नजदीक पहुंचा। सत्रह अगस्त को चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल और लैंडर मॉड्यूल अलग-अलग हो गए और लैंडर मॉड्यूल चंद्रमा की सतह की ओर बढ़ा। 18 और 19 अगस्त को दो बार डीबूस्टिंग (धीमा करने की प्रक्रिया) के बाद लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान) से युक्त लैंडर मॉड्यूल चाँद की सबसे करीबी कक्षा में पंहुचा और इस असंभव लगने वाली चंद्रयान-3 की यात्रा को आखिरकार हमने चुनौतियों के बावजूद भी पूरा कर लिया। बीच-बीच में कई बार दिलों की धड़कनें तेज भी हुईं और डर भी लगा, लेकिन अंत भला तो सब भला।

साउथ पोल पर होने के मायने

भारत साउथ पोल पर पहुँचने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। साउथ पोल से भारत को ऐसी सब जानकारियां मिल सकती हैं, जो वहां पर जीवन की संभावनाओं और अन्य संबंधित क्षेत्रों से जुड़ी संभावनाओं को ओर अधिक गति प्रदान करेगा। साउथ पोल पर पानी की सम्भावना की तलाश का मतलब होगा एक नई जिंदगी। इससे मंगल पर जाने के लिए चंद्रमा पर उतरकर फ्यूल ले सकेंगे। हाइड्रोजन-ऑक्सीजन मिलकर स्वच्छ राकेट फ्यूल बना सकते हैं, इससे पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में तोड़ा जा सकता है। साउथ पोल पर कीमती धातुओं के रूप में सोना, प्लेटिनमम, टाइटेनियम और यूरेनियम होने की संभावना है। वहां पर बड़ी मात्रा में नॉन रेडिओएक्टिव हीलियम गैस और इलेक्ट्रॉनिक्स बनाने में काम आने वाली धातुएं भी मिल सकती हैं। चंद्रमा पर बर्फ के अणुओं का अध्ययन, चंद्रमा की सतह से अंतरिक्ष के अध्ययन की संभावना तलाशना, मिट्टी व प्राकृतिक संसाधनों का अध्ययन ऐसी अनेक संभावनाओं का भविष्य में पता चल सकता है। स्पेस में बढ़ता भारत का वर्चस्व स्पेस मार्किट में भारत के लिए संभावनाएं पहले से अधिक बढ़ गई है। अंतरिक्ष में भी पूरी दुनिया आज भारत का लोहा मानने लगी है। अब भारत ने स्पेस में अमेरिका सहित कई बड़े देशों का एकाधिकार तोड़ा है। पूरी दुनिया में सैटेलाइट के माध्यम से टेलीविजन प्रसारण, मौसम की भविष्यवाणी और दूरसंचार का क्षेत्र बहुत तेज गति से बढ़ रहा है और चूंकि ये सभी सुविधाएं उपग्रहों के माध्यम से संचालित होती हैं, इसलिए संचार उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित करने की मांग में बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि इस क्षेत्र में चीन, रूस, जापान आदि देश प्रतिस्पर्धा में हैं, लेकिन यह बाजार इतनी तेजी से बढ़ रहा है कि यह मांग उनके सहारे पूरी नहीं की जा सकती। ऐसे में चंद्रयान-3 की कम बजट में सफल लैंडिंग के बाद व्यवसायिक तौर पर भारत के लिए संभावनाएं पहले से अधिक बढ़ गयी है। आज कम लागत और सफलता की गारंटी इसरो की सबसे बड़ी ताकत बन गयी है। अंतरिक्ष बाजार में भारत की धमक का यह स्पष्ट संकेत है। इसके साथ ही भारत अब 200 अरब डालर के अंतरिक्ष बाजार में एक महत्वपूर्ण देश बनकर उभरा है। चांद और मंगल अभियान सहित इसरो अपने 100 से ज्यादा अंतरिक्ष अभियान पूरे करके पहले ही इतिहास रच चुका है। भविष्य में अंतरिक्ष में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी क्योंकि यह अरबों डालर की मार्किट है। कुछ साल पहले तक फ्रांस की एरियन स्पेस कंपनी की मदद से भारत अपने उपग्रह छोड़ता था पर अब वह ग्राहक के बजाय साझीदार की भूमिका में पहुंच गया है। यदि इसी तरह भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में सफलता प्राप्त करता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब हमारे यान अंतरिक्ष यात्रियों को चांद, मंगल या अन्य ग्रहों की सैर करा सकेंगे। इसरो के मून मिशन, मंगल अभियान, स्वदेशी स्पेस शटल की कामयाबी और अब चंद्रयान-3 की सफलता के बाद इसरो के लिए संभावनाओं के नये दरवाजे खुल जाएंगे, जिससे भारत का निश्चित रूप से स्पेस में वर्चस्व पहले से अधिक बढ़ जाएगा। जिसका इंतजार था, जिसके लिए करोड़ों-करोड़ों लोगों का दिल बेकरार था, वो पल हम सबने देखा और हम सब उसके साक्षी भी बने। यह अनुभव व सफलता 140 करोड़ भारतीयों के जीवन का स्वर्णिम पल रहेगा। सच में चंद्रयान-3 की सफलता ने 2047 के अमृतकाल की शुरूआत बहुत बेहतरीन तरीके से की है और अब प्रत्येक भारतीय का विश्वास पहले से कई गुणा बढ़ गया है, कि भारत अब किसी भी क्षेत्र में रुकने वाला नहीं है। अब सभी दिलों की केवल एक ही धुन है ह्लजय भारत, जय-जय भारतह्व। एक बार पुनः इसरो के सभी वैज्ञानिकों, कर्मचारियों की अथक मेहनत को सलाम व सभी भारतीयों को बधाई, क्योंकि चांद से मैं भारत बोल रहा हूँ।

कुल मिलाकर खडगे की टीम अच्छी

अजीत द्विवेदी

भारत में हर राजनीतिक पार्टी को संगठन या सरकार बनाते समय सबसे ज्यादा जिस बात का ध्यान रखना होता है वह जातीय व क्षेत्रीय संतुलन का होता है। इसमें कोई भी पार्टी अपवाद नहीं है। विचारधारा की बात करने वाली कम्युनिस्ट पार्टियां हों या नरेंद्र मोदी के करिश्मे पर जीत रही भाजपा हो, सबको जातीय, क्षेत्रीय, सामुदायिक और लैंगिक संतुलन का ध्यान रखना पड़ता है। तभी हाशिए में डाल दिए गए बीएस येदियुरप्पा को राजनीतिक मजबूरी में भाजपा को संसदीय बोर्ड का सदस्य बनाना पड़ा। अल्पसंख्यक कोटा पूरा करने के लिए पंजाब के सिख नेता इकबाल सिंह लालपुरा को लाना पड़ा और महिला व पिछड़ी जाति के लिए हरियाणा की सुधा यादव को बोर्ड में रखा गया। भाजपा की टीम की मिसाल देकर शुरूआत करने का मकसद यह बताना है कि कांग्रेस कोई अपवाद नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने भी राजनीतिक व चुनावी जरुरत के हिसाब से अपनी कार्य समिति में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन बनाने का प्रयास किया है। एक तरफ खडगे को पार्टी के तमाम पुराने नेताओं को सीडब्लुसी का सदस्य बना कर उनको सम्मान देना था तो उदयपुर संकल्प के मुताबिक युवाओं व दलित, पिछड़ों, वंचितों, अल्पसंख्यक को भी पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना था। इन दोनों के साथ चुनावी व राजनीतिक जरूरतों का भी ध्यान रखना था। इसी मजबूरी में खडगे को मुख्य कार्य समिति में 39 सदस्य बनाने पड़े और सीडब्लुसी के सदस्यों की कुल संख्या 84 पहुंच गई।खडगे ने किस तरह से राजनीतिक व चुनावी संतुलन बनाया है उस पर बात करने से पहले दो बातों पर ध्यान देना जरूरी है। पहली बात तो यह है कि कांग्रेस ने कार्य समिति के सदस्यों के चुनाव का फैसला क्यों टाला और कब यह तय हुआ कि सभी सदस्य अध्यक्ष द्वारा मनोनीत होंगे? ध्यान रहे राहुल गांधी चाहते थे कि कार्य समिति का चुनाव हो। गौरतलब है कि पारंपरिक रूप से कार्य समिति के 23 सदस्य होते थे, जिनमें आधे सदस्यों का चुनाव होता था। अगर चुनाव नहीं कराना है तो अध्यक्ष को सभी सदस्यों को मनोनीत करने के लिए अधिकृत किया जाता था। इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि चुनाव क्यों नहीं हुआ और कब व किसने अध्यक्ष को अधिकृत किया कि वे सभी सदस्यों को मनोनीत करें? कायदे से स्टीयरिंग कमेटी की बैठक होनी चाहिए थी, जिसमें खडगे को अधिकृत किया जाता। दूसरी बात यह है कि जब पिछले साल उदयपुर के नवसंकल्प शिविर में तय हुआ था कि कार्य समिति में और पार्टी के पदाधिकारियों में भी आधे सदस्य 50 साल से कम उम्र के रखे जाएंगे तो कार्य समिति के गठन के मामले में उस सिद्धांत का पालन क्यों नहीं किया गया? मुख्य कार्य सम

संक्षिप्त खबरें

सामाजिक सद्भाव कार्यक्रम आयोजित

मुजफ्फरपुर।औराई प्रखंड के रतवारा विन्दवारा देवरिया पूर्वी पंचायत के पानापुर गाँव मे पंचायत जदयू अध्यक्ष शिवकुमार महतो के अध्यक्षता मे ग्राम संसद सामाजिक सद्भाव की बात कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रखंड जदयू अध्यक्ष बेचन महतो,जिला विधान सभा प्रभारी चन्द्रभूषण प्रसाद, प्रखंड प्रभारी जीतेन्द्र माझी ,मो वसीम, मोविन अशरफ सहित गणमान्य लोग शामिल हुए।

बीते 24घंटे में हुई 7.4 एमएम बारिश

मुजफ्फरपुर।गुरुवार को बीते 24घंटे में दिन के 1:45बजे।क 7.4मिमी बारिश हुई है।यह जानकारी जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केंद्र,डॉ० राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के मैसम विभाग ने दी है। आज का अधिकतम तापमान 31.1एवं न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस रहा।सापेक्ष आर्द्रता सुबह में95 प्रतिशत और दोपहर बादः 91 प्रतिशत रहा। वाष्पोतसर्जन 2.4 मि० मी० और दक्षिण -पूर्वी हवा की गति : 1.4 कि०मी० प्रति घंटा रही।

डीएम ने किया मध्य निषेध एवं उत्पाद कार्यक्रम का निरीक्षण

मुजफ्फरपुर। डीएम प्रणव कुमार निमार्णाधीन मद्य निषेध एवं उत्पाद कार्यालय का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी, ने कहा कि कार्यों में तेजी लाएं। उन्होंने बन रहे थाना भवन और कार्यालय भवन का मुआयना किया। स्थानीय छाता चौक पर स्थिति इस कार्यालय को जी+5 करने का भी निदेश दिया है। जी+4 भवन बनकर तैयार है।, इसके अतिरिक्त एक मालखाना भी बनाने का निदेश दिया गया। साथ ही विभाग द्वारा स्वीकृत एक ग्रुप सेन्टर भी वहां बनाया जाएगा, जिसमें मिटिंग हॉल एवं अन्य सारी सुविधाएं रहेगी, जो उत्पाद बैरक के रूप में कार्य करेगी। जिलाधिकारी प्रणव कुमार ने अविलम्ब कार्य पूर्ण कराने का निदेश देते हुए कहा की इस माह में कार्य समाप्ति कर नव निर्मित कार्यालय भवन में कार्यालय को क्रियाशील करें। मौके पर कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल रवि चन्द एवं उत्पाद अधीक्षक संजय कुमार राय उपस्थित थे।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जल संचयन का संदेश

मुजफ्फरपुर। नेहरू युवा केंद्र एवं सरला श्रीवास सामाजिक सांस्कृतिक शोध संस्थान के कलाकार गांव -गांव जाकर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जल संचयन का संदेश दे रहे हैं। यह कार्यक्रम कैच द रेन परियोजनांतर्गत चलाया जा रहा है। बुधवार को यह कार्यक्रम कांटी के गोलाई फुलकांहा गांव में चलाया गया। जल संच के संयोजक लोक कलाकार सुनील कुमार ने बताया कि जल संचयन का संदेश को नुक्कड़ नाटक द्वारा जन-जन तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जा सकता है। इसअभियान के माध्यम से बरसात के पानी को बचाने के साथ साथ नदी, तालाब, नहर,कुआं को बचाने की बात कही जा रही है।आज जल बचाएंगे,तभी हम बेहत्तर कल बना पाएंगे। कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जल संरक्षण एवं वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। कैच द रेन अभियान में उपस्थित लोगों को स्वतंत्रता सेनानी, महापुरुषों,सेना के जवानों ,एवं पुरखा पुरनिया के नाम पर पेड़ लगाने का अनुरोध किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से स्वामी विवेकानन्द युवा मंडल के अध्यक्ष रजनीश कुमार, सदस्य रजनीश कुमार,नितिन कुमार,आदर्श कुमार,विशाल कुमार,नीतीश कुमार शांति देवी, कृष्णा देवी,गीता देवी काजल कुमारी एवं मुजफ्फरपुर मोबाइल वाणी के प्रबंधक संजय कुमार मौजूद थे।

पंडित नेहरू ने किया था इसरो का गठन और जश्न मना रही भाजपा: मिन्नत रहमानी

- अल्पसंख्यक कांग्रेस सेल के जिला अध्यक्ष का किया गया अभिनंदन

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय। कांग्रेस भवन में कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग के जिला अध्यक्ष मोहम्मद मतीन के अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए बिहार प्रदेश अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मिन्नत रहमानी ने कहा कि कल जो चांद पर मशीन पहुंचा है। वह पंडित नेहरू की देन है। पंडित नेहरू ने ही इसरो का गठन किया था और जश्न भाजपा मना रही है। भाजपा पर हमला करते हुए मिन्नत रहमानी ने कहा कि कांग्रेस संविधान को साथ लेकर शुरू से चलती आ रही है और हमेशा चलती रहेगी। यही एक कांग्रेस पार्टी है जो धर्मनिरपेक्षता की बात करती है। लेकिन भाजपा के लोग इस देश में नफरत फैलाने, समाज को तोड़ने, हिंदू मुस्लिम को अलग करने का काम करती है। यही कारण है कि यह लोग संविधान को नहीं मान रहे हैं और धर्मनिरपेक्षता जैसे शब्दों से भी नफरत करते हैं। इस अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे बिहार में 2024 के होने वाले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का अगर पहले कोई सांसद जीत कर आएगा वह बेगूसराय जिला होगा। सभी कांग्रेस कार्यकताओं को भी कांग्रेस को मजबूत करने और कांग्रेस के उम्मीदवार को लोकसभा की चुनाव की तैयारी में अभी से लग जाने को कहा गया। अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अभय कुमार सिंह सारजन ने कहा कि 10 वर्ष पहले इसी कांग्रेस भवन में अल्पसंख्यक का सम्मेलन हुआ था। जो आज फिर हो रहा है। आज के सम्मेलन में युवा पीढ़ी अल्पसंख्यक समुदाय से काफी बढ़कर आए। बारिश होने के बावजूद भी अल्पसंख्यकों में कांग्रेस के प्रति जबरदस्त जोश उत्साह देखने को मिल रहा है। अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए सारजन सिंह ने कहा कि अगर इस बार लोकसभा का सीट कांग्रेस के खाते में गया तो कांग्रेस की जीत बेगूसराय लोकसभा सीट से पक्की है। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसा हुआ है। जब-जब कांग्रेस को मौका मिला है। कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही है। लेकिन जब-जब गठबंधन में सीट गया है, गठबंधन को नहीं मिला। उन्होंने अल्प अल्पसंख्यक के मनोनीत जिला अध्यक्ष मोहम्मद मतीन से कहा कि जिला के सभी प्रखंड में जाकर अल्पसंख्यक कोष का गठन करें और लोगों को विशेष कर अल्पसंख्यक लोगों को कांग्रेस से जोड़ने का अपील करें। अभिनंदन समारोह की अध्यक्षता व संचालन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोहम्मद हारुन रशीद कर रहे थे। अभिनंदन समारोह बेगूसराय जिला मुख्यालय कांग्रेस भवन में दोपहर 11:00 बजे आयोजित की गयी। अभिनंदन समारोह को संबोधित करने वालों में रामविलास सिंह, शशिशेखर राय, मुरलीधर मुरारी, शिवशंकर पोद्दार, रामचन्द्र सिंह, सुबोद कुमार, लखन पासवान, डॉ रजनीश कुमार, बलिया प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह, नगर अध्यक्ष ब्रजेश कुमार प्रिंस, मटिहानी अध्यक्ष रामानुज कुँवर, पूर्व अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष कमर अंसारी, युवा कार्यकारी अध्यक्ष स्वप्निल सोनू चुनचुन राय, मोहम्मद वकील, मो. विक्रम कुमार, वाकिफ अली, मोहम्मद वासिल, शाह मोहम्मद शमीम अख्तर, मोहम्मद इरफान अंसारी, मोहम्मद फैयाज, मोहम्मद तारीक, मोहम्मद शहाबुद्दीन, मुहम्मद मोहम्मद मसूद सहित दर्जनों कार्यकताओं ने संबोधित किया।

झमाझम बारिश से किसानों में खुशी, शहर में जल जमाव बना परेशानी का कारण

- तीन दिनों से हो रही झमाझम बारिश से स्मार्ट सिटी की सूरत बिगडी ,जलजमाव से लोग परेशान

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। तीन दिनों से रुक -रउक कर हो रही झमाझम बारिश ने स्मार्ट सिटी की सूरत बिगाड़ दी है। कई मुहल्लों में जलजमाव के कारण लोगों को घरों से निकलना दूभर हो गया है।आम शहर वासियों को आवागमन में काफी कठिनाई हो रही है। शहर के स्टेशन रोड , सदर अस्पताल रोड, आमगोला,,माड़ीपुर रेलवे कालोनी , बेला इंडस्ट्रियल एरिया ,जीरोमाइल,बनारस बैंक चौक कम्पनी बाग, बैंकरों ,सूतापट्टी ,इस्लामपुर ,इमलीचट्टी , ,तिलक मैदान रोड अगोरिया बाजार सतपुरा में भयंकर जल जमाव है।नगर थाना से स्टेशन तक सड़क पर भर गेहुंआ पानी लगा हुआ है। सूतापट्टी में तो स्थिति यह है कि सड़क के दोनों तरफ दलदल बन चुका है। कई जगह पर जलजमाव की भीषण समस्या पैदा हो गई है। सड़कों पर जलजमाव की स्थिति यह है कि वाहन भी रेंगते नजर आते हैं और पैदल चलने वाले की तो सामंत ही आ गई है। कई मुहल्लो में तो लगों के घरों एवं दुकानों में भी बारिश का पानी प्रवेश कर चुका है चुका है। प्रभावित दुकानदारों का रोना इस बात का है कि दुकान में रखा उनका लाखों का सामान बर्बाद हो चुका है।जलनइकआसई की मुकम्मल व्यवस्था नहीं रहने से लोग नगर निगम प्रशासन को कोस रहे हैं। नगर निगम मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक मो.इश्तेयाक ने नगर आयुक्त सह एमडी एमएससीएल को पत्र लिख कर इन समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा है कि रोड में एमएससीएल द्वारा अंडरग्राउंड इलेक्ट्रिक केबल बिछाने के कर्म में , क्षतिग्रस्त सड़क पर दलदली स्थिति उत्पन्न हो गई है। एजेंसी द्वारा कुछ स्पॉट पर ब्लैक ऐशैज गिराने का काम हुआ पर पूरे बैंक रोड के बहुत सारे स्पाट को छोड़ दिया गया है। उन्होंने इससे सम्बंधित कुछ तस्वीरें भी नगर आयुक्त को भेजी है तथा अविलम्ब उन जगहों पर राशिश भरने का अनुरोध किया है।

सौ पंचायतों में जन सम्मेलन का होगा आयोजन: ध्रुव

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी भाकपा माले जिला कमिटी की बैठक माले नगर में संपन्न हुई बैठक को संबोधित करते हुए भाकपा माले पोलित ब्यूरो सदस्य धीरेंद्र झा ने कहा कि भाजपा सरकार भारत के संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था को तहस नहस करने पर तुली है चोर दरवाजे से संविधान को पलटने की तैयारी कर रही है।देश की अर्थव्यवस्था को लुटेरों भगोड़ों ने तबाह कर दिया है।देश संविधान को बचाने के लिए बने इंडिया गठबंधन की मजबूती का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा को जमीनी स्तर पर वैचारिक रूप से मुकाबला करना होगा।दलित गरीबों और मजदूर किसानों के आंदोलन को तेज करते हुए भाजपा को गांव पंचायतों में अलगाव में डालने के अभियान को माले मजबूत बना रही है।चांद के दक्षिणी ध्रुव पर भारत मिशन की सफलता देश के लिए गर्व की बात है।वैज्ञानिकों और इसरो संस्थाओं को सलाम करते हुए उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि भारत की नई पीढ़ी पाखंड अंधविश्वास से लड़ते हुए विज्ञान की ओर बढ़ेगी।आगे उन्होंने कहा कि दलित गरीबों के 5गारंटी आंदोलन को पंचायतों प्रखंडों में तेज किया जाएगा।मौके पर बताते हुए जिला सचिव ध्रुव नारायण कर्ण ने कहा कि जिला में बड़ी संख्या में पार्टी सदस्यों की भर्ती हो रही है।जिला के 100 से ज्यादा पंचायतों में पार्टी सम्मेलन और जन सम्मेलन आहूत किया जायेगा बैठक को लक्ष्मण राय उत्तीम पासवान श्याम पंडित मदनचंद्र झा कामेश्वर राम बिशंभर कामत शांति सहनी महाकांत यादव योगेंद्र यादव आदि ने भी संबोधित किए।

बीपीएससी परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त परीक्षा हुई संचालित

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार ने बिहार लोक सेवा आयोग पटना द्वारा आयोजित प्राथमिक माध्यमिक एवं उच्च विद्यालय में शिक्षकों की नियुक्ति हेतु आयोजित परीक्षा के प्रथम दिन जिले के कई परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।अपने निरीक्षण के क्रम में डीएम-एसपी ने ई-एडमिट कार्ड बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन और फेशियल रिकग्रिशन सीटिंग प्लान फ्रिक्सिंग स्थल सीसीटीवी कैमरा जैमर, वीडियोग्राफी, साफ-सफाई के साथ -साथ प्रतिनियुक्त अधिकारियों एवं कर्मियों की उपस्थितिआदि की उपस्थिति का भी जायजा लिया। आज जिले के कुल-24 परीक्षा केन्द्रों पर दो पालियों में स्वच्छ शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त परीक्षा संचालित हुई। गौरतलब हो कि बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्राथमिक माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय अध्यापक प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन जिला मुख्यालय के कुल-24 परीक्षा केन्द्रों पर आज 24 अगस्त से प्रारंभ हो गया है। यह परीक्षा 25 अगस्त तक दो पालियों मेंसंचालित की जायेगीजिलाधिकारी ने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियो को बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा दिये गये दिशा-निदेर्शों का अशरक्ष अनुपालन करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि हर हाल में शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त परीक्षा का संचालन किया जाय। उन्होंने कहा कि कदाचार में लिप्त एवं सह्ययोग करने वाले को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाय। उनके विरूद्ध नियमानुकूल कार्रवाई की जाय। डीएम-एसपी ने वाटसन प्लस टू उच्च विद्यालय शिवगंगा बालिका प्लस टू उच्च विद्यालय जे एन कॉलेज रमा प्रसाद दत्त प्लस टू उच्च विद्यालय जितवारपुर एवं जेएमडीपीएल महिला महाविद्यालय मधुबनी सहित कई परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया। वाटसन प्लस टू उच्च विद्यालय मधुबनी में कुल परीक्षार्थियों की संख्या 576 थी। जिसमें 405 परीक्षार्थी उपस्थित हुए। इस प्रकार 171 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। शिवगंगा बालिका प्लस टू उच्च विद्यालय मधुबनी में परीक्षार्थियों की कुल संख्या 480 थी। जिसमें 348 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार अनुपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 132 रही। जे एन कॉलेज मधुबनी में 744 परीक्षार्थियों को परीक्षा देना था जिसमें से 530 परीक्षार्थी उपस्थित हुए एवं 214 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं, रमा प्रसाद दत्त प्लस टू उच्च विद्यालय जितवारपुर में 432 परीक्षार्थियों को परीक्षा देना था। जिसमें उपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 295 थी यहां अनुपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 137 थी। वहीं जेएमडीपीएल महिला महाविद्यालय मधुबनी में परीक्षा देने हेतु 468 परीक्षार्थियों के लिए इंतजामात किए गए थे। उपरोक्त केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संचालित हुई एवं सभी प्रतिनियुक्त जोनल स्टैटिक दंडाधिकारी पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल अपने कर्तव्य पर उपस्थित पाए गए।

वज्रपात ने बरपाया कहर दो की हुई मौत

प्रात : किरण ब्यूरो चीफ

जमुई जिला के सिकंदरा प्रखंड में बारिश के लिए पीपल के पेड़ के नीचे छिपे दो बाइक सवार युवक की वज्रपात से हुई मौत सिकंदरा लखीसराय मुख मार्ग लोहंडा के समीप घटी दुर्घटना सिकंदरा लखीसराय मुख्य मार्ग लोहंडा के समीप गुरुवार को भारी उमस गर्मी के बाद मौसम ने अचानक मिजाज बदला इसके बाद आसमान से बारिश के साथ तेज गर्जन होने लगा इसी दौरानइफ्ब3स्न-1958 नंबर की टीवीएस बाइक पर सवार होकर दो युवक बारिश से बचने के लिए सिकंदरा लखीसराय मुख्य मार्ग लोहंडा के समीप गुरुवार बरगद के पेड़ के नीचे छुप गए इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दोनों युवक की घटनास्थल पर मौत हो गई मृतक युवक की पहचान लखीसराय जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के दूर-डी निवासी मनीष कुमार पिता अशोक मंडल रिंकी कुमार पिता उमेश यादव के रूप में पहचान की गई है इधर मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट बिहार में मौसम का मिजाज रुक-रुक कर बदल चुका है मिजाज इस कदर बदल है कि अब आसमान से सिर्फ पानी की नहीं बल्कि आफत की बारिश होने वाली है कई जिलों में अगले चार दिनों तक बारिश होने वाली है और इस दौरान वज्रपात होने की भी प्रभाव संभावना है ऐसे में मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि जब तक बहुत जरूरी ना हो तब तक अपने घरों से बाहर न निकले वहीं किसानों से बारिश के दौरान खेतों में काम न करने की अपील भी की है

चिकित्सक एव स्वास्थ कर्मियों की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी खजौली सीएचसी कार्यालय प्रकोष्ठ में गुरुवार को सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. जोतीन्द्र नारायण के नेतृत्व में कालाजार उन्मूलन कार्यक्रम को सफल संचालन हेतु चिकित्सक एव स्वास्थ कर्मियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया.इस बैठक के दौरान उपस्थित बीएचआईं प्रदीप कुमार यादव बीसीएम शंम्भू कुमार राम को निर्देश दिया कि बरसात के समय जहरीली मच्छरों की प्रकोप बढ़ने से प्रखंड़ क्षेत्र के 14 पंचायतों में से तीन पंचायत रसीदपुर दतुआर एव नरार पूर्वी पंचायत में छिड़काऊ किया जा रहा है. वही शेष 11 पंचायत में भी मच्छर दवा को छिड़काऊ करने का आदेश दिया गया. सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने पंचायत के सभी मुखिया सरपंच पंसस उप मुखिया वार्ड सदस्यों से अपील कि है की कालाजार उन्मुलन सफल संचालन को लेकर सभी वार्ड टोला मुहल्ला में बीएचआई दलकर्मी से सांम्पर्क स्थापित कर छिड़काउ करवाने की दिशा निर्देश दिया गया.इस मौके पर सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. जोतीन्द्र नारायण डा. साहिद एकवाल डा. रमेश पासवान हेल्थ मैनेजर अर्चना भट्ट बीसीएम शंम्भू कुमार राम बीएचआई प्रदीप कुमार यादव लेखपाल पलव्वी कुमारी डाटा ऑपरेटर बबलू कुमार बीएमई राजन कुमार उपस्थित थे।

रालोजद की जिला कार्यकर्ता सम्मेलन

प्रात : किरण संवाददाता

अलीगंज। राष्ट्रीय लोक जनता दल के द्वारा जमूई के शिल्पा विवाह भवन मे आयोजित 25 अगस्त को जिला कार्यकर्ता सम्मेलन की सफलता को अलीगंज प्रखंड क्षेत्र के दर्जनो गांव का दौर कर प्रदेश सचिव किसान श्री धर्मेन्द्र कुशवाहा ने प्रखंड क्षेत्र के दिघौत, मिजार्गंज, वरडीह, दरखा, बालाडीह, सहोडा, सगमा, मोहनपुर ,धनामा, कैयार, सोनखार, अलीगंज, मानपुर सहित दर्जनो गांव का भ्रमण कर पार्टी कार्यकर्ताओ व ग्रामीणो से मिलकर देश के पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री सह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा के सभा मे अधिक से अधिक संख्या मे जमुई पहुंचने की अपील किया। और कहा कि बिहार का विकास मात्र एक ही नेता उपेन्द्र कुशवाहा जी से संभव है। इसलिए सभी मिलकर पार्टी संगठन को मजबूत व सशक्त बनाने मे सहयोग प्रदान करे। मौके पर जयराम महतो,अभिषेक कुमार,प्रताप कुमार,मिथलेश कुमार,लालजीत माझी,संतोष रविदास के अलावे दर्जनो पार्टी कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद थे।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय बंसतपुर के बच्चों ने लिखा इसरो प्रमुख को बधाई संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

आदापुर।मिशन चंद्रयान-3 की सफलता पर आदापुर प्रखंड स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय बसतपुर में बच्चों ने जश्न मनाया। गले में तिरंगा पट्टी लगाए और हाथों में तिरंगा लेकर बच्चों ने भारत माता की जय के जयकारे लगाते हुए एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। उसके बाद बच्चों को सम्बोधित करते हुए विद्यालय के वरीय शिक्षक मोहम्मद नुरूल होदा ने बताया कि चंद्रयान-3 की सफलता ने भारत का सिर गर्व से ऊंचा किया है। 23 अगस्त 2023 का दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक मनोज कुमार ने कहा कि आज पूरे विश्व में भारत ने अपने सफलता का झंडा बुलंद कर दिया है। शिक्षक जितेन्द्र ठाकुर ने कहा कि लगातार कई वर्षों के प्रयास के बाद आज भारत विश्व का पहला देश बन गया जिसने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग में सफलता पाई है। इसके बाद बच्चों ने इसरो प्रमुख श्री एस. सोमनाथ को पोस्ट कार्ड पर बधाई संदेश लिखा। बच्चों को लैपटॉप के माध्यम से लैंडिंग का वीडियो बच्चों को दिखाया गया।

बीपीएससी द्वारा आयोजित शिक्षक परीक्षा का डीएम और एसपी ने लिया जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक कांतेश मिश्रा, मोतिहारी भ्रमण कार्यक्रम के दौरान बिहार लोक सेवा आयोग, पटना के द्वारा आयोजित प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय अध्यापक प्रतियोगिता परीक्षा के सफल आयोजन हेतु कदाचार मुक्त, स्वच्छ एवं शांतिपूर्ण वातावरण में परीक्षा संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला नियंत्रण कक्ष एवं विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किये। किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा कक्ष में मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, ब्लूटूथ , वाई-फाई गैजेट, इलेक्ट्रॉनिक पेन, पेजर, रिस्ट वॉच इत्यादि जैसी इलेक्ट्रॉनिक सामग्री तथा व्हाइटनर, इरेजर एवं ब्लेड जैसी सामग्री ले जाना पूर्णतः वर्जित रखा गया। परीक्षा को स्वच्छ, निष्पक्ष एवं कदाचार रहित वातावरण में संचालन कराने के उद्देश्य से आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने एवं हर पल की जानकारी हेतु जिला नियंत्रण कक्ष दूरभाष संख्या- 06252-242418 क्रियाशील है। परीक्षा कदाचार रहित संपन्न कराने के उद्देश्य से दण्डाधिकारियों, महिला एवं पुरुष पुलिस पदाधिकारी/पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है।जिलाधिकारी श्री जोरवाल ने कहा कि परीक्षा की गरिमा को ध्यान में रखते हुए परीक्षा को स्वच्छ, निष्पक्ष एवं कदाचार मुक्त वातावरण में सफल संचालन करना सुनिश्चित करेंगे।

बैलाटाड गांव के पास सोनो पुलिस ने 232.92लीटर विदेशी शराब के साथ एक वाहन किया जप्त

- बिहार में शराब बंदी होने के बावजूद भी माफियाओं अलग-अलग हथकंडे अपना रहे हैं लेकिन पुलिस से बचना है मुस्किल

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो थाना क्षेत्र अंतर्गत बैलाटाड गांव के समीप एक पिकअप वाहन से भारी मात्रा में शराब बरामद किया गया जिसका कुल मात्रा 26 कार्टून,232.92 लीटर बताया गया है पुलिस अधीक्षक महोदय जमुई के द्वारा गुप्त सूचना मिला कि एक सफेद रंग का पिकअप वाहन गाड़ी चकाई से सोनो की शरण लेकर आ रही है पुलिस अधीक्षक महोदय के सूचना पर अनुमंडल पुलिस अधिकारी झाझा एवं अन्य पदाधिकारी भी पहुंचे उनके नेतृत्व में बटिया घाटी में वाहन चेकिंग प्रारंभ किया जांच के क्रम में एक सफेद पिकअप वाहन आता हुआ दिखाई दिया जिसे रोकने का इशारा किया परंतु वाहन चालक वाहन लेकर भागने लगा जिसका पीछा कर बैलाटाड के पास ओवरटेक कर सोनो थाना के एसआई रठ सिंह ने गाड़ी को रुकवाया गया तो गाड़ी चालक गाड़ी को सड़क किनारे लगाते हुए गाड़ी से उतरकर भागने लगा जिसे साथ सिपाही के सहयोग से पकड़ने का प्रयास किया परंतु अंधेरे का फायदा उठाकर ड्राइवर भागने में सफल रहा है वाहन जांच में वाहन के डाला के नीचे बना तहखाना से 26 कार्टून बरामद हुआ कुल मात्रा 232.92 लीटर विदेशी शराब बरामद हुआ वाहन स इफ53अ 6053 है जांच कर में पुलिस पदाधिकारी पुलिस निरीक्षक श्री प्रताप सिंह, चितरंजन कुमार सोनो थाना अध्यक्ष, पुलिस अवर निरीक्षक राजेश कुमार, जितेंद्र यादव, त्रिपुरारी कुमार,अरक विशाल कुमार सिंह के अलावे दर्जनों पुलिस बल मौजूद थे

31 अगस्त को बहनें भाई की कलाई में बांधेगी राखी

- रक्षाबंधन पर्व का शुभ मुहूर्त 30 नहीं बल्कि 31 अगस्त को सुबह के 5 बजे से लेकर 7 बजकर 05 मिनट तक ही रहेगा, उसके बाद भद्रा काल का होगा प्रवेश
- 30 अगस्त को सावन मास की पूर्णिमा शुरू होते हैं, भद्रा काल रात्रि 9:02 तक रहेगा, उसके बाद होगी भद्रा काल की समाप्ति

प्रात : किरण संवाददाता, नन्दकिशोर दास

बेगूसराय। पूरे देश में भाई और बहन दोनों काफी बेसब्री से रक्षाबंधन पर्व का इंतजार करते हैं। रक्षाबंधन का त्यौहार सावन मास के शुक्ल पक्ष तिथि पूर्णिमा को मनाया जाता है। लेकिन इस साल रक्षाबंधन पर्व को लेकर लोगों में बहुत कंफ्यूजन है। कुछ लोग रक्षाबंधन का पर्व 30 अगस्त को बता रहे हैं तो कुछ 31 अगस्त को। इसका सबसे बड़ा कारण इस सावन मास की पूर्णिमा तिथि की शुरूआत होते ही भद्राकाल शुरू हो जाएगा। जबकि रक्षाबंधन किसी भी स्थिति में भद्रा रहित काल में मनाया जाता है। ऐसे में आइए हम जानते हैं किस दिन मनाया जाएगा रक्षाबंधन का त्यौहार और क्या है इसके शुभ मुहूर्त। लेकिन इस साल रक्षाबंधन त्यौहार की सावन पूर्णिमा की तिथि 30 अगस्त हो रही है और पूरे दिन भद्रा का साया रहेगा। इस तरह से 30 अगस्त के दिन में रक्षाबंधन का मुहूर्त शुभ नहीं रहेगा। 30 अगस्त को भद्रा रात्रि में 9:02 तक रहेगी। ऐसे में 30 अगस्त को रात में राखी बांधना बहन के लिए शुभ नहीं है। हिंदू पंचांग के अनुसार 31 अगस्त को सावन पूर्णिमा की तिथि सुबह 7:05 तक ही रहेगी। उसके बाद फिर भद्रा काल का प्रारंभ हो जाएगा। इस कारण जो भी बहन राखी बांधना अपने भाई के कलाई में चाहती है, वह सुबह 5:00 बजे से लेकर 7:05 बजे तक ही 31 अगस्त को राखी अपने भाई के कलाई में बांध सकती हैं। उसके बाद बांधना शुभ नहीं होगा।क्योंकि भद्रा काल फिर प्रवेश हो जाएगा और सावन की पूर्णिमा भी समाप्त हो जाएगी। वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार रक्षाबंधन का पर्व सावन माह की पूर्णिमा तिथि को अपराह्न काल में मनाना शुभ माना जाता है। लेकिन इस बात का विशेष ध्यान देना चाहिए कि रक्षाबंधन के दिन भद्राकाल नहीं होना चाहिए ! अगर रक्षाबंधन के दिन भद्राकाल का साया रहा तो भाई की कलाई में बहन को कभी भी राखी बांधना नहीं चाहिए। हिंदू पंचांग की गणना के मुताबिक इस वर्ष 30 अगस्त को सावन पूर्णिमा तिथि के साथ ही भद्राकाल की शुरूआत हो जाएगी और 30 अगस्त को भद्रा रात्रि के 9:02 तक रहेगी। शास्त्रों के अनुसार भद्रा काल के दौरान रक्षाबंधन का त्यौहार नहीं मनाया जाता है। राखी हमेशा ही भद्रा रहित काल में ही बहन अपने भाई के कलाई में बांधना चाहिए!

28 अगस्त को जिला सम्मेलन में भाग लेंगे उपेंद्र कुशवाहा

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय। बिहार राष्ट्रीय लोक जनता दल (आरएलजेडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा 28 अगस्त को शहर स्थित दिनकर कला भवन में अपने पार्टी के जिला सम्मेलन में भाग लेने के लिए आएंगे। इसकी जानकारी पार्टी के उपाध्यक्ष श्याम बिहारी वर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि श्री कुशवाहा के आगमन को लेकर बेगूसराय के पार्टी के कार्यकताओं में काफी जोश के साथ खुशी है। उनके स्वागत की तैयारी में जिले के सभी कार्यकर्ता लगे हुए हैं। उनका दिनकर की धरती पर भव्य स्वागत किया जाएगा। उपेंद्र कुशवाहा के साथ पार्टी के प्रदेश महासचिव सह प्रवक्ता बृजेंद्र कुमार पप्पू, महिला सेल की प्रदेश अध्यक्ष रेखा गुप्ता, पार्टी के वरीय नेता जितेंद्र नाथ के अलावे पार्टी के प्रदेश महासचिव सह पूर्व जिला परिषद सदस्य डंडारी क्षेत्र के दिलीप कुशवाहा, पार्टी के जिला अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह, मीडिया प्रभारी विधान प्रिया रंजन समेत पार्टी के कई अन्य नेता भी श्री कुशवाहा के आगमन को लेकर उनके भव्य स्वागत की तैयारी में लगे हैं। मालूम हो कि उपेंद्र कुशवाहा जेडीयू को छोड़ने के बाद अपनी नई पार्टी का फिर निर्माण राष्ट्रीय लोक दल पार्टी के रूप में किए हैं। केंद्र सरकार के द्वारा भी उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अब श्री कुशवाहा को ` सुरक्षा दी गई है।

बजरंगदल का शौर्य जागरण रथ प्रत्येक प्रखंड में करेगी भ्रमण

सीमांचल में धर्मांतरण, लव जिहाद, एवं गौ तस्करी पर सरकार और प्रशासन लगावें रोक : मिलिंद

प्रात : किरण,संवाददाता

पूर्णिया । विश्व हिन्दू परिषद् के अन्तर्राष्ट्रीय महामंत्री मिलिंद पराण्डे ने अपने एक दिवसीय पूर्णिया प्रवास के दौरान प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि विहिप के लिए यह वर्ष षष्ठी पूर्ति का वर्ष है आने वाले समय में विहिप स्थापना के साठ वर्ष पूरे होने वाली है। हमलोगों का प्रयास है कि सम्पूर्ण देश में अपनी एक लाख इकाई गठित हो। विहिप बजरंगदल का पहुंच सभी गांवों तक हो। सीमावर्ती जिलों में जनसंख्या असंतुलन बंगलादेशी एवं रोहंगिया घुसपैठियों के कारण है। राज्य सरकार बोट बैंक की राजनीति के कारण कार्रवाई नहीं करती है। लव जिहाद भी धर्मांतरण का हिस्सा है। ईसाई मिशनरियों का जाल सम्पूर्ण देश में फैलती जा रही है। अवैध धर्मांतरण के बिरूध कठोर कानून बनने की आवश्यकता है। गौतस्करी के बिरूध हिन्दू समाज को खड़ा होना होगा। गौतस्करों के बिरूध प्रशासन को सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए। विहिप बजरंगदल गौ रक्षा एवं संवर्धन के लिए कटिबद्ध है। लव जिहाद के प्रति समाज को एवं बहनों को जागरूक करने की आवश्यकता है। श्री परांडे ने कहा कि बनमनखी में विहिप के साथ एकड़ जमीन पर किसानों के आर्थिक उन्नति के लिए कृषि प्रशिक्षण केन्द्र, बच्चों के लिए निः शुल्क छात्रावास, एवं गौशाला निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रेसवार्ता के पूर्व विहिप उत्तर बिहार प्रांत टोली की बैठक हुई जिसमें केन्द्रीय महामंत्री मिलिंद पराण्डे, क्षेत्र संगठन मंत्री आनन्द, क्षेत्र मंत्री बिरेंद्र विमल, प्रांत संगठन मंत्री नागेन्द्र, प्रांत मंत्री राजकिशोर, प्रांत सम्पर्क प्रमुख राणा रणबीर, प्रांत अध्यक्ष कृष्ण देव झा, उपाध्यक्ष शशिनाथ झा, प्रांत सहमंत्री अरविन्द झा, बजरंगदल प्रांत सहसंयोजक शुभम् भारद्वाज, प्रांत अखाड़ा प्रमुख पंकज सिंह शामिल रहे। क्षेत्र मंत्री बिरेंद्र विमल ने कहा कि हाल ही में सुपौल में विहिप मार्गदर्शक मंडल के संतों का सम्मेलन हुआ जिसमें संतों ने अपने क्षेत्र में पालक बनकर धर्मांतरण के बिरूध जनजागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया है।

बजरंगदल का शौर्य जागरण रथ प्रत्येक प्रखंड में भ्रमण करेगी। बैठक का आयोजन विहिप जिला अध्यक्ष पवन कुमार पोद्दार के कुशल नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। विहिप जिला अध्यक्ष पवन कुमार पोद्दार ने अपने आवास पर राष्ट्रीय महामंत्री को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। विहिप पूर्णिया जिला कार्याध्यक्ष मनीष कुमार भारती ने बिरेंद्र विमल को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया, जिला उपाध्यक्ष ब्रजभूषण सिंह ने कृष्ण देव झा जो को अंगवस्त्र से सम्मानित किया, जिला मठ-मंदिर प्रमुख निलाभरंजन झा, उपाध्यक्ष मनोज कुमार मोनू, विनित भदोरिया, संयोजक गुड्डू पटेल, अखाड़ा प्रमुख अभिनव राज केशरी, समरसता प्रमुख अमित कुमार साह, धर्म प्रसार प्रमुख जितेन्द्र सिंह, जिला मंत्री मृत्युंजय प्रसाद सिंह, रंजन कुणाल, हरेकृष्ण यादव, जिला गौरक्षा प्रमुख मुकेश कुमार भगत, जिला मातृ शक्ति संयोजिका मधु भारती, नगर अध्यक्ष वैभव कुमार सिंह, उपाध्यक्ष चंदन राज, मंत्री आनंद कुमार, सेवा प्रमुख पूजन कुमार, नगर संयोजक ब्रजेश कुमार, सहसंयोजक राहुल कुमार राज, प्रमोद कुमार मेहता, कुंदन कुमार ने प्रांत एवं क्षेत्रीय अधिकारीयों को अंगवस्त्र एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

चंद्रयान 3 की सफलता पर हर वर्ग के लोगों में अपार हर्ष व खुशी

- लोगों ने इसरो को दिया बधाई, बताया पूरे देश के लिए गौरव का पल

पूर्णिया । बुधवार की शाम को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारत के चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग पर पूरे देश में हर ओर खुशी और उल्लास का माहौल है। इसी क्रम में पूर्णिया के लोग भी चंद्रयान 3 की सफलता से आह्लादित दिख रहे हैं। चंद्रयान 3 की सफलता पर खुशी जताते हुए कसबा नगर परिषद क्षेत्र से आने वाले भारतीय जनता पार्टी के नेता राजेश कुमार यादव ने कहा कि यह पूरे देश के लिए एक गौरवशाली पल है। चंद्रयान-3 का लैंडर विक्रम बुधवार शाम करीब छह बजे चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर सुरक्षित उतरने में सफल रहा और भारत यह उपलब्धि पाने वाला पहला देश बन गया है। उन्होंने कहा कि यह हरेक भारतीय के लिए गौरवशाली पल और भारत की अंतरिक्ष एवं प्रौद्योगिकी यात्रा में एक यादगार मुकाम है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इसरो की पूरी टीम को बधाई दिया। श्री यादव ने कहा कि यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। इसरो वास्तव में देश का गौरव है। अंतरिक्ष अभियानों का अंजाम देने की क्षमता देश के विश्वास को दशार्ती है और यह भारत का वक्त है। उन्होंने कहा कि यह भारत के 1.4 अरब लोगों के लिए ऐतिहासिक पल है। वहीं इस उपलब्धि पर भाजपा नेता संजय मिर्धा ने इसरो को धन्यवाद देते हुए कहा, सितारों तक पहुंचने का इरादा रखने का तरीका बताने वाले अंतरिक्ष एजेंसी ने निश्चित तौर पर पूरी दुनिया में भारत का मान बढाया है।

इसरो ने हरेक को अपनी क्षमताओं में यकीन करना सिखाया है। दिखाया है कि नाकामी से किस तरह निपटना है और उसका इस्तेमाल फिर से उठ खड़े होने के लिए करना है। उन्होंने कहा कि यह उल्लेखनीय उपलब्धि भारत के अंतरिक्ष अभियान में एक ऐतिहासिक मुकाम है। यह हमारे जुझारूपन और प्रतिभा को भी दशार्ता है इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि वर्षों से वे हमें भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की कामयाबी के पल मुहैया कराते रहे हैं लेकिन यह उनमें खास है और ऐसे पल हर देशवासियों को खुशी का अपार बोध कराता है। सही मायने में इससे पूरे भारत का सम्मान और अधिक बढा है जिसके तारणहार और सूत्रधार भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी यानि हमारा इसरो है।

मेला का जायजा लेने सपरिवार पूर्व केन्द्रीय मंत्री पहुंचे अजगैविनाथ धाम

मेला क्षेत्र में आगमन के साथ राजद कार्यकताओं ने किया जोड़दार स्वागत

- मेला स्थल का जायजा लेने के साथ कांवरियों के बीच किया फल प्रसाद का वितरण, कार्यकताओं ने भी किया सहयोग

प्रात : किरण ब्यूरो

शाहकुंड (भागलपुर)। श्रावण मास को लेकर आयोजित मेला का जायजा लेने के लिए पुर्व केन्द्रीय मंत्री सह पुर्व बांका सासंद जयप्रकाश नारायण यादव एंव तारापुर के राजद विधायक प्रत्याशी दिव्या प्रकाश अपने परिवार के साथ सुलतानगंज के अजगैविनाथ परिक्षेत्र स्थित कृष्णगढ़ पहुंचने। उनके आगमन को लेकर स्थानीय राजद कार्यकताओं ने उनका फुल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस दौरान पुर्व केन्द्रीय मंत्री जयप्रकाश नारायण यादव एंव तारापुर के राजद विधायक प्रत्याशी दिव्या प्रकाश ने अपने माता पिता व बहन के साथ सैकड़ों कांवरियों को सेब, केला सहित अन्य फल का प्रसाद वितरण किया। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अपनी समुचित सहयोगी टीम के साथ कांवरिया सेवा कार्य गतिविधियों को लेकर संचालित शिविर का जायजा लेते हुए मिडिया प्रतिनिधि से बातचीत में बताया कि आयोजित मेला में लगातार देश विदेश के कांवरिया अजगैविनाथ धाम गंगा घाट पर पहुंच स्नान करने के साथ जल को कांवर में ले पैदल व वाहन यात्रा पर रवाना हो रहे हैं, इस दौरान कांवरियों की भीड़ के जुबान पर बोलबम का नारा है बाबा एक सहारा है, के जयकारों से गुंजायमान के साथ देवघर के पवित्र नगरी बैधनाथ धाम को जाते है। इसके लिए हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी देश व विश्व में सुख शांति व उन्नति बनी रहे जिस मनोकामना पूर्ति को ले रवाना हो रहे हैं, इन कांवरियों सहित सभी शिव भक्तों की मनोकामना बाबा भोलेनाथ पूर्ण करे। इसके लिए कांवरियों के बीच सेवा भाव से पूरे परिवार व कार्यकताओं के साथ मिलकर फल का प्रसाद वितरण कांवरिया पथ में किया जा रहा है। वही श्रावणी मेला को राष्ट्रीय मेला का दर्जा नहीं दिये जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इसके लिए सांसद भवन में श्रावणी मेला को राष्ट्रीय मेला का मांग किया है, लेकिन भाजपा की सरकार इसे सफल होने नहीं दे रहे हैं। वही दूसरी तरफ भाजपा सांसद जनार्धन सिंह सीग्रीवाल ने कहा कि बिहार में चर्मबद्ध रूप से अपराध की घटना घटित हो रही है, यह वर्तमान महागठबंधन की सरकार के साशन में बढ़ा है। वही भाजपा के कटाक्ष सवाल पर पुर्व केन्द्री मंत्री जयप्रकाश यादव ने कहा कि भाजपा को कोई काम नहीं है, भाजपा देश में नफरत फैलाना, भाईचारो को खत्म करने का काम कर रही है, विगत दिनों मणिपुर की घटना पर भाजपा चुप्पी क्यूं साधे हुए हैं, आरएसएस भाजपा के साथ मिलकर भाईचारे को खत्म कर नफरत की बीज बोने के साथ सत्ता हासिल करने का काम कर रही है। इस लिए पूरे देश में महागठबंधन के नेतृत्व में देश से भाजपा भगाओ, देश बचाओं के मुहिम के साथ आगामी लोकसभा चुनाव में जनता का पूरा समर्थन महागठबंधन के साथ है, और महागठबंधन की सरकार भारी बहुमत में बनाने जा रही हैं, साथ ही तारापुर राजद के पुर्व विधायक प्रत्याशी सह राष्ट्रीय परिषद सदस्य दिव्या प्रकाश ने आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर कहा कि महागठबंधन पार्टी हर धर्मों को जोडते हुए बिहार 40 के 40 सीटों पर विजय हासिल करने जा रही हैं, वही विरोधी भाजपा इन दिनों जो गरीबों असहाय लोगों के साथ जो छलावा राजनीति कर पूंजीवाद को बढ़ावा देने के काम में लगी है, वो कभी सफल नहीं होंगे, भगवान के घर देर है अंधेर नही बुरा परिणाम का फल अवश्य ही मिलेगा भगवान भोलेनाथ सब देख रहे हैं, झूठ का बोल लाख प्रभाव डाले लेकिन अंत में सत्य का त्रीव रोशनी में स्वाहा हो भस्म हो जाता हैं। इस दौरान राजद के पुर्व विधायक फलिन्द्र चौधरी, पुर्व बांका सांसद प्रतिनिधि अरविंद यादव, पुर्व विधायक प्रत्याशी रामावतार मंडल, राजद जिलाध्यक्ष चन्द्रशेखर यादव, जिला परिषद सदस्य सह राजद महिला जिलाध्यक्ष आशा जयसवाल, अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष नटबिहारी मंडल, संजीव कुमार सुमन, राजद नगर अध्यक्ष अफरोज आलम, राजद जिला युवा उपाध्यक्ष दिलिप गुप्ता, शिशिर कुमार सिंह, मो. मेराज, राजपति यादव,मो. मंजूर, पंकज शर्मा, विपिन मंडल, सकलदेव यादव, किरण भारती, बैबी देवी सहित राजद के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

चंद्रयान 3 के सफल लैंडिंग पर भाजपा पदाधिकारी और कार्यकताओं ने मनाया जश्न

पूर्णिया । भारतीय जनता पार्टी जिला पूर्णिया द्वारा जिला अध्यक्ष राकेश कुमार के नेतृत्व में पूर्णिया जिला स्थित आर. एन. साह चौक पर चंद्रयान-3 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग के बाद पूर्णिया भाजपा पदाधिकारी व कार्यकताओं ने जश्न मनाया। चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग पर जिला अध्यक्ष राकेश कुमार ने कहा चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग नए भारत की सामर्थ्य और शक्ति का सशक्त प्रदर्शन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन में इसरो के वैज्ञानिकों ने वह कर दिखाया जो कोई नहीं कर सका। चंद्रमा का दक्षिणी ध्रुव अब तक दुनिया के लिए असंभव था, लेकिन हमारे दूरदर्शी वैज्ञानिकों ने इसे संभव कर दिखाया है। इसरो के सभी वैज्ञानिकों को इस सफलता के लिए बधाई और देशवासियों को शुभकामनाएं देता हूं। इस दौरान भाजपा पूर्णिया निर्वतमान जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल रंजन वर्मा, किशनगंज प्रभारी मनोज सिंह, जिला उपाध्यक्ष रामनारायण मेहता, राजीव राय, राजेश रंजन, अर्चना साह, जिला महामंत्री अरुण राय उर्फ पलक, जिला मंत्री संजय पोद्दार, मीनाक्षी सिन्हा प्रीति सिंह,चंदन पासवान, प्रदेश मंत्री विजय राय, वरिष्ठ कार्यकर्ता विजय मांझी, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता एवं मोर्चा पदाधिकारी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सरिता राय एवं मोर्चा पदाधिकारीगण, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ संजय सिंह, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष मो अजहर आलम एवं उनकी टीम, प्रवीण चौरसिया, अभ्यम लाल, अनिल चौधरी, सोशल मीडिया जिला सह संयोजक शुभम झा, मनोज चौधरी, भाजपा पूर्णिया सदर मध्य भाग अध्यक्ष राजेश चौरसिया, भाजपा नेता संजय मोहन प्रभाकर, प्रकाश दास, विनोद सिन्हा, आदित्य कर्ण, संजय पटवा, पवन भगत, प्रमोद पंसारी एवं समेत कई भाजपा कार्यकर्ता बंधु उपस्थित थे।

धूम्रपान से टीबी और श्वसन से संबंधित बीमारियों का अत्यधिक खतरा: सिविल सर्जन

- तंबाकू सेवन से टीबी सहित कैंसर का अत्यधिक खतरा: सीडीओ

प्रात : किरण,संवाददाता

पूर्णिया । भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025 तक पूरे देश को टीबी मुक्त करने का संकल्प लिया गया है। जिसको लेकर जिला सहित अन्य क्षेत्रों में जागरूकता अभियान के तहत बचाव और सुरक्षित रहने के लिए सामुदायिक स्तर पर सहयोगी संस्थाओं के सहयोग से कई तरह के कार्यक्रम को संचालित किया जा रहा है। साथ ही टीबी के मरीजों को सरकार द्वारा निःशुल्क दवा के साथ ही पोषण की राशि और पौष्टिक आहार के रूप में फूड पैकेट उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं स्थानीय जिलेवासियों में तंबाकू और धूम्रपान का सेवन करने के कारण टीबी जैसी घातक बीमारियों के संक्रमण दर में इजाफा ही हो रहा है। जिस कारण टीबी मुक्त भारत का सपना साकार होने में थोड़ी सी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। सिविल सर्जन डॉ अभय प्रकाश चौधरी ने बताया टीबी जैसी संक्रमित बीमारी से ग्रसित मरीजों के लिए तंबाकू सेवन और भी अधिक खतरनाक साबित हो सकता है। तंबाकू का इस्तेमाल, हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर, फेफड़े की पुरानी बीमारी सहित कई बीमारियों का जन्म देता है। तंबाकू का उपयोग संक्रामक रोग जैसे- टीबी और श्वसन से संबंधित अन्य बीमारियों के लिए भी खतरानाक होता है। धूम्रपान के कारण टीबी रोग पैदा करने वाले माइक्रोबैक्टेरिया से लड़ने में रोगी की प्रतिरक्षा प्रणाली को हद से अधिक कमजोर बना देता है। धूम्रपान करने वाले टीबी की व्यापकता धूम्रपान नहीं करने वालों की तुलना में तीन गुना अधिक होती है। इसके अलावा सिगरेट और पान मसाला सहित अन्य बीमारियों में भी प्लमोनरी संक्रमण के जोखिम को बढ़ा देता है।

जिला संचारी रोग पदाधिकारी डॉ मिहिरकांत झा ने बताया कि काफी लंबे समय तक धूम्रपान करने के कारण फेफड़े और सांस की नली में कैंसर होने की संभावना ज्यादा होती है। जबकि तंबाकू उत्पाद जैसे- तंबाकू, गुटखा या पान मसाला खाने या चबाने के कारण मुंह का कैंसर होने की शिकायत होती है। धूम्रपान करने से कैंसर के साथ ही टीबी जैसी संक्रमित बीमारी होने की संभावना सबसे ज्यादा होती है। जिस कारण धूम्रपान टीबी की रोकथाम में प्रतिकूल प्रभाव डालता है। तंबाकू सेवन से हो रही टीबी जैसी बीमारियों को नियंत्रित करने की कोशिश स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार की जा रही है। लेकिन अभी भी इस अभियान में तेजी लाने की आवश्यकता है।

चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग पर कांग्रेस कार्यकताओं ने जताया हर्ष

पूर्णिया । पूर्णिया जिला कांग्रेस कमेटी के नेताओं ने चांद पर चंद्रयान 3 के सफल लैंडिंग के लिए इसरो के सभी वैज्ञानिकों को बधाई दिया। पार्टी के जिला अध्यक्ष नीरज सिंह, वरिष्ठ नेता रंजन सिंह, आस नारायण चौधरी, मोहम्मद अलीमुद्दीन, गौतम वर्मा, जवाहर किशोर, जयवर्धन सिंह, असरार हाशमी आदि ने कहा की देश के प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय जवाहरलाल नेहरू ने इसरो की स्थापना की थी आज उनकी आत्मा को बहुत ही खुशी मिली होगा कि उनके द्वारा स्थापित इसरो आज दुनिया में अपना परचम लहरा रहा है। देश के वैज्ञानिकों ने जो त्याग तपस्या कर चांद पर चंद्रयान-3 को उतारा उससे देश के प्रत्येक नागरिकों का सर ऊंचा हुआ है और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को एक मजबूती मिली है। आज का दिन भारत के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा आज के दिन का लोगों को इंतजार था।

खाद व्यवसायी आत्महत्या मामले की जांच को लेकर डीएम एवं एसपी को आवेदन

पूर्णिया । भवानीपुर खाद व्यवसाई दीनदयाल साह की हुई आत्महत्या मामले पर अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जिला अध्यक्ष बमबम साह ने मौत की गुत्थी सुलझाने के लिए जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक से मृतक की पत्नी द्वारा भवानीपुर पुलिस थाना में दिए गए आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए बारीकी से जांच कराए जाने की मांग किया है। बमबम साह ने उक्त मामले से मिली जानकारी के आधार पर बताया कि मृतक की पत्नी रितु देवी ने अपने लिखित आवेदन पर कही है कि अपने खेत में देने के लिए उनके घर पर मात्र दो बोलत कीटनाशक दवाई रखी हुई थी। वर्तमान धमदाहा अनुमंडल कृषि पदाधिकारी द्वारा इसी बाबत उनके पति को सरकारी मुकदमा चलाने की धमकी देकर 50 हजार रूपए रिश्वत देने की मांग किया और तत्काल घर में उपलब्ध 30 हजार रूपए लेते हुए बाकी 20 हजार देने की बात कहा। उस दिन के बाद से लगातार अनुमंडल कृषि पदाधिकारी द्वारा उनके पति पर 20 हजार रूपए देने के लिए दबाव देते रहें जिससे तंग आकर उनके पति ने जहर खाकर आत्महत्या कर लिया। इस तरह उनकी पत्नी ने अपने पति की मौत का कारण धमदाहा अनुमंडल कृषि पदाधिकारी के दबाव से मानसिक तनाव में होने की दावा करते हुए भवानीपुर पुलिस थाना में आवेदन दी है। उक्त संगीन मामले में हुए खाद व्यवसाय की मौत का न्याय दिलाने को लेकर अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की जिला टीम अपने वैश्य परिजन के साथ हर वक्त साथ देने की भी बात कही है।

चंद्रयान 3 की सफलता से भारत ने रचा एक इतिहास: मंजर खान

पूर्णिया । इसरो वैज्ञानिकों के कड़ी मेहनत, सच्ची लगन और बुलंद हौसले के बल पर बीते बुधवार को चंद्रयान 3 चंद्रमा पर सफल लैंडिंग के साथ न सिर्फ एक इतिहास रचा है, बल्कि विश्व के इतिहास में भी अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा लिया है। चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग को लेकर इस मिशन से जुड़े सभी वैज्ञानिकों उनके सहयोगी गण एवं समस्त भारतवासी बधाई के पात्र हैं। उक्त बातें समाजसेवी सह राजद नेता मंजर खान ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा। उन्होंने कहा कि इस मिशन से जुड़े इसरो के वैज्ञानिकों के कठिन परिश्रम का परिणाम है कि आज चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला भारत विश्व का पहला देश होने का गौरव हासिल किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका चीन और रूस के अलावा चंद्रमा पर अपना यान उतारने वाला भारत चौथा देश होने का गौरव हासिल किया है। श्री खान ने कहा कि इसरो वैज्ञानिकों के कड़ी मेहनत और सकारात्मक सोच के बल पर 23 अगस्त को अंतरिक्ष के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने में न सिर्फ भारत कामयाबी हासिल की है बल्कि चांद पर भी देश की आन बान और शान कहे जाने वाले भारतीय तिरंगा को लहराने में भी सफलता हासिल कर हम भारतवासी को एक बड़ा तोहफा

विद्यालय का ताला तोड़कर मध्याह्न भोजन के चावल की हुई चोरी

पूर्णिया/केनगर । कृत्यानंद नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बिठौली पश्चिम पंचायत के मध्य विद्यालय कठौतिया के मुख्य प्रवेश द्वार का ताला तोड़ विद्यालय परिसर घुसे अज्ञात चोरों द्वारा भंडार कक्ष का ताला तोड़ कर 24 बोरी, करीब 12 क्विंटल मध्यान्ह भोजन योजना मद की चावल चोरी कर लेने का मामला प्रकाश में आया है। घटना बीते मंगलवार 22 अगस्त 2023 की देर रात्रि की बतायी जाती है। रसोइया से जानकारी मिलते ही बुद्धवार सुबह करीब छह बजे प्रभारी प्रधानाध्यापक सुभाष कुमार विद्यालय पहुंचे और चोरी हुई चावल का आंकलन करते हुए उन्होंने केनगर थाना पुलिस को आवेदन दिया है। प्रभारी प्रधानाध्यापक ने बताया कि चोरों ने मुख्य प्रवेश द्वार के ताले तोड़ कर किसी माल वाहक वाहन को विद्यालय परिसर के अंदर लाया होगा और भंडार कक्ष के ताले को काट डाला तथा एमडीएम का 24 बोरी चावल वाहन पर लाद कर फरार हो गया। प्रधानाध्यापक ने बताया कि चोरों ने एक अन्य कमरे के भी ताले तोड़े जहां कुछ हाथ नहीं लगा। थानाध्यक्ष मुकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि विद्यालय के प्रधानाध्यापक ओर से आवेदन दिया गया है घटना की सघन छान - बीन एवं जांच की जा रही है।

महिला के साथ दुष्कर्म करते युवक धराया

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। नवगछिया पुलिस जिला के कदवा ओपी थाना परिक्षेत्र अंतर्गत लक्ष्मीनियां कदवा इलाके में विगत रात गांव के हीं एक आशिक मिजाज युवक के सर पर इस तरह इश्क का भूत सवार हुआ कि एक महिला के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश के उद्देश्य को लेकर गांव में लगे दो ट्रांसफार्मर की बिजली काट पूरे गांव को अंधकार में दाल दिया। जिसके बाद युवक स्थानीय इलाके के एक घर में सोई हुई एक महिला के घर में घुस कर युवक ने हथियार का भय दिखा कर जान मारने की धमकी देते हुए उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। वही जब पीड़ित महिला के पति दरबाजे पर सोया हुआ था तो घर में शोरगुल होने की आवाज सुनकर पति घर के अंदर प्रवेश किया तो उसने उक्त युवक को अपनी पत्नी के साथ जबरदस्ती करते रंगेहाथ पकड़ लिया। जिसके बाद सोर मचाने पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। वही ग्रामीणों ने आरोपी युवक के हाँथ व पैर को बांध कर जमकर उसकी धुनाई कर दी। वही उक्त घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

जीते जी मार रहा है सरकारी कागज, कार्यालय पहुंच अधिकारियों से जीवित होने की लगा रहे है फरियाद

सरकार के नुमाइंदों से लगा रहा फरियाद, जारी आधार कार्ड में मुझे जिंदा कर दो साहब: वृद्ध

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। नवगछिया पुलिस जिला क्षेत्र में आश्चर्य चकित कर देने वाली घटना प्रकाश में आई है, जहां एक बुजुर्ग व्यक्ति यह गुहार लगाते दिखा कि साहब अभी मैं जिंदा हूं, यह कहते हुए अनुमंडल सहित प्रखंड कार्यालय व आरटीपीएस काउंटर के चक्कर काटते हुए रंगरा गांव वार्ड नंबर 9 के दिलीप मंडल है जो अपनी जीवित होने की सरकारी कार्यालय के चक्कर लगाते हुए अचानक रोने लगा था। इनकी कहानी आपको भले ही फिल्मी लगेगी, यह वाक्या बिल्कुल ही पूर्व में दिखाई गई बॉलीवुड की एक काल्पनिक फिल्म पीपली लाइव पर आधारित है। उक्त फिल्म में दिखाया जाता है कि नत्था नामक अभिनय करने वाले युवक को अपने जीवित होने का प्रमाण देना पड़ता है। लेकिन उक्त फिल्म में दिखाई गयी रचनात्मक लेखन का जीता जागता उदाहरण रंगरा प्रखंड क्षेत्र के रंगरा गांव के वार्ड नंबर 9 के दिलीप मंडल नामक व्यक्ति के साथ बिल्कुल ही मिलती जुलती हुई प्रमाणित है, आपको बता दें कि दिलीप मंडल की उम्र करीब 60 वर्ष है। लगातार 1 महीने से वह रंगरा प्रखंड कार्यालय में चक्कर लगा रहा है ताकि वह अपने आप को जीवित साबित कर सके। वास्तविक रूप में मामला यह है कि जब प्रातः किरण की टीम ने रंगरा प्रखंड क्षेत्र में बाढ़ क्षेत्र का जायजा लेने पहुंचे तो प्रखंड कार्यालय परिसर में स्थानीय रंगरा गांव के वृद्ध दिलीप मंडल ने रोते हुए अपना दुखड़ा सुनाया उन्होंने कहा कि साहब मुझे जिंदा करवा दीजिए, वही टीम द्वारा उसे सहानुभूति दिलाशा देते हुए पूछा कि ऐसा क्या हुआ है आप क्यों रो रहे हैं, तो उन्होंने बताया कि आधार कार्ड में मुझे मृत घोषित कर दिया गया है, जब मैंने आधार कार्ड बनवाने दिया था तो आधार कार्ड मेरे नाम से ना बनकर मेरे पिताजी के नाम से बनकर आ गया है जो कि उनकी मृत्यु 15 वर्ष पूर्व ही हो चुकी है। जिस समय जिले में आधार कार्ड बनता भी नहीं था, उस समय के डाटा को लेकर मेरे पिताजी के नाम से आधार कार्ड बन कर आ गया है। आधार कार्ड में मेरे पिताजी का नाम और फोटो है लेकिन मेरे नाम से आधार कार्ड नहीं बना है, और सरकारी आंकड़ों में मुझे मृत घोषित कर दिया गया है। हालांकि मेरे नाम से वोटर आईडी कार्ड एवं राशन कार्ड उलब्ध है, इस बात को जब मैं अंचल के कर्मियों को बताता तो वह सभी मेरे ऊपर हंसते हैं, और कल आने की बात कह कर करीब 1 महीने से चक्कर कटवा रहे हैं। इसको लेकर जब हमारे टीम ने रंगरा प्रखंड क्षेत्र के आधार सेंटर पर इसकी जानकारी लेनी चाहती हो उन्होंने बताया कि टेक्निकल इशू है, जिसमें की दिलीप मंडल नाम का व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया गया है, यह गलती कहां हुई और किस तरह हुई यह हमें नहीं मालूम है। वही रंगरा प्रखंड के बीडीओ से जब हमारी बात की तो उन्होंने बताया कि हमारी अभी नई-नई जॉइनिंग हुई है, और इसके बारे में जानकारी नहीं है। हालांकि आधार केंद्र एवं अन्य जगहों से इसके बारे में पूछताछ कर जानकारी प्राप्त करने के साथ उक्त मामले से जुड़ी हुई वास्तविक रूप से अवगत होने के साथ जानकारी ले रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ दिलीप मंडल जो सरकारी दस्तावेजों के डेटा वेस में पंजीकृत होने के साथ जारी आधार कार्ड में मृत घोषित हो चुके हैं, उन्होंने रोते हुए कहा कि साहब मुझे जिंदा करवा दीजिए, आधार कार्ड ना होने के कारण मुझे कोई भी सरकार द्वारा जारी योजना का लाभ नहीं मिल रहा है और ना तो किसी सरकारी कार्य में भाग ले पा रहा हूं। वही परिवारिक केस मुकदमे में भी मुझे मृत घोषित कर मेरे जीवित अवस्था में दूसरे पक्ष के लोग मेरे नाम का लाभ उठा रहे हैं। वही रंगरा प्रखंड कार्यालय में जब इसकी जानकारी ली गई तो सबों ने एक दूसरे के ऊपर इसकी गलती को बताया और उक्त वृद्ध व्यक्ति को रांची जाने की बात कह सलाह दी गई, वही उन्होंने बताया कि रांची जाकर इसका सुधार करवा सकते हैं, जहां की आधार सेंटर का मुख्य कार्यालय है। इस बात को सुनते ही 60 साल के वृद्ध दिलीप मंडल बताते हैं कि रांची जाना मेरे लिए बहुत मुश्किल साबित होगा। मैं गरीब हूं और मुझे अपने क्षेत्र में ही इसकी सुधार करवा दिया जाय। अब सरकार के प्रतिष्ठित नुमाइंदे पर एक बड़ा सवाल खड़े हो रहे हैं कि जिनकी आंखों व हांथो की अंगुलियों के प्रमाण लिया जाता हो तो उक्त व्यक्ति का मृत घोषित किया जाना किसकी गलती साबित होंगी, डेटा का या फिर अधिकारी व कर्मचारियों का जो जाने इस तरह के कितने लोग बिहार में सरकारी कार्यालय परिसर में चक्कर काट अपने घर परिवार की नजरों में जीवित रहने के साथ मृत घोषित आधार कार्ड के प्रमाण पत्र ले सुधार करने के लिए भटक रहे हैं। ये जांच का विषय बन गया है। अब देखना है यह है कि सरकार व स्थानीय जिला प्रशासन इस मामले पर किस तरह के लापरवाह बरतने वाले लोगों पर किस प्रकार कार्रवाई कर गरीब वृद्ध व्यक्ति को न्याय दिलाने का सहयोग करती हैं।

राजद के युवा जिला अध्यक्ष द्वारा 29 अगस्त को निःशुल्क बोलबम सेवा शिविर का होगा आयोजन

पूर्णिया । राष्ट्रीय जनता दल के युवा जिला अध्यक्ष नवीन यादव हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन की अंतिम सोमवारी पर निःशुल्क बोलबम सेवा शिविर का आयोजन करने हेतु पूरी तरह से तैयार हैं। कसबा प्रखंड के नवीनगर स्थित जोरा गुमटी के पास युवा जिला अध्यक्ष श्री यादव के द्वारा आगामी 29 अगस्त को बाबा भोलेनाथ के भक्तों की सेवा हेतु निःशुल्क बोलबम सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन से आसपास का पूरा वातावरण हर हर महादेव, बोल बम के जयकारों से गुंजायमान रहेगा। इस बाबत राजद के युवा जिला अध्यक्ष नवीन यादव ने कहा कि बोलबम सेवा शिविर में कांवरियों के लिए कई विशेष व्यवस्थाएं की जायेगी। कांवरियों को राह में किसी प्रकार की कोई परेशानी ना

क्या सारा होंगी बीवी नंबर 1 के रीमेक के लिए सबसे बड़ी पसंद?

99 की फिल्म बीवी नंबर 1 सलमान खान, करिश्मा कपूर और सुष्मिता सेन की एक हिट कॉमेडी थी। फिल्म को डेविड धवन द्वारा निर्देशित और वाशु भगनानी द्वारा निर्मित किया गया था। फिल्म की अपार सफलता को ध्यान में रखते हुए , कई प्रशंसक यश कयास लगा रहे हैं कि क्या इसके रीमेक पर काम चल रहा है? अगर बीवी नंबर 1 2023 में बनी, तो करिश्मा कपूर द्वारा निभाई गई पूजा मेहरा के किरदार के लिए अभनेत्री सारा अली खान सबसे अच्छी और पसंदीदा अभिनेत्री होंगी। सारा अली खान एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं जिन्होंने भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में अपना नाम बनाया है। उन्होंने 2018 में फिल्म केदारनाथ से अपनी बॉलीवुड जर्नी की शुरुआत की और सिम्बा से लेकर लव आज कल सहित कई सफल फिल्मों में अभिनय किया है। वह अपनी स्वाभाविक अभिनय क्षमता, अपने आकर्षण और चुलबुलेपन को न भूलने के लिए जानी जाती हैं, इसके अलावा एक अभिनेत्री के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा उन्हें करिश्मा के रूप में बीवी की भूमिका के लिए बिल्कुल उपयुक्त बनाती है। अगर बीवी नंबर 1 2023 में बनी, तो मुख्य भूमिका के लिए सारा अली खान एक बेहतरीन च्वाइस हो सकती हैं। हाल ही में रिलीज़ हुई ज़रा हटके ज़रा बचके के साथ, उन्होंने साबित कर दिया है कि वह गंभीर नाटकों से लेकर हल्की-फुल्की कॉमेडी तक कई तरह की भूमिकाएं निभा सकती हैं, और वह हमेशा प्रत्येक किरदार को अपना बनाने में सफल रहती हैं। कहानी की शैलियों को अपनाने की उनकी क्षमता ने उन्हें दर्शकों और आलोचकों के बीच सबसे पसंदीदा बना दिया है। अपने अभिनय कौशल के अलावा, सारा अली खान में एक नेचुरल करिश्मा है जो एक मौज-मस्ती करने वाली, अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित, हमेशा तत्पर रहने वाली और निश्चित रूप से शरारती पत्नी की भूमिका के लिए बिल्कुल सटीक होगी। उनमें हास्य की बहुत अच्छी समझ है और उन्होंने दिखाया है कि वह हास्य भूमिकाएं आसानी से निभा सकती हैं। अपने सह-कलाकारों के साथ उनकी केमिस्ट्री हमेशा मजबूत रहती है और उनमें दर्शकों के साथ जुड़ने की स्वाभाविक क्षमता हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सारा फिल्मों के लिए बेहतरीन पसंद हैं और अपनी देसी गर्ल वाली छवि दिखाने में कभी असफल नहीं होती हैं! उनकी पहली फिल्म केदारनाथ से लेकर उनकी सबसे हालिया हिट, जरा हटके जरा बचके तक, एक देसी लड़की के रूप में उनके किरदारों को हमेशा प्यार और प्रशंसा मिली है! बेशक, ऐसे कई फैक्टर हैं जो कास्टिंग निर्णयों में शामिल होते हैं, और अब यह फिल्म निर्माताओं पर निर्भर करता है कि वह यह तय करें कि भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त कौन होगा। हालांकि, अगर बीवी नंबर 1 2023 में बनाई जाए और सारा अली खान को मुख्य भूमिका निभाने के लिए चुना गया, तो निश्चित रूप से एक्ट्रेस भूमिका में अपना अनोखा आकर्षण और प्रतिभा लाएँगी, और फिल्म को दर्शकों के बीच हिट बनाने में मदद करेंगी।

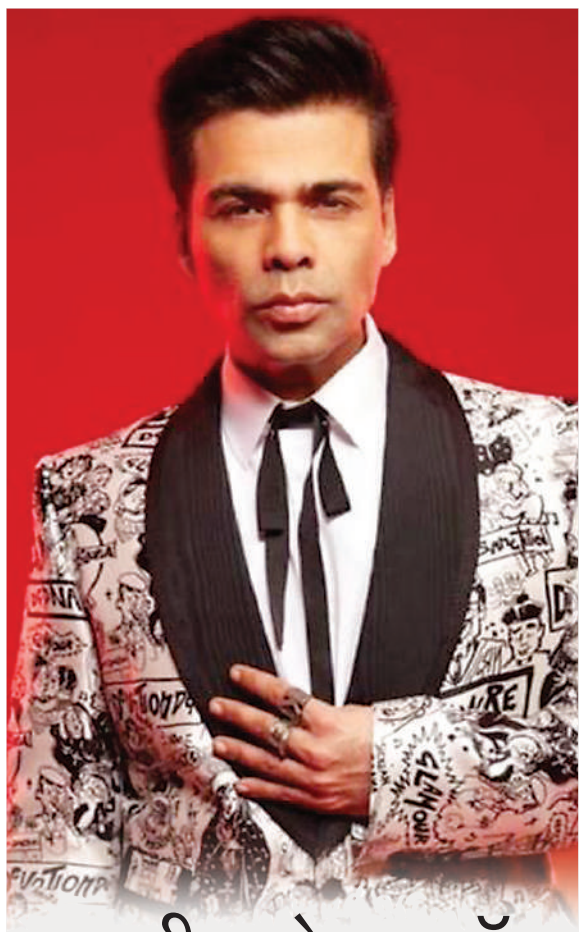

रणवीर को डायलॉग राइटिंग के लिए क्रेटिड देना चाहते थे करण जौहर

अभिनेता रणवीर सिंह इन दिनों अपनी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक्टर ने खुलासा किया कि वह अक्सर फिल्मों में अपनी लाइन्स खुद लिखते हैं। उन्हें बेहतर तरीके से याद रखने कि लिए उनमें बदलाव भी करते हैं। बता दें कि एक्टर बनने से पहले रणवीर राइटिंग में हाथ आजमा रहे थे। आज भी वह अपनी फिल्मों के डायलॉग के साथ प्रयोग करते हैं। हालांकि, उनके अंदर क्रेडिट की भूख नहीं है। इस बारे में रणवीर ने हाल ही में खुद खुलासा किया।

राइटिंग में बना रहे थे करियर

रणवीर ने यह भी बताया कि एक समय था जब उन्होंने नहीं सोचा था कि वह अभिनेता भी बनेंगे। अभिनय की बजाय वह सक्रिय रूप से राइटिंग में करियर बना रहे थे। हालांकि, चीजें बदलीं और फिर एक्टिंग की दुनिया में आए। रणवीर का कहना है कि राइटिंग के उनके अनुभव ने उनकी फिल्मों की लाइन्स में प्रयोग करने में मदद की। डायलॉग राइटिंग में भी उनका आत्मविश्वास बढ़ा।

करण जौहर भी कर चुके तारीफ

रणवीर सिंह ने कहा कि करण जौहर भी उनकी राइटिंग प्रतिभा की तारीफ कर चुके हैं। यहां तक कि वह एक्टर को रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में डायलॉग राइटिंग में क्रेडिट भी देना चाहते थे। हालांकि, एक्टर ने खुद इसके लिए मना कर दिया। रणवीर सिंह का कहना है कि वह और ही एक्टर्स होते हैं, जो डायलॉग राइटिंग के लिए अलग से क्रेडिट लेते हैं, उनका यह स्टाइल नहीं है। हालाकिं, रणवीर सिंह की इस टिप्पणी को नेटिजन्स कंगना रणौत से जोड़कर देख रहे हैं।

कंगना को मिला था इन फिल्मों में क्रेडिट

फिल्म क्वीन में विकास बहल ने कंगना को शूटिंग के दौरान अपनी लाइन्स सुधारने के लिए प्रोत्साहित किया था, इस फिल्म में उन्हें एडिशनल डायलॉग राइटर के रूप में क्रेडिट दिया गया था। कंगना को सिमरन (2017) की कहानी, डायलॉग और स्क्रीनप्ले के लिए भी क्रेडिट दिया गया था। इसे लेकर लेखक अपूर्व असरानी ने हंसल मेहता के साथ असहमति जताई थी। इसी वजह से यूजर्स रणवीर सिंह की हालिया टिप्पणी को कंगना से जोड़कर देख रहे हैं।

सालार में डबल रोल निभाएंगे प्रभास

साउथ सुपरस्टार प्रभास की अपकमिंग फिल्म सालार पार्ट वन- सीजफायर से फैंस समेत मेकर्स को काफी उम्मीदें हैं। मूवी दुनिया भर में पांच हजार से अधिक स्थानों पर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। साथ ही इससे जुड़ा हर एक अपडेट हेडलाइन का हिस्सा बन रहा है। वहीं, प्रभास की इस आने वाली फिल्म को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। खबर आ रही है कि सालार में प्रभास डबल भूमिका में नजर आएंगे। केजीएफ के निर्माता प्रशांत नील द्वारा निर्देशित प्रभास की मोस्ट अवेटेड फिल्म सालार अपनी रिलीज की तारीख के करीब आ रही है और फैंस के बीच उत्साह स्पष्ट है। जहां एक तरफ प्रशंसक ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, वहीं फिल्म के बारे में रोजाना खबरें सोशल मीडिया पर हलचल मचा रही हैं। अब खबर आ रही है कि फिल्म 'सालार' के कुछ सीन लीक हो गए हैं और इससे पता चल रहा है कि अभिनेता दोहरी भूमिका निभाते नजर आएंगे प्रभास मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो प्रभास का एक किरदार खुद को एक हजार दुश्मनों की सेना से घिरा पाएंगे। वहीं, आगे फिल्म में प्रभास का एक किरदार उन्हें दुश्मनों से बचाने के लिए सामने आएगा। फिल्म की टीम कहानी को लीक होने से पूरी तरह बचाने के प्रयास में लगी हुई है। इसलिए मेकर्स ने पोस्ट प्रोडक्शन के लिए जगह का भी बदलाव कर दिया है। अब फैंस इस नई खबर को सुनकर फूले नहीं समा रहे हैं। 'आदिपुरुष' के बाद अब फैंस एक बार फिर प्रभास को बड़े स्क्रीन पर देखने के लिए बेताब हैं।

डॉन 3 में निर्देशन के साथ अभिनय का तड़का भी लगाएंगे फरहान अख्तर

लंबे इंतजार के बाद फरहान अख्तर ने अपनी बहुप्रतीक्षित सीरीज डॉन के तीसरे पार्ट का एलान किया था। पिछले काफी समय से चर्चाओं में बने रहने के बाद आखिरकार एलान के साथ साफ हो गया है कि फिल्म में इस बार शाहरुख खान को नहीं बल्कि रणवीर सिंह को 12 मुल्कों की पुलिस ढूंढने वाली है। इस घोषणा ने डॉन के फैंस दो पक्षों में बांट दिया था। एक तरफ जहां रणवीर के फैंस इस एलान से खुश थे, वहीं बहुत से ऐसे थे जो शाहरुख खान के रिप्लेस होने से नाखुश थे। लेकिन, किसी भी परवाह न करते हुए फरहान अख्तर अपने फैसले अब अडिग रहे। इसके बाद से ही फिल्म की लीड एक्ट्रेस को लेकर अफवाहों का बाजार गर्म है, लेकिन अब इस बीच फरहान अख्तर ने डॉन 3 पर नया अपडेट साझा किया है। अंडरवर्ल्ड किंग की गाथा को आगे बढ़ाने वाली डॉन 3 अपने एलान के पहले ही सुर्खियां बटोर रही थी। लेकिन जब से फरहान अख्तर ने फिल्म की घोषणा की है, तब से फैंस के बीच इसका जबर्दस्त बज बना हुआ है। फैंस को रणवीर सिंह पर संदेह है कि क्या अभिनेता, अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान की इस विरासत को आगे ले जा पाएंगे। बीते दिनों डॉन 3 को लेकर जानकारी आई थी कि इसमें एक्ट्रेस कियारा आडवाणी लीड रोल में नजर आ सकती हैं, लेकिन बाद में कृति सेनन के नाम की अफवाहों सुनने मिली थीं। हालांकि, फैंस चाहते हैं कि शोभिता धुलिपाला इस किरदार को निभाएं। अभी मेकर्स ने डॉन 3 में रोमा के किरदार को निभाने वाली अभिनेत्री के नाम पर किसी भी तरह का रिएक्शन नहीं दिया है। अभिनेत्री के नाम पर सोशल मीडिया पर लगातार चल रही अटकलों के बीच फरहान अख्तर ने डॉन 3 पर नया अपडेट साझा कर तहलका मचा दिया है। खबर यह है कि फरहान सिर्फ एक निर्माता ही नहीं बल्कि एक अभिनेता के रूप में भी डॉन 3 का हिस्सा होंगे। यह खबर फरहान ने हाल ही में एक मीडिया संस्थान के साथ की गई बातचीत के दौरान साझा की। रणवीर की कास्टिंग के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें चिंता नहीं है क्योंकि अभिनेता ने खुद को वास्तव में एक अच्छा और बहुमुखी अभिनेता साबित किया है। फरहान अख्तर ने कहा, मैं बिना किसी संदेह के कह सकता हूं कि वह फिल्म में बिल्कुल शानदार प्रदर्शन करेंगे। आलिया भट्ट, कटरीना कैफ और प्रियंका चोपड़ा की जी ले जरा के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि उनका ध्यान फिलहाल डॉन 3 पर है।

करीना कपूर संग जमेगी रणवीर बरार की जोड़ी

मशहूर शेफ रणवीर बरार अभिनय की दुनिया में भी कदम रख चुके हैं। मॉडर्न लव- मुंबई सीरीज में उन्हें काफी पसंद किया गया था। अब वह एक बार फिर पर्दे पर आने के लिए तैयार हैं। खबर है कि हंसल मेहता और एकता कपूर की आगामी मर्डर मिस्ट्री में रणवीर नजर आएंगे। इसमें उनकी जोड़ी करीना कपूर खान के साथ जमेगी। अपने अभिनय करियर को लेकर हाल ही में रणवीर ने बात की। रणवीर बरार का कहना है कि अलग-अलग चीजें करने में उन्हें काफी खुशी मिल रही है। उन्होंने आगे कहा, इस तरह के प्रोजेक्ट मुझे खुद को एक्सप्लोर करने का मौका देते हैं। मेरे खाने में भी इसका अच्छा रिफ्लेक्शन नजर आता है। इस फिल्म को साइन करते हुए किरदार ने मुझे काफी आकर्षित किया। यह ग्रे रोल है और मुझे लगता है कि हम सभी के व्यक्तित्व का एक काला-सफेद पक्ष होता है। रणवीर ने आगे कहा, मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि अपने डेब्यू प्रोजेक्ट के बाद एक बार फिर हंसल मेहता के प्रोजेक्ट में काम करने का मौका मिल रहा है। हंसल सर के साथ काम करना मेरे लिए हमेशा एक स्पेशल अनुभव होता। वह अपने एक्टर्स को अपने किरदारों को बेहतर तरीके से समझने और अभिव्यक्त करने की आजादी देते हैं। एक बार फिर उनके साथ काम करते हुए बेहद उत्साहित हूं। रणवीर बरार ने करीना कपूर के साथ काम करने की भी खुशी साझा की। रणवीर से जब पूछा गया कि वह एक मशहूर शेफ हैं और अब एक्टिंग में भी हाथ आजमा रहे हैं, दोनों में से उन्हें क्या पसंद है? इस पर उन्होंने कहा कि बेशक, कुकिंग हमेशा पहले पायदान पर रहेगी। मैं हमेशा पहले एक शेफ रहूंगा। यह जारी रहेगा। एक्टिंग और कुकिंग में काफी समानताए हैं।

अभिषेक बच्चन को अपना दोस्त मानते हैं बिग बी

मेगास्टार अमिताभ बच्चन हमेशा खुलकर बात करने के लिए जाने जाते हैं, इस बीच उन्होंने कौन बनेगा करोड़पति के सीजन 15 में अपने बेटे अभिनेता अभिषेक बच्चन के साथ अपने रिश्ते पर खुलकर बात की। बिग बी ने कहा कि हम दोनों दोस्त की तरह हैं। क्विज आधारित रियलिटी शो के आगामी एपिसोड में अहमदाबाद के कुणाल सिंह डोडिया दिखाई देंगे। जिनका शो में आने का एकमात्र उद्देश्य अपने पिता को यह साबित करना है कि वह एक जिम्मेदार बेटे हैं। कुणाल अहमदाबाद पुलिस बल में एक युवा पुलिस सब इंस्पेक्टर हैं, वह वर्तमान में डीजी कार्यालय में मानवाधिकार विभाग से जुड़े हुए हैं। हालांकि कुणाल एक मेहनती कार्यकर्ता हैं, लेकिन उन्होंने बिग बी के सामने कबूल किया कि वह घर पर एक अलग व्यक्ति हैं, उन्होंने कहा कि वह एक टालमटोल करने वाले व्यक्ति हैं, जो कार्यों को अपनी गति से पूरा करना चाहते हैं। उनके पिता और परिवार के अन्य सदस्यों को उनका यह व्यवहार पसंद नहीं है। कुणाल ने कहा कि मैं जिज्ञासावश पूछ रहा हूं। मैं और मेरे पिता घर पर झगड़ते रहते हैं। वह सोचते है कि मैं जिम्मेदार नहीं हूं। लेकिन आपके यहां यह कैसा है? अभिषेक बच्चन के साथ आपके संबंध कैसे हैं? वहीं, पिता-पुत्र की नोक-झोंक को सुनकर बिग बी को अपने बेटे अभिषेक के साथ अपने रिश्ते की याद आ गई और उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे वह अपने बेटे को एक करीबी विश्वासपात्र मानते हैं। अमिताभ ने कहा कि मैं अभिषेक को अपने दोस्त के रूप में देखता हूं। एक पुरानी कहावत है जब आपका बेटा आपके जूते पहनता है, तो वह आपका बेटा नहीं, बल्कि आपका दोस्त बन जाता है। इसलिए अभिषेक ने मेरे सारे जूते ले लिए हैं, क्योंकि वे उसके लिए फिट हैं। अभिनेता ने कहा कि मैं अभिषेक के साथ जो भी बात कर सकता हूं, वह परिवार में किसी के साथ नहीं कर सकता, और मेरा मानना है कि अभिषेक के साथ भी ऐसा ही होता है। हम दोनों एक-दूसरे के साथ बहुत खुलकर रहते हैं। कोई भी स्थिति हो या कोई समस्या आती है तो हम एक-दूसरे से बात करते हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारा रिश्ता है। बिग बी फिर कुणाल के पिता से पूछते हैं कि वह अपने बेटे से क्या कहना चाहते है। कुणाल के पिता ने कहा कि वह अपनी नौकरी में परफेक्ट हैं, लेकिन घर के कामों और जिम्मेदारियों में वह 50 प्रतिशत पीछे है। कौन बनेगा करोड़पति सोनी पर प्रसारित होता है।

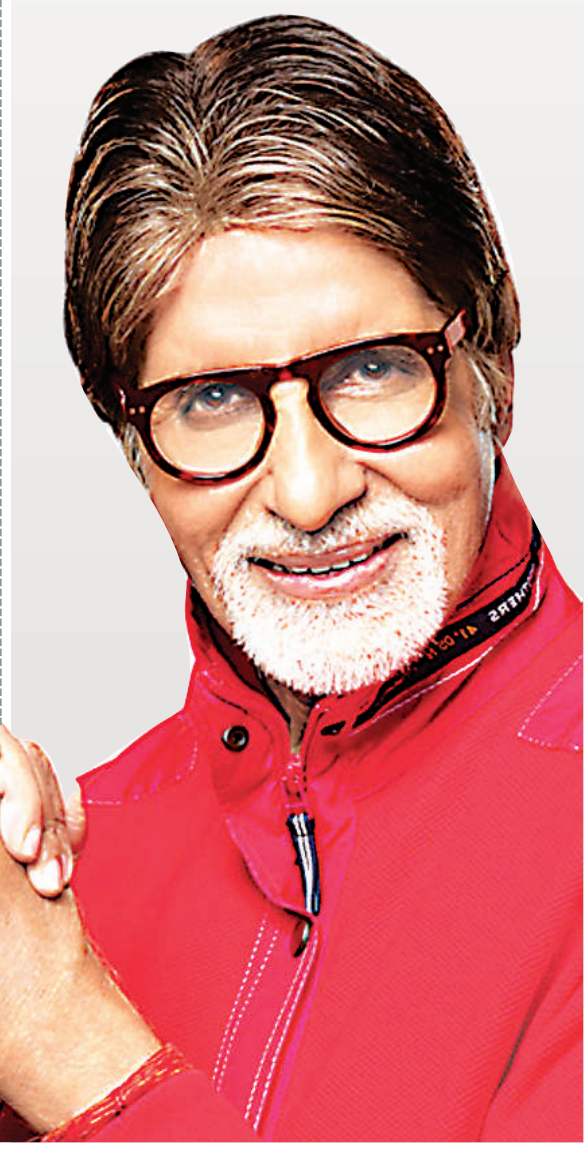

चीन की इकॉनामी धड़ाम ! 25 साल के निचले स्तर पर पहुंचा विदेशी निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ जारी तनाव के बीच दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी चीन की हालत खस्ता होने लगी है। चीन इकॉनमिक ग्रोथ को लेकर कई आशंकाएं जताई जाने लगी है जिस कारण विदेशी निवेशकों ने चीन से किनारा करना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ फॉरेन एक्सचेंज द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक चीन में नए विदेशी निवेश का एक पैमाना दूसरी तिमाही में 25 साल के सबसे निचले स्तर पर गिर गया। आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-जून की अवधि में चीन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का स्तर व प्रत्यक्ष निवेश देनदारियां घटकर केवल 4.9 बिलियन डॉलर रह गईं। यह पिछले वर्ष की समान अवधि से 87 प्रतिशत कम है और 1998 से पहले के आंकड़ों में किसी भी तिमाही में सबसे छोटी राशि भी।

एफडीआई में गिरावट चिंताजनक

सोसाइटी जेनरल एसए में ग्रेटर चाइना अर्थशास्त्री मिशेल लैम ने कहा, एफडीआई में गिरावट चिंताजनक है। गोल्डमैन सैश के मुताबिक चीन की सुस्त ग्रोथ का लाभ जापान को मिल रहा है। यही वजह है कि इस साल के पहले छह महीनों में जापान के शेयरों में विदेशी निवेश चीन के मुकाबले आगे निकल गया है। साल 2017 के बाद यह पहला मौका है जब ऐसा हुआ है। जुलाई में भी यह बिकवाली जारी है जबकि चीन और हॉन्ग कॉन्ग के बाजारों में तेजी आई है। मोर्गन स्टेनली ने पिछले हफ्ते एक रिपोर्ट में लिखा कि विदेशी निवेशक चीन से किनारा कर रहे हैं और जापान के शेयरों में निवेश कर रहे हैं।

विदेशी निवेशकों भा रही जापानी मार्केट

चीन की सुस्त इकॉनमी हालात देखकर लोगों को जापान की याद आ रही है। लंबे समय बाद विदेशी निवेशक जापानी मार्केट का रुख कर रहे हैं। चीन ने इकॉनमी को पटरी पर लाने के लिए कई उपायों की घोषणा की है लेकिन निवेशकों को संदेह है कि इससे कोई फायदा होगा। बैंक ऑफ जापान ने हाल में अपने रुख में बदलाव किया है। जानकारों का कहना है कि जापान में मॉनीटरी पॉलिसी सामान्य हो रही है। इससे येन की कीमत में अचानक तेजी आने की संभावना नहीं है। यही वजह है कि विदेशी निवेशक अब एक बार फिर चीन को छोड़कर जापान का रुख कर रहे हैं।

कभी जापान की हालत थी चीन जैसी

एक जमाने में जापान की इकॉनमी रॉकेट की रफ्तार से बढ़ रही थी और माना जा रहा था कि वह अमेरिका को पीछे छोड़ देगा। लेकिन 1990 के दशक में जापान की इकॉनमी में ठहराव आ गया। हालांकि तब तक जापान की हाई-इनकम वाले देशों की श्रेणी में पहुंच चुका था और अमेरिका के लेवल के करीब था। आज चीन के हालात भी कमोबेश वैसे ही हैं। अंतर इतना है कि चीन मिडल इनकम पॉइंट से थोड़ा ही ऊपर पहुंचा है। चीन के नीति-निर्माताओं को उम्मीद थी कि चीन जल्दी ही अमेरिका को पीछे छोड़ देगा। लेकिन हाल फिलहाल यह संभव नहीं दिखता है।

चीन से पैसा निकालकर जापान में लगा रही यह कंपनी

एशिया पर फोकस्ड फंड एलायंज ओरिएंटल इनकम के पास एक अरब डॉलर के एसेट्स हैं। यह कंपनी चीन से पैसा निकालकर जापान में लगा रही है। जून के अंत में फंड में जापान का वेटेज 40 परसेंट था जो चीन में कंपनी के निवेश से पांच गुना ज्यादा है। पिछले साल के अंत में जापान में फंड का वेटेज 25 परसेंट और चीन में 16 परसेंट था। जापान के शेयरों की थाह देने वाले एमएससीआई इंक में 2023 में 21 परसेंट तेजी आई है। वहीं एमएससीआई चाइना इंडेक्स इस साल महज 0.5 परसेंट बढ़ा है। जानेमाने निवेशक वॉरेन बफे ने भी जापान की तारीफ की है। एशिया पैसिफिक में जापान के शेयर मार्केट चीन के बाद दूसरे नंबर पर है।

पोको ने एआईओटी क्षेत्र में प्रवेश किया; भारत में पोको पॉड्स लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी कंज़्यूमर टेक्नॉलॉजी ब्रांड्स में से एक, पोको इंडिया ने पोको पॉड्स के लॉन्च के साथ टीडब्लूएस सेगमेंट में प्रवेश किया है। इमर्सिव लिसनिंग का अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाईन किए गए पोको पॉड्स में अतुलनीय ऑडियो अनुभव और शक्तिशाली बेस मिलता है। पोको पॉड्स 29 जुलाई, 2023 से फ्लिपकार्ट पर केवल 1,199 रु. के आकर्षक मूल्य में मिलेंगे। इस लॉन्च के बारे में हिमांशु टंडन, कंट्री हेड, पोको इंडिया ने कहा, ''हर भारतीय को प्रीमियम टेक्नॉलॉजी देने के उद्देश्य से हम भारत में पोको पॉड्स के लॉन्च के साथ एआईओटी स्पेस में प्रवेश कर रहे हैं। पोको पॉड्स में अत्याधुनिक इनोवेशन, सुगम कनेक्टिविटी, और अतुलनीय ऑडियो अनुभव का बेहतरीन मिश्रण है। हम अपने यूज़र्स को असाधारण अनुभव और आकर्षक टेक्नॉलॉजी का पोर्टफोलियो प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' पोको पॉड्स में 12मिमी के ड्राईवर हैं, जो शानदार, स्पष्ट और सटीक साउंड के साथ बेहतरीन बेस देने के लिए डिज़ाईन किए गए हैं। ये एक बार चार्ज करने पर 30 घंटे तक की जबरदस्त बैटरी परफॉर्मेंस प्रदान करते हैं।

असाधारण उपलब्धियों को सामने लाना: लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के यादगार स्पोर्ट्स रिकॉर्ड होल्डर

मुंबई, एजेंसी। साल 2023 के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने विभिन्न पृष्ठभूमि से संबंधित चैम्पियनों की यादगार कहानियों का संग्रह पेश किया है। विशेष 'रुकमत' संस्करण के माध्यम से आज़ादी के 75 वर्षों का जश्न मनाते हुए, रिकॉर्डधारकों की असाधारण उपलब्धियों ने पाठकों के दिलो-दिमाग पर गहरा प्रभाव छोड़ा है। नए मानवीय प्रयासों में आगे रहने और पर्यावरण संरक्षण में उल्लेखनीय कोशिशें करने से लेकर एडवेंचर स्पोर्ट्स में सीमाओं से आगे जाने और बड़ी संरचनाओं के निर्माण तक, इन व्यक्तियों ने अकल्पनीय कार्यों को हकीकत में बदल दिया है। फिर चाहे सबसे बड़ा मंडला आर्टवर्क बनाने वाली राधा शंकरनारायणन हो या एथलेटिक्स में ओलंपिक गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय नीरज चोपड़ा हों, लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स इन जैसे रिकॉर्डधारकों के अटूट दृढ़संकल्प, बेजोड़ लगन और जीत के लिए उनकी कभी न बुझने वाली प्यास का प्रमाण है। अक्टूबर 2022 में काहिरा, मिस्र (इजिप्त) में हुई पुरूषों की एयर राइफल वर्ल्ड चैम्पियनशिप में 18 वर्षीय रूद्रांक्ष पाटील वर्ल्ड चैम्पियन बने।

बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड ने दाखिल किया डीआरएचपी

मुंबई, एजेंसी। बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड (कंपनी) एक अग्रणी प्रौद्योगिकी सक्षम डिजिटल सर्विस प्रोवाइडर है, जो मुख्य तौर पर इन क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान करती है- (ए) भारत में प्रमुख बैंकों के लिए बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट सेवाएं, (बी) सहायता प्राप्त ई-सेवाएं; और (सी) भारत में जमीनी स्तर पर ई-गवर्नेंस सेवाएं। कंपनी ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी 2,41,30,000 इक्विटी शेयरों (अंकित मूल्य 10 रुपये) तक के फ्रेश इश्यू की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के माध्यम से धन जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी निम्नलिखित उद्देश्यों की फाइनेंसिंग के लिए शुद्ध आय का उपयोग करने का प्रस्ताव करती है- नई क्षमताओं को विकसित करने और मौजूदा प्लेटफार्मों को मजबूत करने के लिए टैक्नोलॉजी इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना; बीएलएस स्टोर्स की स्थापना करके ऑर्गेनिक ग्रोथ के लिए वित्तपोषण पहल; 3. अधिग्रहण के माध्यम से इनऑर्गेनिक ग्रोथ हासिल करना; और 4. सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य।

भारतीय सांख्यिकीय प्रणाली दुनिया में सबसे बेहतर, हाईकोर्ट ने कहा- कंपनियों को डाटा मुहैया करानी चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने एक कंपनी की उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें उसने वर्ष 2021 के लिए अपने परिचालन के आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए थे। उद्योगों में इस्तेमाल होने वाले वस्त्रों की तकनीकी इकाइयों का निर्माण करने वाली मेसर्स मस्तूरलाल प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ 2015 में सांख्यिकी संग्रह अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू की गई थी। कंपनी ने इसके खिलाफ 2022 में उच्च न्यायालय का रुख किया था। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने हाल के एक फैसले में कहा कि किसी भी कंपनी की ओर से किसी भी तरह की लापरवाही का निस्संदेह देश की आर्थिक नीतियों पर प्रभाव पड़ेगा, जो किसी भी राष्ट्र की प्रेरक शक्ति है। डेटा संग्रह के महत्व पर उच्च न्यायालय ने कहा, यह सार्वजनिक है कि भारतीय सांख्यिकी प्रणाली दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रणालियों में से एक है। देश सांख्यिकीय अनुपालन और अंतर्राष्ट्रीय प्रथाओं पर एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए संयुक्त राष्ट्रीय आर्थिक और सामाजिक आयोग के सभी अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय संगठनों में भाग लेता है। अदालत ने कहा कि इसलिए अधिनियम के तहत प्रत्येक हितधारक के लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि वह अपने आंकड़े सालाना, लगन से प्रस्तुत करे, जैसा कि कानून के तहत आवश्यक है या कानून की धारा 15 के तहत कार्रवाई का सामना करना पड़ता है।

लैपटॉप-टैबलेट की 25 प्रतिशत बढ़ गई बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने जैसे ही लैपटॉप और टैबलेट के फ्री इंपोर्ट पर बैन लगाया, लोग इनकी खरीदारी के लिए टूट पड़े। रिटेलर्स और ब्रांड्स के अनुसार बीते हफ्ते इन वस्तुओं की बिक्री में 25 फीसदी का उछाल आया है। लैपटॉप और टैबलेट के मुफ्त आयात पर बैन के बाद लोगों को इन वस्तुओं की कमी और कीमतों में इजाफे को लेकर चिंताएं सता रही हैं। ऐसे में लोग खुदरा बाजार और ई-कॉमर्स साइटों पर बंपर ऑर्डर दे रहे हैं। इंडस्ट्री से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि अमेजन पर इस समय इंडिपेंडेंस डे सेल चल रही है। सरकार के फैसले के बाद इस सेल में लैपटॉप की बिक्री काफी बढ़ गई है। सोमवार को भी उच्च बिक्री बनी रही।

सरकार ने गुरुवार को कहा था कि लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पर्सनल कंप्यूटर्स, अल्ट्रा स्मॉल फैक्टर कंप्यूटर एंड सर्वर्स के आयात के लिए अब लाइसेंस की

आवश्यकता होगी। 31 अक्टूबर तक ही इन उत्पादों के शिपमेंट को बिना लाइसेंस के मंजूरी दी जा सकती है। इससे यह चिंता पैदा हो गई है कि नवंबर के बाद इन उत्पादों की सप्लाई कम हो सकती है। सोशल मीडिया पर भी ऐसी कई पोस्ट देखी गईं, जिनमें लैपटॉप और टैबलेट के दाम बढ़ने की चेतावनी थी। इसने खरीदारी को और बढ़ा दिया।

लोगों को कीमतों में वृद्धि और सप्लाई में कमी की आशंका

प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन विजय सेल्स के डायरेक्टर नीलेश गुप्ता ने बताया कि कीमतों में वृद्धि और कमी दोनों की आशंका के चलते पिछले दो दिनों में बिक्री में तेजी देखी गई है। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह के आखिर में बिक्री में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। शाओमी इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में टैबलेट की मांग में वृद्धि हुई है। एक प्रमुख कंप्यूटर और टैबलेट निर्माता के मुख्य कार्यकारी, जो नाम नहीं बताना चाहते थे, ने कहा कि सरकार द्वारा की गई घोषणा ने बैक-टू-कॉलेज बिक्री को बढ़ा दिया जो आमतौर पर इस समय के आसपास होती है। जो लोग फेस्टिव सीजन में खरीदारी करना चाहते थे, वे अभी ही लैपटॉप-टैबलेट खरीद रहे हैं।

भारत में बेच जाने वाले करीब 30 से 35 फीसदी लैपटॉप और टैबलेट वर्तमान में भारत में ही असेंबल किये जाते हैं। भारत ने वित्त वर्ष 2023 में 8.8 अरब डॉलर के आईटी हार्डवेयर उत्पादों का आयात किया था। इसमें चीन का हिस्सा 5.1 अरब डॉलर से अधिक था। इसके बाद सिंगापुर से 1.3 बिलियन डॉलर था।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग आयुक्त के साथ एमओयू साझा करते हुए फ्लिपकार्ट ने गुजरात सरकार से मिलाया हाथ

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के मौके पर भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने फ्लिपकार्ट समर्थ प्रोग्राम के तहत कुटीर एवं ग्रामोद्योग आयुक्त के साथ एक समझौता ज्ञापन के माध्यम से गुजरात सरकार से हाथ मिलाया है। इस एमओयू का लक्ष्य प्रत्येक जिले में शिल्प के विकास पर केंद्रित हस्तकला सेतु योजना के अंतर्गत पंजीकृत स्थानीय कारीगरों को डिजिटल करना और राज्य की कमजोर होती शिल्पकला को पुनर्जीवित करना है। फ्लिपकार्ट समर्थ प्रोग्राम फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस के माध्यम से राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच उपलब्ध कराएगा। इस प्रोग्राम के तहत गुजरात के एमएसएमई, कारीगरों, बुनकरों, महिला स्वयं सहायता समूहों और शिल्पकारों को रणनीतिक समझ, प्रशिक्षण और अपने उत्पादों को बाजार में विस्तार देने के तरीकों के बारे में बताया जाएगा और इस तरह

उनके लिए आजीविका के अवसर बढ़ेंगे एवं आर्थिक विकास को गति मिलेगी। फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा भारत के आर्थिक विकास में योगदान की अथक प्रतिबद्धता के साथ फ्लिपकार्ट लाखों स्थानीय कारोबारियों को ई-कॉमर्स को अपनाने के उनके सफर में सहयोग देने के लिए समर्पित है। हम गुजरात के कुटीर एवं ग्रामोद्योग आयुक्त से गठजोड़ करने और फ्लिपकार्ट की क्षमता एवं विशेषज्ञता का लाभ लेते हुए विकास के नए आयाम गढ़ने को लेकर उत्साहित हैं। साथ मिलकर हम ऐसी राह पर बढ़ेंगे जिससे कारोबारी सशक्त होंगे, विकास की मानसिकता को बढ़ावा मिलेगा और गुजरात के ग्रामीण समुदायों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। अपनी फ्लिपकार्ट समर्थ पहल के माध्यम से हमने सरकार के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान को अपनाया है और देशभर में लाखों कारीगरों, बुनकरों और शिल्पकारों की आजीविका को सकारात्मक तरीके से प्रभावित किया है। इस अवसर पर गुजरात सरकार के माननीय उद्योग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, कुटीर, खादी एवं ग्रामोद्योग, नागरिक उड्डयन, श्रम एवं रोजगार मंत्री श्री बलवंतसिंह राजपूत ने कहा, यह एमओयू राज्य के प्रतिभाशाली स्थानीय कारीगरों, बुनकरों और छोटे उद्यमियों को सशक्त करने एवं उनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए हमारी प्रतिबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ई-कॉमर्स उन्हें अपने उत्पादों को अधिक लोगों तक पहुंचाने में सक्षम बनाएगा। यह रणनीतिक गठजोड़ हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए आर्थिक एवं सामाजिक विकास को गति देने के गुजरात सरकार के लक्ष्य के ही अनुरूप है। इस गठजोड़ को लेकर माननीय सहकारिता, नमक उद्योग, प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी, प्रोटोकॉल (सभी स्वतंत्र प्रभार), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, कुटीर, खादी एवं ग्रामोद्योग, नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री श्री जगदीश पांचाल ने कहा हमें भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट के साथ साझेदारी की खुशी है।

रियल एस्टेट क्षेत्र में जनवरी-जून के दौरान निजी इक्विटी निवेश 51 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। जमीन-जायदाद के क्षेत्र में निजी इक्विटी निवेश इस साल पहले छह माह में सालाना आधार पर 51 प्रतिशत बढ़कर 24,680 करोड़ रुपए रहा। संपत्ति के बारे में परामर्श देने वाली कंपनी कुशमैन एंड वेकफील्ड ने सोमवार को यह जानकारी दी। निजी इक्विटी निवेश इस साल अप्रैल-जून तिमाही में 15,580 करोड़ रुपये रहा, जो इससे पिछली तिमाही के मुकाबले 63 प्रतिशत और बीते साल की इसी अवधि के मुकाबले 60 प्रतिशत अधिक है। कुशमैन एंड वेकफील्ड ने बयान में कहा, ''इस साल पहली छमाही (जनवरी-जून) में संचयी रूप से 24,680 करोड़ रुपये (2.99 अरब डॉलर) का निवेश हुआ जो पिछले साल 2022 की पहली छमाही के निवेश के मुकाबले 51 प्रतिशत अधिक है।

वाहन कलपुर्जा उद्योग ने 2022-23 में किया रिकॉर्ड कारोबार, चालू वर्ष में दो अंक की वृद्धि का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू वाहन कलपुर्जा उद्योग ने वित्त वर्ष 2022-23 में अबतक का सर्वाधिक कारोबार दर्ज किया है। मजबूत मांग के साथ ही उद्योग को चालू वित्त वर्ष में बिक्री में दो अंक की वृद्धि की उम्मीद है। वाहन कलपुर्जा विनिर्माता संघ (एसीएमए) के अनुसार वाहन कलपुर्जा क्षेत्र ने पिछले वित्त वर्ष में 5.6 लाख करोड़ रुपए का कारोबार किया, जो 2021-22 में 4.2 लाख करोड़ रुपए के कारोबार से 33 प्रतिशत अधिक है। उद्योग निकाय ने बताया कि 2022-23 में निर्यात पांच प्रतिशत बढ़कर 1.61 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयात 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1.63 लाख करोड़ रुपए रहा। एसीएमए ने कहा कि घरेलू बाजार में ओईएम (मूल उपकरण विनिर्माता) को कलपुर्जों की बिक्री 39.5 प्रतिशत बढ़कर 4.76 लाख करोड़ रुपए हो गई। इसके अलावा खुले बाजार में बिक्री 15 प्रतिशत बढ़कर 85,333 करोड़ रुपए रही। एसीएमए के अध्यक्ष संजय कपूर ने कहा, ''सेमीकंडक्टर की उपलब्धता, कच्चे माल की लागत और लॉजिस्टिक जैसे आपूर्ति पक्ष के मसलों में उल्लेखनीय राहत के साथ उम्मीद है कि 2023-24 भी वाहन उद्योग के लिए अच्छा रहेगा, जो वाहन कलपुर्जा क्षेत्र के लिए अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन उद्योग भी सुस्ती से पूरी तरह उबर गया है।

आकाश बायजूस ने लांच की अपनी सबसे बड़ी बहुप्रतीक्षित परीक्षा एएनटीएचई 2023

नई दिल्ली, एजेंसी। परीक्षण तैयारी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणी, आकाश बायजूस ने सबसे बड़ी लोकप्रिय और बहुप्रतीक्षित परीक्षा एएनटीएचई (आकाश नेशनल टैलेंट हंट एग्जाम) 2023 के 14वें संस्करण का अनावरण किया। 100 प्रतिशत तक छात्रवृत्ति और असाधारण नकद पुरस्कारों के साथ, प्रमुख वार्षिक छात्रवृत्ति परीक्षा सातवीं से बारहवीं कक्षा के छात्रों को उनकी पूरी क्षमता का एहसास करने का मौका प्रदान करती है। एएनटीएचई 2023 का लक्ष्य सफलता के लिए एक उल्लेखनीय प्रवेश द्वार बनना है, जो युवाओं को इंजीनियरिंग या चिकित्सा में उज्ज्वल भविष्य की उनकी आकांक्षाओं के लिए उड़ान भरने के लिए प्रेरित करता है।

एएनटीएचई छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता आकाश में नामांकन कर सकते हैं और एनईईटी, जेईई, राज्य सीईटी, स्कूल/बोर्ड परीक्षाओं और एनटीएसई और ओलंपियाड जैसी प्रतिस्पर्धी छात्रवृत्ति सहित विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेषज्ञ मार्गदर्शन और सलाह प्राप्त कर सकते हैं।

एएनटीएचई 2023 में छात्रों के लिए रोमांचक उपलब्धि यह है कि 100 प्रतिशत स्कॉलरशिप और कैश अवार्ड के अलावा विभिन्न कक्षाओं के 100 बच्चों को नेशनल साइंस मिशन की 5 दिवसीय यात्रा जीतने का अवसर मिलेगा। जिसका सारा खर्च आकाश की ओर से वहन किया जाएगा। पिछले कुछ वर्षों में, एएनटीएचई ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है, आकाश के कई छात्र NEET (जी) और JEE (एडवांस्ड) जैसी परीक्षाओं में शीर्ष रैंकर के रूप में उभरे हैं। कौस्तव बाउरी (एआईआर 3), ध्रुव आडवाणी (एआईआर 5), और सूर्या सिद्धार्थ एन (एआईआर 6) सहित कई आकाश के छात्र, जिन्होंने एएनटीएचई के साथ आकाश में अपनी शैक्षिक यात्रा शुरू की, एनईईटी (यूजी) 2023 में चैंपियन बने। इसी तरह, आदित्य नीरजे (एआईआर 27) और आकाश गुप्ता (एआईआर 28), जिन्होंने भी एएनटीएचई के साथ अपनी यात्रा शुरू की, ने जेईई (एडवांस्ड) 2023 में सराहनीय स्थान प्राप्त किया।

अरिहंत कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 24 की पहली तिमाही के लिए शानदार आय की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। अग्रणी वित्तीय सेवा फर्म अरिहंत कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (बीएसईः 511605, एनएसईः(ने 30 जून 2023 को समाप्त पहली तिमाही के लिए अपने अनऑडिटेड (बिना जांचे हुए) वित्तीय परिणामों की घोषणा की।

30 जून 2023 (समेकित) को समाप्त तिमाही के लिए, कंपनी ने परिचालन से राजस्व में 23.04 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो 3477.87 लाख रुपये (वित्तीय वर्ष 23 की पहली तिमाही) से बढ़कर 4279.23 लाख रुपये (वित्तीय वर्ष 24 की पहली तिमाही) हुई। पीएटी सालाना आधार पर 54.28 प्रतिशत रुपये बढ़ा, जो 744.94 लाख रुपये (वित्तीय वर्ष 23 की पहली तिमाही) से बढ़कर 1157.74 लाख रुपये (वित्तीय वर्ष 24 की पहली तिमाही) हुआ।

कंपनी ने डिजिटल-फर्स्ट अप्रोच की मदद से अपनी ग्राहक अधिग्रहण दर को सफलतापूर्वक बढ़ाया है। इन-हाउस ईकेवाईसी पोर्टल को लागू करके, इसका लक्ष्य कंप्लीट ऑटोमेशन और एक सीमलेस ऑनबोर्डिंग यात्रा प्राप्त करना है, जिससे उपयोगकर्ता के अनुभव में उल्लेखनीय सुधार होगा। एम्बिशयस लक्ष्यों के साथ, यह कंपनी तेजी से विकास हासिल करने के लिए आश्वस्त है और 5 लाख (500,000) नए ग्राहकों को जोड़ने की

आकांक्षा रखती है। इक्विटी बाज़ारों में ग्राहकों के इन्वेस्टमेंट की जरूरतों को पूरा करने के लिए, कंपनी फंडिंग बुक पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है। कंपनी मौजूदा ग्राहकों की चल रही मांग को पूरा करने और अपनी बही को बढ़ाने के लिए बाहरी रूप से धन जुटाने की योजना बना रही है। 30 जून वित्तीय वर्ष 23 को समाप्त तिमाही में, कंपनी की ब्याज आय वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में 1171 लाख रुपये की तुलना में 1229 लाख रुपये थी। इस प्रकार आंतरिक संचय से लगातार वृद्धि होने की उम्मीद है। कंपनी ऑपरेशनल एफिशियंसी बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी में महत्वपूर्ण निवेश कर रही है, जिससे बढ़ती व्यवसायिक लागत कम हो जाएगी। कंपनी को उम्मीद है कि टेक्नोलॉजी पर होने वाले खर्च की भरपाई बढ़ते रेवेन्यू से हो जाएगी।

30 जून 2023 को समाप्त पहली तिमाही के लिए राजस्व वित्तीय वर्ष 2023 की पहली तिमाही के 16.96 लाख रुपये की तुलना में 60.37 लाख रुपये और वित्त वर्ष 2022 की पहली तिमाही में 11.86 लाख रुपये रहा। कंपनी वित्त वर्ष 2024 के दृष्टिकोण को लेकर सकारात्मक है, जिसने मुख्य बोर्ड आईपीओ के लिए जनादेश हासिल करके एक बड़ी सफलता हासिल की है। मेनबोर्ड आईपीओ और क्षितिज पर एडिशनल अवसरों के साथ एक प्रमुख ओपन ऑफर सहित, यह जून की तिमाही से एक मज़बूत इनकम ट्रेड जारी रहने की उम्मीद करता है। कंपनी के इंस्टीट्यूशन डिवीजन ने उल्लेखनीय वृद्धि का अनुभव किया, जिसका राजस्व वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में 115 लाख से 30 जून 2023 को समाप्त पहली तिमाही में 172 लाख रुपये से अधिक तक पहुंच गया। कंपनी ने एक ही साधन से अधिक संभावित साझेदारियों के साथ प्रतिष्ठित एफआईआई को ग्राहकों के रूप में जोड़ा। कुछ म्यूचुअल फंड ग्राहकों से कंपनी की अपग्रेटेड रेटिंग सर्विस एक्सीलेंस के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रमाणित करती है। प्रमुख पारिवारिक कार्यालयों, कॉरपोरेट्स और पीएमएस सहित अपने ग्राहकों विस्तार करने की योजना है।

खाद्य वस्तुओं के दाम में तेजी से जुलाई में मुद्रास्फीति बढ़कर हो सकती है 6.7 प्रतिशत

मुंबई, एजेंसी। खाद्य वस्तुओं के दाम में तेजी से जुलाई महीने की खुदरा महंगाई दर में तेज वृद्धि हो सकती है और यह पिछले महीने के मुकाबले 1.90 प्रतिशत बढ़कर 6.7 प्रतिशत तक जा सकती है। एक विदेशी बैंक के अर्थशास्त्रियों ने यह अनुमान लगाया है। डॉयचे बैंक इंडिया के अर्थशास्त्रियों ने सोमवार को एक रिपोर्ट में कहा कि जुलाई महीने की उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति बढ़कर 6.7 प्रतिशत हो सकती है जो जून में 4.8 प्रतिशत थी। बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री कौशिक दास की अगुवाई में अर्थशास्त्रियों की यह रिपोर्ट जुलाई महीने में आने वाली मुद्रास्फीति के आंकड़े और भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा से पहले आई है।

भारत आ सकते है फुटबॉल स्टार नेमार जूनियर

यू-एएफसी चैंपियंस लीग में मुंबई सिटी एफसी और नेमार का क्लब अल-हिलाल एक ही ग्रुप में

नईदिल्ली (एजेंसी)। ब्राजीलियाई स्टारर फुटबॉलर नेमार जूनियर भारत आ सकते है। इंडियन सुपर लीग की टीम मुंबई सिटी एफसी एशियन फुटबॉल कन्फेडरशन चैंपियंस लीग के ड्रॉ में अल-हिलाल के ग्रुप में है। नेमार हाल ही में साउदी अरब के क्लब अल-हिलाल में शामिल हुए है। मुंबई सिटी एफसी अपना घरेलू मैच पुणे के बालेवाड़ी स्टेडियम में खेलेगी। नेमार की टीम अल-हिलाल मुंबई के खिलाफ अपना अवे मैच खेलने पुणे आएगी। इसमें नेमार भी टीम के साथ आ सकते है। अभी टूर्नामेंट मैच का शेड्यूल जारी नहीं हुआ है।

इन दोनों टीम के अलावा ग्रुप डी में अन्य दो टीमें ईरान की एफसी नासाजी मजांदरान और उज्बेकिस्तान की पीएफसी नवबहोर नामांगन हैं।

अल-हिलाल टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम- अल-हिलाल एशियन चैंपियंस लीग के इतिहास की सबसे सफल टीम रही है। इस साल टीम ने ट्रांसफर विंडो में नेमार के साथ ही रूबेन नेव्स, कालिडौ कौलीबली, और क्रोएशिया के सर्गेज मिलिनकोविक सैविक जैसे अन्य बड़े खिलाड़ियों को अपने क्लब में जोड़ा है।अल-हिलाल चार बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी जीता है। आखिरी बार टीम ने 2021 में खिताब उठाया था।

भारत के दो क्लब ही अब तक चैंपियंस लीग में खेले- एशियन चैंपियंस लीग के ग्रुप स्टेज में अब तक भारत के दो ही क्लब पहुंच पाए है। इसमें गोवा एफसी और मुंबई सिटी एफसी शामिल है। इससे पहले क्वालिफिकेशन स्टेज में बेंगलुरु एफसी, चेन्नई सिटी, मिनरवा पंजाब और आइजॉल सिटी एफसी प्रेमिलिनरी राउंड में खेल चुके है।

अल-हिलाल ने 818 करोड़ रुपए में ट्रांसफर कर दो साल की डील की- सऊदी कल्ब अल हिलाल ने नेमार के लिए फ्रेंच क्लब पीएसजी के साथ 9.8 करोड़ डॉलर (करीब 818 करोड़ रुपए) में ट्रांसफर डील की है। यह रकम नेमार के लिए सऊदी क्लब पीएसजी को देगा। नेमार की सैलरी अलग है।

उन्हें दो साल के लिए करीब 30 करोड़ डॉलर की सैलरी मिलेगी। यानी उनकी सालाना सैलरी 15 करोड़ डॉलर (करीब 1247 करोड़ रुपए) होगी। दो साल बाद नेमार क्लब छोड़ने के लिए स्वतंत्र होंगे। हालांकि, अगर वे चाहें तो डील आगे भी बढ़ा सकते हैं।

इतना ही नहीं, नेमार को सैलरी के अलावा एक्स्ट्रा बेनिफिट दिए जा रहे हैं। उन्हें सउदी अरब में प्राइवेट जेट और निजी मकान की सुविधा भी मिलेगी। साथ ही अल हिलाल की हर जीत के लिए उन्हें करीब 72 लाख रुपए का बोनस भी मिलेगा। सोशल मीडिया पर सऊदी अरब को प्रोमोट करने के लिए हर पोस्ट के एवज में उन्हें करीब 4.5 करोड़ रुपए भी मिलेंगे।

एशिया कप के पहले पूरी तैयारी में विराट कोहली, शेयर किया यो-यो टेस्ट का स्कोर

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली दुनिया के सबसे फिट क्रिकेटरों में से एक हैं। एक कप्तान के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने भारतीय क्रिकेट में फिटनेस के क्षेत्र में क्रांति ला दी। इस बीच गुरुवार 24 अगस्त को अपना यो-यो टेस्ट परिणाम साझा करते हुए कोहली ने क्रिकेट जगत को चौंका दिया क्योंकि उन्होंने अपना फिटनेस स्तर 17.2 के टाइम ट्रायल तक बढ़ा दिया था। क्रिकेटर ने इसे अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया और इस पर खुशी जाहिर की।

कोहली ने इंस्टा पर स्टोरी शेयर करते हुए लिखा, खतरनाक स्तर पर यो-यो टेस्ट खत्म करने की खुशी। 17.2 हो गया।

भारत एक दशक से अधिक समय में एक भी आईसीसी खिताब जीतने में असफल रहा है और इसलिए आगामी एशिया कप और वनडे विश्व कप का बहुत महत्व है। आगामी प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए टीम इंडिया ने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपनी तैयारी शुरू कर दी है। विशेष रूप से भारत प्रतियोगिता के लिए तैयार होने के लिए आगामी दिनों में अभ्यास मैच या मैच सिमुलेशन भी खेलेगा। एशिया कप और टी20 विश्व कप के पिछले संस्करण में मेन इन ब्लू टीम के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले कोहली एक बार फिर टीम का अहम हिस्सा होंगे। उनके पास 2011 में विश्व कप जीतने का अनुभव है जो काम आ सकता है। इस बीच, भारत अपना पहला एशिया कप मैच 2 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा।

बीबीएल में खेलते नजर आएंगे राशिद खान, ऑस्ट्रेलिया के इस फैसले पर दी थी बहिष्कार की धमकी

मेलबर्न (एजेंसी)। अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान ने ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) के बहिष्कार की धमकी वापस ले ली है और खुद को इस टी20 फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट के 2023-24 सत्र के लिए उपलब्ध रखा। पिछले साल मार्च में ऑस्ट्रेलिया के अफगानिस्तान के खिलाफ तीन वनडे मैचों की श्रृंखला से हटने के फैसले के बाद राशिद ने इस साल जनवरी में बीबीएल का बहिष्कार करने की धमकी दी थी।

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के लड़कियों की शिक्षा पर प्रतिबंध लगाने के फैसले के विरोध में ऑस्ट्रेलिया इस वनडे श्रृंखला से हट गया था। राशिद ने तब कहा था, 'अगर ऑस्ट्रेलिया को अफगानिस्तान से खेलने में परेशानी है तो फिर मैं बीबीएल में अपनी उपस्थिति से किसी को असहज नहीं करना चाहता हूं। इसलिए मैं इस प्रतियोगिता में अपने भविष्य को लेकर गंभीरता से विचार करूंगा। ऑस्ट्रेलियाई एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार इस 24 वर्षीय स्पिनर का नाम बीपीएल के ड्राफ्ट में विदेशी खिलाड़ियों की आधिकारिक सूची में शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया है कि राशिद के अलावा अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान, नूर अहमद और इजहार उल हक नावीद के नाम भी सूची में शामिल हैं। बीबीएल 7 दिसंबर से 24 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। राशिद बीबीएल के पिछले छह सत्र से एडिलेड स्ट्राइकर्स की तरफ से खेलते रहे हैं।

तीसरा टी20 रद्द होने पर बुमराह बोले- मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी

मालाहाइड (एजेंसी)। भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने आयरलैंड के खिलाफ तीसरा और अंतिम टी20 मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ने के बाद कहा कि पहले मौसम अच्छा होने के कारण उन्हें मैच रद्द होने की आशंका नहीं थी। भारत ने इसके साथ ही तीन मैच की श्रृंखला 2-0 से अपने नाम की। चोट के बाद वापसी कर रहे तेज गेंदबाज बुमराह की अगुआई में खेलते हुए भारत ने वर्षा से प्रभावित पहला मैच डकवर्थ-लुईस पद्धति के आधार पर दो रन जबकि दूसरा मैच 33 रन से जीता था। बुमराह ने मैच रद्द होने के बाद कहा कि मैच के होने का इंतजार करना निराशाजनक था। हमने इसकी उम्मीद नहीं की थी क्योंकि पहले मौसम ठीक था। भारतीय टीम की कप्तानी करने के मौके पर बुमराह ने कहा कि (कप्तानी करना) बहुत मजेदार रहा और कप्तानी करना सम्मान की बात है।

हमने 2011 विश्व कप के लिए युवराज को पर्याप्त श्रेय नहीं दिया: गौतम गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने मन की बात कहने से ना कतराने के लिए जाने जाने वाले पूर्व भारतीय कप्तान और सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर से जब पूछा गया कि क्या वह कभी पीछे मुड़कर देखते हैं और उन्हें लगता है कि उन्हें वह शानदार शतक बनाना चाहिए था, तो वह पीछे नहीं हटे। बजाय इसके कि 2011 विश्व कप फाइनल में 97 रन पर आउट हो जाएं और शतक से चूक जाएं तो उन्हें परेशानी होती है।

भारत के शानदार अभियान की सराहना करते हुए दक्षिणपूर्वी ने दावा किया कि करिश्माई ऑलराउंडर युवराज सिंह, जहीर खान, सुरेश रैना और मुनाफ पटेल सहित अन्य खिलाड़ी टीम को खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण थे। गंभीर ने कहा कि उन्हें इस बात की चिंता नहीं है कि भारतीय रंग में उनके कारनामों को याद किया जाएगा या जश्न मनाया जाएगा, क्योंकि उनके लिए मायने रखता है कि भारत 1983 के बाद विश्व चैंपियन बना।

उन्होंने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं शतक पूरा करूं या नहीं। मायने यह रखता है कि भारत विश्व कप जीतता है या नहीं। हम कोई व्यक्तिगत खेल नहीं खेलते। यह एक टीम खेल है और व्यक्तिगत उपलब्धियां केवल तभी महत्वपूर्ण होती हैं जब वे टीम के काम आती हैं। गौतम गंभीर ने कहा, यह पारी मेरे लिए कहीं अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे भारत को फाइनल जीतने में मदद मिली। यह कोई रहस्य नहीं है कि अप्रैल 2011 में श्रीलंका के खिलाफ फाइनल के दौरान गंभीर और धोनी की अमूल्य साझेदारी ने टीम को 28 साल बाद विश्व कप जीतने में मदद की।

उन्होंने कहा, क्या हम युवराज सिंह का जश्न मनाते हैं जो उन्होंने 2011 विश्व कप में किया था? उसके स्वास्थ्य संबंधी सभी चिंताएं क्या थीं? क्या हम जहीर खान के शुरुआती स्पैल का पर्याप्त जश्न मनाते हैं? विश्व कप फाइनल की शुरुआत 4 मेडन ओवरों से करना अविश्वसनीय है और फिर भी उन्हें पर्याप्त श्रेय नहीं दिया गया है। हमने 2011 विश्व कप के लिए युवराज को पर्याप्त श्रेय नहीं दिया है। क्या हम सचिन तेंदुलकर के प्रयासों का पर्याप्त जश्न मनाते हैं? हां, हम उनका और जीत का जश्न मनाते हैं लेकिन कितने लोगों को याद है कि वह विश्व कप में दो शतक के साथ सर्वोच्च स्कोरर थे?

गंभीर ने कहा, मैं आपको एक बात सीधे बताऊंगा। अगर मैं कम स्कोर पर आउट हो जाता और भारत जीत जाता तो मुझे भी उतनी ही खुशी होती। लेकिन अगर मैंने 100 रन बनाए और भारत हार गया, तो 100 का मेरे लिए कोई महत्व नहीं होगा। हम भारत में व्यक्तिगत उपलब्धियों को लेकर बहुत अधिक जुनूनी हैं और ऐसा करने से अवसरों पर ध्यान बड़े लक्ष्य से हट जाता है। आपकी टीम ने

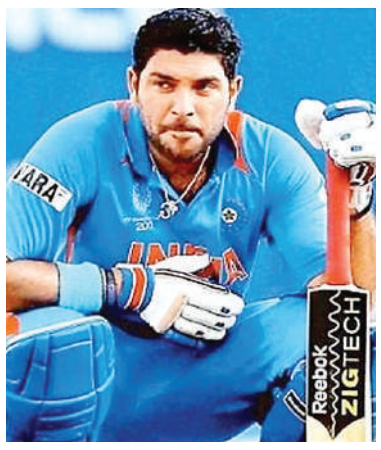

कैसा प्रदर्शन किया है इसकी बड़ी तस्वीर कई मौकों पर खो जाती है।

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा, यह एकमात्र चीज है जो टीम खेल में महत्वपूर्ण है। क्या हम मोहाली में पाकिस्तान के खिलाफ हरभजन सिंह के स्पैल का जश्न मनाते हैं या अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ और मोहाली में पाकिस्तान के खिलाफ सुरेश रैना की पारी का जश्न मनाते हैं? ये दोनों पारियां मैच जीतने वाली कोशिशें थीं।

गंभीर ने आगे दावा किया कि युवराज सिंह को मेन इन ब्लू को विश्व कप फाइनल में ले जाने के लिए पर्याप्त श्रेय नहीं दिया गया क्योंकि मीडिया एमएस धोनी के खिताब जीतने वाले छक्के को लेकर अधिक व्यस्त था। उन्होंने कहा, जब हम फाइनल में एमएस धोनी की पारी का जश्न मनाते हैं, तो हमें इन अन्य प्रयासों का भी उतना ही जश्न मनाना चाहिए। किसी की भी पारी भारत को ट्रॉफी नहीं दिला सकती। यह एक सामूहिक प्रयास था और इसे इसी तरह मनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, यह सोशल मीडिया के कारण है कि हम ऐसा नहीं करते हैं। सोशल मीडिया पक्षपाती है और हम सभी यह जानते हैं। लेकिन सोशल मीडिया इसे सच नहीं बनाता है। सोशल मीडिया पर हमेशा टीम से ज्यादा व्यक्तियों का जश्न मनाने की प्रवृत्ति होती है। ऐसा करने में होता यह है कि हम उन प्रमुख कलाकारों का जश्न नहीं मनाते, जिनकी भूमिका उतनी ही महत्वपूर्ण है। और यह निश्चित रूप से एक मुद्दा है। मैं बस इतना कहूंगा कि हमें पूरी टीम का जश्न मनाना चाहिए। जब हम धोनी का जश्न मनाते हैं, तो हमें भी जश्न मनाना चाहिए अन्य सभी ने भारतीय जीत में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दबाव पर बात करते हुए उन्होंने कहा, विश्व कप फाइनल खेलना दबाव नहीं था। मैं कुछ ऐसा कर रहा था जिसे करना मुझे पसंद था और मुझे अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा था। वास्तव में, जब हमने दो विकेट खोए, तब भी मेरे मन में एक भी नकारात्मक विचार नहीं आया। मेरा ध्यान अगली गेंद खेलने पर था। यह इसी बारे में है। बस अगली गेंद खेलें और बहुत आगे के बारे में न सोचें। यदि आप ऐसा करते हैं, तो आप खुद पर दबाव नहीं बनाते हैं। यदि आप अगली गेंद खेलते हैं, तो आप जानते हैं कि आप नियंत्रण में हैं। और यही मैंने 2011 के फाइनल में किया था।

उन्होंने कहा, असल में, मुझे दबाव महसूस केवल 2014 में हुआ था जब मैं कप्तान के रूप में दुबई में केकेआर के लिए लगातार तीन बार शून्य पर आउट हुआ था। तभी मुझे दबाव महसूस हुआ। फिर मुझे चौथी पारी में 1 रन मिला और मैं अपने प्रयासों पर शर्मिंदा था। वह दबाव था। जब चीजें आपके अनुकूल नहीं होतीं तो आप दबाव महसूस करते हैं। तब नहीं जब चीजें सही हों और आप प्रगति पर हों। चौथे मैच में मैंने मनीष पांडे को पारी की शुरुआत करने के लिए कहा और खुद नंबर 3 पर बल्लेबाजी की।

यूएस ओपन कप

अमेरिका में जारी है लियोनेल मेसी का मैजिक, एक और फाइनल में पहुंची इंटर मियामी

सिनसिनाटी (एजेंसी)। लियोनेल मेसी ने दो असिस्ट किए और बाद में पेनल्टी किक पर गोल दागा, जिससे इंटर मियामी ने दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करके मेजर सॉकर लीग में शीर्ष पर चल रहे सिनसिनाटी को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराकर यूएस ओपन कप फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश किया। सिनसिनाटी ने शुरू में ही 2-0 से बढ़त हासिल कर ली थी। इसके बाद मेसी के प्रयासों से लियोनार्डो कैम्पाना ने दो गोल दागकर इंटर मियामी को बराबरी दिलाई। कैम्पाना ने दूसरा गोल इंजुरी टाइम (90+7) में किया।

निर्धारित समय तक मुकाबला 2-2 से बराबरी पर था। इसके बाद मुकाबला एक्स्ट्रा टाइम में गया। मियामी ने अतिरिक्त समय के तीसरे मिनट में जोसेफ मार्टिनेज के गोल से बढ़त बनाई लेकिन सिनसिनाटी ने 114वें मिनट में युया कुबो के गोल से मैच को फिर बराबरी पर ला दिया। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया जिसमें मियामी जीत दर्ज करने में सफल रहा। सिनसिटानी के लिए

निक हैग्लुंड 5वें पर गोल नहीं कर पाए। इस तरह मियामी ने शूटआउट को 5-4 से जीत लिया।

मियामी 27 सितंबर को होने वाले फाइनल में ह्यूस्टन डायनेमो से भिड़ेगा जिसने एक अन्य सेमीफाइनल में रियल साल्ट लेक को 3-1 से हराया। पिछले हफ्ते ही इंटर मियामी ने नैशविले को हराकर लीग्स कप का खिताब जीता था। अब उसके पास ट्रॉफी जीतने का एक और मौका होने वाला है।

ईडन गार्डन्स की तैयारियां के लिए 12 सदस्यीय विशेष समिति का गठन

सौरव गांगुली के हाथों में कमान

नईदिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन (सीएबी) के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, क्योंकि उनका लक्ष्य आगामी वनडे विश्व कप 2023 में सभी प्रशंसकों को एक सहज अनुभव प्रदान करना है। विश्व कप 5 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शुरू होने वाला है। इस बीच कोलकाता का प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स स्टेडियम में पांच मैचों की मेजबानी करेगा और उससे पहले गांगुली और कैब कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं, क्योंकि वे दूसरे सेमीफाइनल सहित कई प्रमुख मैचों की मेजबानी करेंगे।

दिलचस्प बात यह है कि कैब ने ईडन गार्डन्स के विकास की देखरेख के लिए 12 सदस्यीय विशेष

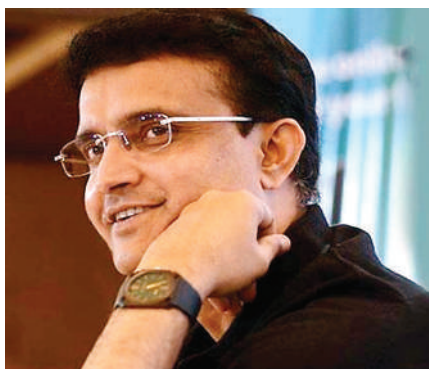

समिति का गठन किया है, जिसमें गांगुली सहित कई प्रमुख सदस्य शामिल हैं। हाल ही में स्टेडियम और बोर्ड को भारी आलोचना का सामना करना पड़ा जब ड्रेसिंग रूम में आग लग गई। इस प्रकार ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए समिति अथक प्रयास कर रही है और उम्मीद है कि टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही काम पूरा हो जाएगा। विशेष रूप से जब ईडन गार्डन्स ने 2016 में टी20 विश्व कप फाइनल की मेजबानी की थी तब गांगुली कैब प्रमुख थे और बाद में टी20 विश्व कप 2021 के दौरान बीसीसीआई प्रमुख के रूप में काम किया था। इसलिए उनके पास प्रमुख टूर्नामेंटों को संभालने का अनुभव है और उन्होंने परियोजना के विकास पर अपडेट दिया।

ईडन का काम अच्छा चल रहा है

गांगुली ने कहा, ईडन का काम अच्छा चल रहा है। काम समय पर पूरा हो जाएगा। गांगुली के अलावा कैब के पूर्व अध्यक्ष अविषेक डालमिया भी समिति का हिस्सा हैं और स्नेहाशीष गांगुली भी समिति का हिस्सा हैं, जो वर्तमान में कैब का नेतृत्व कर रहे हैं। पूरी कार्य प्रक्रिया के बारे में बोलते हुए गांगुली के बड़े भाई ने आश्वासन दिया कि सब कुछ काफी सुचारू रूप से चल रहा है और उन्हें टूर्नामेंट में भारी सफलता की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हमने विश्व कप के लिए 12 सदस्यों की एक समिति बनाई है। सौरव और अविषेक जो कि आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के सदस्य हैं, दोनों को रखा गया है। स्नेहाशीष ने कहा, हम सभी इस महान यज्ञ में सफलता प्राप्त करने के लिए तैयार हैं। वहीं ईडन गार्डन्स में होने वाले मैचों के टिकट 2 सितंबर को रात 8 बजे से लाइव हो जाएंगे।

राजनीति ने किया बेड़ागर्क, भारतीय कुश्ती संघ की मान्यता रद्द

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग का डब्ल्यूएफआई चुनाव न कराने पर एक्शन, हाईकोर्ट के स्टे से अटके हैं चुनाव

चंडीगढ़ (एजेंसी)। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने गुरुवार को भारतीय कुश्ती संघ की सदस्यता रद्द कर दी है। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने 30 मई को भारतीय कुश्ती संघ को पत्र लिखा था। इसमें कहा गया था कि अगले 45 दिन यानी 15 जुलाई तक भारतीय कुश्ती संघ का चुनाव नहीं किया गया तो सदस्यता सस्पेंड कर दी जाएगी।

डब्ल्यूएफआई अपने पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह पर कुछ महिला पहलवानों की ओर से लगाए गए यौन शोषण के आरोपों के बाद पहले से ही मुश्किलों

में घिरी हुई है। अब संघ की सदस्यता जाने के बाद भारतीयों पहलवानों के लिए यह बड़ा झटका है।

इस फैसले के बाद भारतीय पहलवान अब 16 से 22 सितंबर के बीच सर्बिया में होने वाली पुरुषों की वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में भारतीय झंडे के तले नहीं खेल पाएंगे। भारतीय पहलवानों को इस ओलिंपिक-क्वालिफाइंग चैंपियनशिप में यूडब्ल्यूडब्ल्यू के बैनर तले ही खेलना होगा। इन्हें 'ऑथोराइज्ड न्यूट्रल एथलीट की कैटेगरी में गिना जाएगा।

क्या है ऑथोराइज्ड न्यूट्रल एथलीट

'ऑथोराइज्ड न्यूट्रल एथलीट (एएनए) कैटेगरी के तहत किसी विवाद की सूरत में संबंधित देश के एथलीट इंटरनेशनल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हैं। इस कैटेगरी में एथलीट अपने देश के झंडे तले नहीं बल्कि प्रतियोगिता कराने वाली इंटरनेशनल संस्था के बैनर तले खेलते हैं।

यही नहीं, 'न्यूट्रल एथलीट' के रूप में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ी यदि पदक जीतते हैं तो उन पदक को उनके देश के मेडल्स में भी काउंट नहीं किया जाता। मेडल जीतने की सूरत में होने वाली अवॉर्ड सेरेमनी में उनके देश का राष्ट्रगान भी नहीं बजाया जाता। डब्ल्यूएफआई की सदस्यता रद्द होने के बाद 16 सितंबर से सर्बिया में शुरू होने वाली वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में भारतीय पहलवानों को भी अब 'ऑथोराइज्ड न्यूट्रल एथलीट एएनए के रूप में खेलना होगा। वह भारत के झंडे या डब्ल्यूएफआई के बैनर तले इसमें भाग नहीं ले सकेंगे।

वर्ष 2017 की आईएएएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में रूस के 19 एथलीटों को न्यूट्रल एथलीट के रूप में खेलने की मंजूरी दी गई थी। 2018 की आईएएएफ वर्ल्ड इंडोर चैंपियनशिप में 8 और 2018 की ही आईएएएफ वर्ल्ड 20 चैंपियनशिप में कुल 9 एथलीटों ने न्यूट्रल एथलीट के रूप में हिस्सा लिया। 2019 की यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कुल 30 और 2019 में ही दोहा में हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप में कुल 29 एथलीटों ने बतौर न्यूट्रल एथलीट भाग लिया था।

संक्षिप्त समाचार

तेजस से 'अस्त्र' का सफल परीक्षण, गोवा के तट पर मिसाइल को 20000 फुट की ऊंचाई से दागा

नई दिल्ली , एजेंसी। स्वदेश निर्मित हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस से बुधवार को गोवा के तट पर हवा से हवा में मार करने वाली बियॉन्ड विजुअल रेंज (बीवीआर) मिसाइल अस्त्र का सफल परीक्षण किया गया। अधिकारियों ने बताया कि करीब 20,000 फुट की ऊंचाई पर विमान से मिसाइल का परीक्षण किया गया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि परीक्षण की निगरानी वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए), रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. (एचएएल) के परीक्षण निदेशक और वैज्ञानिकों तथा सेंटर फॉर मिलिट्री एयरवर्थनेस एंड सर्टिफिकेशन (सीईएमआईएलएसी) और एयरोनॉटिकल क्वालिटी एश्योरेंस महानिदेशालय (डीजी-एक्यूए) के अधिकारियों ने की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एलसीए तेजस से मिसाइल के सफल परीक्षण के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस परीक्षण से तेजस की युद्धक क्षमता में काफी वृद्धि होगी और आयातित हथियारों पर निर्भरता कम होगी।

सैरांग में रेस्क्यू कार्य जारी, बचावकर्मी मलबे में दबे लोगों को बाहर में जुटे

आइजोल एजेंसी। मिजोरम की राजधानी आइजोल से 20 किलोमीटर दूर सैरांग में बुधवार को एक निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज गिरने से 19 की मौत हो गई। बुधवार की शाम तक मलवे से 18 लाश बाहर निकाले जा चुके थे, वहीं पांच की तलाश जारी थी। फिलहाल सैरांग में बचाव कार्य जारी है। बचावकर्मी मलवे में दबे लोगों को बाहर निकालकर उन्हें अस्पताल ले जा रहे हैं। रेलवे के अनुसार मिजोरम में इतने बड़े घटना का कारण एक गर्डर मशीन को बताया जा रहा है। दरअसल ब्रिज के निर्मानकार्य के दौरान वहां गर्डर मशीन गिर गया। यह मशीन एक विशेष प्रयोजन वाली मोबाइल गैन्ट्री क्रेन है जिसका उपयोग पुल निर्माण में किया जाता है। साथ ही इस मशीन का उपयोग पुल खंडों और गर्डरों को उठाने और सपोर्ट करने के लिए किया जाता है।

आगरा में हिंदी सीखेंगे विदेश के छात्र, सितंबर के पहले हफ्ते से क्लास, दूर होगा मानसिक तनाव

आगरा, एजेंसी। आगरा में केंद्रीय हिंदी संस्थान का आंगन विदेशी छात्रों से फिर से गुलजार होने वाला है। इस बार 26 देशों के 100 विदेशी छात्रों से हिंदी का आंगन महकेगा। पिछले साल से इस बार छात्रों की संख्या बढ़ने से संस्थान में खुशी का माहौल है। छात्र-छात्राओं का अपने देश से भारत में आना शुरू हो गया है। कजाकिस्तान के दो छात्र बुधवार रात को केंद्रीय हिंदी संस्थान पहुंचे। इसके साथ ही विदेशों से छात्र-छात्राओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया है। तुर्केमेनिस्तान पहली बार शामिल हुआ। 2 छात्र आएंगे। सितंबर के पहले सप्ताह से कक्षाएं लगेंगी। संस्थान के मीडिया प्रभारी केसरीनंदन के मुताबिक सन् 1975 से अब तक 94 देशों के 4019 छात्र विभिन्न कोर्स में एडमिशन लेकर हिंदी की बारीकियां संस्थान से सीख चुके हैं। इस शिक्षा सत्र में अरमेनिया, बेलारस, बुलगारिया, चाड, चीन, कोस्ट रिका, क्यूबा, इजिप्ट, फिजी, कजाकिस्तान, केन्या, मंगोलिया, नाइजीरिया, पेरू, रोमानिया, रूस, साउथ कोरिया, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, स्वीडन, थाईलैंड, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, तुर्केमेनिस्तान, उज्बेकिस्तान, वियतनाम समेत 26 देशों के छात्र पहुंचेंगे। घर से दूर होने पर अकसर छात्र तनाव में आ जाते हैं। इस बार हिंदी सीख रहे विदेशी बच्चों के लिए योग करना भी जरूरी होगा। एक कमेटी में मनोवैज्ञानिक भी शामिल है। जो विदेशी छात्रा-छात्राओं की काउंसलिंग भी करेंगे।छात्र-छात्राओं के आने के बाद रजिस्ट्रेशन के बाद उन्हें प्रश्नपत्र हल करना होगा। इसके नंबर के आधार पर तय होगा कि उन्हें कौन सी कक्षा में प्रवेश मिलेगा।

हिमाचल में तबाही से 330 लोग मरे, 12,000 घर बर्बाद हुए; सांसद अपने फंड से पैसे दें- राजीव शुक्ला

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में बारिश और बाढ़ से हुई तबाही के बीच कांग्रेस ने केंद्र सरकार से मांग की है कि राज्य को 10,000 करोड़ का विशेष पैकेज दिया जाए। इसके अलावा जिस तरह हिमाचल में आसमानी आफत से हाहाकार मचा है उसे देखते हुए इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाए। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस इंचार्ज राजीव शुक्ला ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और राज्यसभा अध्यक्ष जगदीप धनखड़ से आग्रह किया है कि वो दोनों सदन के सांसदों को अनुमति दें कि वो अपने राहत फंड से हिमाचल प्रदेश को फंड जारी करें। कांग्रेस ने इस आपदा को अभूतपूर्व बताया है। कांग्रेस ने कहा कि उत्तरी राज्य को राष्ट्रीय तौर पर उतना महत्व नहीं मिल रहा है जबकि इस राज्य ने इतनी बड़ी आपदा का सामना कभी नहीं किया है।

छोटे शहरों से निकले वैज्ञानिकों का बड़ा कमाल, चंद्रयान-3 की कामयाबी में दिया अहम योगदान

नई दिल्ली , एजेंसी।
चंद्रयान-3 की सफलता के साथ भारत ने बुधवार को अंतरिक्ष में नया इतिहास रचा। चंद्रयान की सफल लैंडिंग में इसरो की बहुत बड़ी टीम ने काम किया है। देशभर के कई होनहार वैज्ञानिकों को टीम का हिस्सा बनाया गया, जो अलग-अलग कोनों से संबंध रखते हैं। इन टीमों में यूपी के कई वैज्ञानिकों ने भी अहम भूमिका निभाई है। किसी ने उपकरण डिजाइन किया तो कोई चंद्रयान पर हर पल निगरानी रख रहा था। मुरादाबाद, अलीगढ़ और बदायूं जैसे छोटे शहरों से निकले इन वैज्ञानिकों भारत की इस सफलता में बड़ा योगदान दिया है।

लैंडर-रोवर टीम के सदस्य हैं अलीगढ़ के प्रियांशुत्र अलीगढ़ के प्रियांशु वार्ष्णेय इसरो की उस अहम टीम का हिस्सा हैं, जो लैंडर और रोवर को लेकर काम कर रही थी। एएमयू से एम.टेक (इलेक्ट्रॉनिक्स) की पढ़ाई करने वाले प्रियांशु के पिता डॉ. राजीव कुमार वार्ष्णेय एसवी कॉलेज में भूगोल विभाग में प्राध्यापक हैं। मां ममता गुप्ता विष्णुपुरी बेलामार्ग स्थित प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापिका हैं।

मिर्जापुर के आलोक ने निभाई लैंडिंग व कम्युनिकेशन की अहम जिम्मेदारी

मिशन में मिर्जापुर के युवा वैज्ञानिक आलोक कुमार पांडेय भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं। आलोक और उनके साथियों ने लैंडिंग और कम्युनिकेशन की जिम्मेदारी संभाली है। पिता संतोष पांडेय ने पुत्र आलोक से फोन पर हुई वार्ता के बारे में बताया कि मिशन के शत-प्रतिशत सफल होने के लिए आलोक तीन दिन से लगातार इसरो के कमांड सेंटर में ही काम करते रहे। इसरो में वरिष्ठ वैज्ञानिक के पद पर काम कर रहे आलोक मार्स मिशन 2014 में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार पा चुके हैं। चंद्रयान दो की लांचिंग में भी महत्वपूर्ण निभा चुके हैं।

चंद्रयान-3 के लांच व्हीकल के दूसरे चरण लिक्विड प्रोपल्सन के इंचार्ज की महत्वपूर्ण भूमिका उझानी निवासी सत्यपाल अरोड़ा ने निभाई। इसरो में वरिष्ठ वैज्ञानिक के पद पर काम कर रहे सत्यपाल ने चंद्रयान के दूसरे चरण में लिक्विड प्रोपल्सन की टेस्टिंग और एनालिसिस का कार्य उन्होंने 60 लोगों की टीम के साथ पूरा किया।

मुरादाबाद के कांशीरामनगर ई-ब्लॉक निवासी मेघ भटनागर और उनकी पत्नी गौतमी इस मिशन में ऑन बोर्ड सॉफ्टवेयर साइंटिस्ट के रूप में जुड़े थे तो खुशहाल नगर निवासी वैज्ञानिक रजत प्रताप सिंह ने भी चंद्रयान 3 मिशन में अहम योगदान दिया है। मेघ इससे पहले चंद्रयान-2 से जुड़े थे। वह चंद्रयान-2 को कक्षा में स्थापित करने वाले रॉकेट जीएसएलवी मार्क-3 से मिशन डिजाइन क्वालिटी कंट्रोल साइंटिस्ट के रूप में थे।

उधर, वैज्ञानिक रजत प्रताप सिंह के परिजन भी शाम को एकटक टीवी देख रहे थे। जैसे ही चंद्रयान ने चांद को छूआ बहन रजनी सिंह ने कहा कि मम्मी भाई ने मुझे रक्षाबंधन का सबसे बड़ा तोहफा दे दिया। इसी दौरान रजत का फोन अपनी मम्मी मीरा सिंह के पास आया। रजत ने कहा कि मम्मी नमस्ते। बधाई हो...। आपने सुना... हम सफल हो गए। बता दें कि रजत इसरो की चयन परीक्षा में ऑल इंडिया टॉपर रह चुके हैं। प्रतापगढ़ के रवि केसरवानी चंद्रयान-3 मिशन की उस टीम में हैं, जिसने शेप (स्पेक्ट्रो पोलरोमेट्री ऑफ हैबिटेबल प्लेनेटरी अर्थ) नाम का विशेष उपकरण बनाया है। यह चांद पर धरती से भेजे गए सिग्नल का अध्ययन करेगा।

हिमाचल, पंजाब यूपी और उत्तराखंड में 16 की मौत, अगले कुछ दिन भारी बारिश का अनुमान

नई दिल्ली , एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में बुधवार को भी बारिश का कहर जारी रहा।?वर्षाजनित हादसों में हिमाचल में 10, पश्चिमी यूपी में तीन, पंजाब में दो और उत्तराखंड में एक व्यक्ति की मौत हुई है। मौसम विभाग ने उत्तर भारत में अगले 24 घंटे के दौरान बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। गांव धनारी में मकान की छत गिरने से पिता-पुत्री की मौत हो गई जबकि बच्ची समेत दो लोग घायल हो गए। वहीं बदायूं जिले के सहसवान कोतवाली क्षेत्र स्थित गांव इस्माइलपुर अल्लैपुर में कच्चे मकान की दीवार गिरने से 12 साल के एक बच्चे की मौत हो गई। हिमाचल प्रदेश में रेड अलर्ट के बीच बारिश ने कहर बरपाया। राज्य में एक बच्चे समेत दस लोगों की मौत हो गई जबकि छह लोग लापता हैं। शिमला के बल्देयां में एक दंपती की मौत हुई जबकि जुन्गा में पांच साल के बच्चे, मंडी में नाना-दोहती, ताई-भतीजी समेत सात की मौत हुई है। देवप्रयाग। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर देवप्रयाग के समीप भारी मलबा आने से करीब नौ घंटे बंद रहा। लोनिवि के कार्मिकों की कड़ी मशक्कत के बाद मलबा हटाकर यातायात सुचारु किया गया। इसके अलावा हाईवे ऋषिकेश से महादेव चट्टी, धौलधार में भी कुछ देर यातायात बाधित रहा। देवप्रयाग से दो किमी आगे आए मलबे से ऋषिकेश व श्रीनगर की ओर से आए वाहन फंसे रहे।

घायलों को अस्पताल पहुंचाने में स्थानीय लोगों ने की मदद, नौ ने उपचार के दौरान तोड़ा दम

आइजोल एजेंसी।
मिजोरम में कुरुंग नदी पर हादसा उस वक्त हुआ जब श्रमिक निर्माणाधीन रेलवे पुल पर गार्डर रख रहे थे। गार्डर रखने के आखिरी क्षणों में अचानक संतुलन बिगड़ा और गार्डर नीचे गिर पड़ा। श्रमिकों को इस अचानक हादसे की वजह से संभलने का मौका भी नहीं मिला और 26 श्रमिक उसके नीचे दब गए।

सूचना मिलते ही एनडीआरएफ, राज्य प्रशासन, रेलवे अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से गार्डर के नीचे दबे श्रमिकों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। इनमें 18 श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई थी दो गंभीर रूप से घायल श्रमिकों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पांच श्रमिक अभी भी लापता हैं। मिजोरम में जो हादसा हुआ है, वह भैरवी-सैरांग रेलवे प्रोजेक्ट के ब्रिज नंबर 196 पर हुआ। पूर्वोत्तर भारत के सभी राज्यों की राजधानियों को रेल लाइन से जोड़ने के क्रम में मिजोरम के लिए यह एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। 51.38 किमी लंबी भैरवी-सैरांग रेल लाइन परियोजना 85 प्रतिशत से अधिक पूरी हो चुकी है। इसे फरवरी 2024 तक चालू करने का लक्ष्य है।

भैरवी-सैरांग नई रेलवे लाइन परियोजना को वर्ष 2008-09 में मंजूरी दी गई थी, लेकिन फंडिंग की कमी के चलते काम शुरू नहीं हो पाया। इस पर काम पिछले आठ वर्षों से तेजी से हो पाया है। पूरी परियोजना की लंबाई 51.38 किमी और इसकी अनुमानित लागत 8,605 करोड़ रुपये है। इस पूरी परियोजना में 55 बड़े और 87 माइनर ब्रिज होंगे। परियोजना में पांच सड़क के ऊपर वाले पुल और छह सड़क के नीचे वाले पुल भी होंगे। कई सुरंगों का निर्माण होना है।

आईएनडीआईए के होंगे कई संयोजक, लालू यादव के बयान में संदेश ढूंढ रही नीतीश कुमार की पार्टी

नईदिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू यादव के एक बयान से बिहार की राजनीति में कयासों का दौर शुरू हो चुका है। आरजेडी की सहयोगी जेडीयू को उनका वह बयान पसंद नहीं आया है, जिसमें उन्होंने इंडिया गठबंधन के कई संयोजक बनाए जाने की बात कही थी। जेडीयू को भरोसा है कि बीजेपी के खिलाफ विपक्ष को एकजुट करने की पहल करने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इस नए गठबंधन का राष्ट्रीय संयोजक बनाया जा सकता है। 31 अगस्त से 1 सितंबर को मुंबई में तीसरी बैठक होने वाली है, जिसमें इस मुद्दे पर फैसला हो सकता है।

इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जेडीयू के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, एक से अधिक संयोजक बनाने का कोई खास मतलब नहीं है। हालांकि राज्यों के हिसाब से संयोजक होना एक अच्छा विचार है। एनडीए में भी प्रदेश संयोजक हुआ करते थे, लेकिन एक से अधिक संयोजक अच्छा विचार नहीं है। हम नहीं जानते हैं कि लालू यादव इंडिया गठबंधन के एजेंडे के इतने मुख्य हिस्से के बारे में एकतरफा बात कैसे कर रहे हैं।

जेडीयू नेता ने कहा कि हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात करने वाले लालू यादव को इस बात का अंदाजा हो गया होगा कि आगामी बैठक में क्या हो सकता है। ऐसा लगता है कि गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस राष्ट्रीय संयोजक के पद पर विचार के लिए तैयार नहीं है। उसे कुछ अन्य दलों का भी समर्थनमिल सकता है।

आपको बता दें कि चारा घोटाला मामले में जमानत पर बाहर निकले लालू यादव मंगलवार को गोपालगंज में अपने पैतृक गांव फुलवरिया के दौरे पर थे। यहां उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ÷संयोजक की भूमिका पर कोई विवाद नहीं है। कोई भी इंडिया गठबंधन का संयोजक बन सकता है। मान लीजिए कि ङ्क को संयोजक बनाया गया है। ऐसे दूसरे संयोजक भी हो सकते हैं जिन्हें चार-चार राज्य दिए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर समन्वय के लिए राज्यवार संयोजक भी हो सकते हैं।

शी जिनपिंग के पास तेजी से दौड़ा उनका सहयोगी, सिक्योरिटी गार्ड ने रोका; असमंजस में पड़े राष्ट्रपति

जोहानिसबर्ग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ ब्रिक्स सम्मेलन में ऐसी घटना हुई, जिससे वो कुछ समय तक असहज महसूस करने लगे। इस मामले से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर किया जा रहा है। सोशल मीडिया यूजर्ज भी इस पर हैरानी जता रहे हैं कि आखिर गलतफहमी कैसे हो गई। दरअसल, जिनपिंग के प्रतिनिधिमंडल के एक व्यक्ति को सुरक्षाकर्मियों ने धक्का देकर किनारे कर दिया। यह सहयोगी भागकर उनके पास जाने की कोशिश कर रहा था। मगर, सिक्योरिटी गार्ड्स ने उसे पकड़कर गेट पर ही रोक दिया और दरवाजा बंद कर दिया।

चीनी राष्ट्रपति दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में सैंडटन कन्वेंशन सेंटर में एक कार्यक्रम में भाग लेने जा रहे थे, जहां 2023 का 15वां ब्रिक्स पूर्ण सत्र आयोजित किया जा रहा था। अपने सहयोगी के रोके जाने से जिनपिंग भ्रमित हो गए। कार्यक्रम में भाग लेने से पहले ही वो यह समझने की कोशिश करने लगे कि आखिर हुआ क्या है। उन्होंने कई बार पीछे मुड़कर देखा और फिर आगे बढ़ गए। वीडियो में नजर आ रहा है कि जैसे ही जिनपिंग गेट के अंदर दाखिल होते हैं, उनके पीछे से एक शख्स बैग लिए दौड़ा चला आता है। मगर, सुरक्षाकर्मी उसे अंदर जाने से रोक देते हैं।

जोहानिसबर्ग से आई मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को ब्रिक्स बिजनेस फोरम में शिरकत नहीं की, जहां उनके समूह के अन्य नेताओं के साथ भाषण देने की संभावना थी। ऐसे में इस तरह की अटकलें तेज हो गईं कि उनकी तबीयत खराब हो सकती है। कार्यक्रम में चीन के वाणिज्य मंत्री वांग वेंताओ ने चिनपिंग का भाषण पढ़ा, जिसमें उन्होंने आधिपत्य की प्रवृत्ति को लेकर अमेरिका की आलोचना की। भाषण में चिनपिंग ने कहा कि स्उन देशों से लड़ने की प्रवृत्ति रखता है, जो वैश्विक मामलों और वित्तीय बाजारों में उसके प्रभुत्व को खतरे में डालते हैं।

शी जिनपिंग के लिखित भाषण में कहा गया कि हर देश को विकास का अधिकार है और लोगों के पास खुशहाल जीवन जीने की आजादी होनी चाहिए। चीनी राष्ट्रपति ने अमेरिका पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि एक देश वर्चस्व बनाए रखने के लिए उत्सुक है। वह उभरते बाजारों और विकासशील देशों को पंगु बनाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। बता दें कि बुधवार को 15वें ब्रिक्स सम्मेलन में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के नेताओं ने अलग-अलग विषयों पर भी बातचीत भी की। इस दौरान आपसी रिश्तों में तालमेल और गर्मजोशी नजर आई।

भारत से पहले पाकिस्तान ने किया था अंतरिक्ष में आगाज, आज हम चांद पर; फेल हुआ था पड़ोसी

इस्लामाबाद, एजेंसी।
कर्ज में डूबे पाकिस्तान की माली हालत इतनी खराब है कि उसके पास एयरलाइंस तक चलाने के लिए पैसे नहीं है। उसकी तुलना में भारत आज पर पहुंच चुका है। भारत का इसरो अपने तीसरे चंद्रयान मिशन में पूरी तरह से कामयाब रहा है। चंद्रयान-3 का लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान सफलतापूर्वक चंद्रमा की सतह पर पहुंच गए हैं। आज पाकिस्तान की तुलना में भारत अपने अंतरिक्ष अनुसंधान को लेकर काफी बेहतर पोजिशन पर है। मगर यह बात जानकर आपको हैरानी होगी कि एक वक्त ऐसा भी था जब पाकिस्तान स्पेस रिसर्च में भारत से काफी आगे था। एक साथ आजाद हुए भारत और पाकिस्तान ने 60 के दशक में अंतरिक्ष अनुसंधान की शुरुआत की। पाकिस्तान ने साल 1962 में साउंडिंग रॉकेट को लॉन्च कर भारत से काफी आगे निकल गया। स्पेस रिसर्च की ताकत में पाकिस्तान एशिया का तीसरी सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरा। मगर धीरे-धीरे पाकिस्तान का स्पेस प्रोजेक्ट वहां की सैन्य तंत्र ने हथिया लिया।

एक वक्त पाकिस्तान के अमेरिका के साथ संबंध काफी घनिष्ठ थे, जिसका उसे लाभ मिला। पाकिस्तान ने पहला साउंडिंग रॉकेट अमेरिकी सहयोग से बनाया था। इस तरह अमेरिका ने पाकिस्तान को अपना पहला साउंडिंग रॉकेट रहबर-द्ध लॉन्च करने में मदद की, जो वातावरण का अध्ययन करने के लिए बनाया गया था। अगले 10 सालों में, पाकिस्तान की स्पेस एजेंसी सुपारको ने ऐसे कई और साउंडिंग रॉकेट लॉन्च किए और अमेरिका और चीन की मदद से अंतरिक्ष से संबंधित अन्य परियोजनाएं विकसित कीं। हालांकि, 70 के दशक में इसके अंतरिक्ष कार्यक्रम की गति धीमी पड़ने लगी। 1978 में जुल्फिकार अली भुट्टो की मृत्यु के बाद जब जनरल जिया-उल-हक ने पाकिस्तान के राष्टपति का पद संभाला।

नवी मुंबई में एक इमारत का स्लैब गिरा ; मलबे में दबने से दो की मौत, छह घायल

मुंबई एजेंसी। नवी मुंबई के नेरुल इलाके में एक 20 वर्षीय आवासीय इमारत का स्लैब गिरने से दो लोगों की मौत और छह अन्य घायल हो गए। नेरुल के सिसोर में स्थित चार मंजिला तुलसी भवन इमारत की तीसरी मंजिल की छत का स्लैब बुधवार की रात करीब 8-50 मिनट में ढह गई। अग्निशमन अधिकारी अफसर पुरुषोत्तम जादव ने बताया कि स्लैब दूसरी और तीसरी मंजिला पर गिरा, जिससे एक मजदूर की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गए थे। उन्होंने कहा कि इमारत में चार विंग थी, और बी विंग की स्लैब ढह गई। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि जब स्लैब गिरा तब तीसरी मंजिल पर कुछ सिविल काम चल रहा था। इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर एक सिलाई की दुकान थी, और इस घटना के कुछ ही मिनट पहले दुकान का मालिक दुकान बंद करके वहां से निकला था। मरने वालों में एक की पहचान बाबाजी शिंगाडे के तौर पर की गई है। वहीं घायल हुए व्यक्ति को पास के अस्पताल में ले जाया गया है। इस घटना के तुरंत बाद इमारत से सभी लोगों को बाहर निकाला गया और उन्हें फिलहाल नेरुल में अहिल्याबाई होल्कर समाज मंदिर हॉल में ठहराया गया है। घटना की जानकारी पाकर अग्निशमन अधिकारी मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू मे जुट गए। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि इमारत वैध थी और सभी अपेक्षित परमिट भी थे। इस घटना में मरने वालों के मृत शरीर को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया गया है। स्थानीय पुलिस ने फिलहाल दुर्घटना में मृत्यु का मामला दर्ज कर लिया है।

व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ बगावत करने वाले वैगनर चीफ प्रिगोझिन की प्लेन क्रैश में मौत

मास्को, एजेंसी।
रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ बगावत करने वाले उनके पूर्व मित्र, शेफ और निजी सेना वैग्नर ग्रुप के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन की एक विमान दुर्घटना में मौत हो गई है। मॉस्को में बुधवार को एक विमान दुर्घटना में 10 लोगों की मौत हो गई। माना जा रहा है कि मृतकों में येवगेनी प्रिगोझिन भी शामिल हैं। प्रिगोझिन ने दो महीने पहले ही रूसी सेना के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था और यूक्रेन के खिलाफ रूस की तरफ से लड़ रहे अपने निजी सैनिकों को वापस बुलाने का आदेश दिया था।

यह विमान मॉस्को से सेंट पीटर्सबर्ग जा रहा था और राजधानी से 100 से अधिक किलोमीटर दूस त्वेर क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उड़ान संबंधी डेटा के अनुसार, निजी विमान ने बुधवार शाम को मॉस्को से उड़ान भरी और कुछ मिनट बाद ही इसका संपर्क टूट गया। संपर्क किसी ग्रामीण क्षेत्र में टूटा जहां आसपास कोई हवाई क्षेत्र नहीं है जहां विमान सुरक्षित रूप से उतर सकता था। यूक्रेन में रूस की सेना के साथ युद्ध लड़ने वाली प्रीगोझिन की निजी सेना वैग्नर ने जून में रूस के सैन्य नेतृत्व के खिलाफ कुछ वक्त के लिए सशस्त्र विद्रोह कर दिया था। क्रेमलिन ने कहा था कि प्रीगोझिन को बेलारूस निर्वासित किया जाएगा और उनके लड़ाके या तो सेवानिवृत्त हो जाएंगे, उनके साथ चले जाएंगे या रूसी सेना में शामिल हो जाएंगे।

रूस की नागर विमानन एजेंसी के अनुसार प्रिगोझिन उस विमान में मौजूद थे। दुर्घटनाग्रस्त विमान इसी नागर विमानन एजेंसी से संबद्ध था।

इस दुर्घटना के बाद से प्रिगोझिन की मौत को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं जताई जाने लगी हैं क्योंकि बगावत के बाद से ही प्रिगोझिन के भविष्य को लेकर अटकलें लग रही थीं। 23 जून को बागवत करने वाले प्रिगोझिन को तब पुतिन ने गद्दारऔर पीठ में छुरा भोंकने वाला कहकर उनकी आलोचना की थी और बदला लेने का संकल्प लिया था, लेकिन जल्द ही प्रिगोझिन के खिलाफ सारे आरोप वापस ले लिए गए थे। वैग्नर ग्रुप के प्रमुख की सेना को यूक्रेन में रूस की सेना की ओर से लड़ने वाले सर्वश्रेष्ठ लड़ाका समूहों में से एक माना जाता है। विद्रोह के बाद प्रिगोझिन को बेलारूस जाने की अनुमति दी गई थी लेकिन वह कथित तौर पर बीच-बीच में रूस में दिखाई देते थे। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास ने आपात अधिकारियों के हवाले से बताया कि विमान में तीन पायलट और सात यात्री सवार थे। विमान मॉस्को से सेंट पीटर्सबर्ग जा रहा था, राजधानी से 100 से अधिक किलोमीटर दूस त्वेर क्षेत्र में यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। रूस के नागरिक विमानन नियामक रोसावियात्सिया ने बताया कि प्रिगोझिन उस विमान में सवार थे। उड़ान संबंधी डेटा के अनुसार, निजी विमान ने बुधवार शाम को मॉस्को से उड़ान भरी और कुछ मिनट बाद ही इसका संपर्क टूट गया। संपर्क किसी ग्रामीण क्षेत्र में टूटा जहां आसपास कोई हवाई क्षेत्र नहीं है जहां विमान सुरक्षित रूप से उतरा जा सके। प्रिगोझिन के साथ अंडर कवर खोजी रिपोर्टर के तौर पर काम कर चुकीं गार्माजापोवा ने हाल ही में वैग्नर प्रमुख की मौत की आशंका जताई थी। उन्होंने कहा था, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि प्रिगोझिन को अपना बाकी जीवन मध्य अफ्रीकी गणराज्य या किसी अन्य अफ्रीकी देश में बिताना होगा। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करेगा कि पुतिन उसे कितनी हद तक छोड़ते हैं।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129, 9